हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 11 खेल

देवदत्त पडिक्कल ने ऋतुराज, एबी डिविलियर्स, कोहली का रिकॉर्ड तोड़

Page 10 देश

शुभेन्दु अधिकारी ने महिला की मौत पर ममता की गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग की

कृष्ण पक्ष, पूर्व फाल्गुनी, विक्रम संवत् 2081

• औरंगाबाद • शुक्रवार • 17 जनवरी 2025 • वर्ष 28 • अंक 40 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 80,620	₹95,500

आज का इतिहास

- 1989 : कर्नल जे.के. बजाज उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने।
- 2012 : भारत और चीन सीमा मुद्दों को हल करने के लिए एक कार्यात्मक कार्यालय बनाने के लिए सहमत हैं।

न्यूज बाइट्स

सैफ अली खान पर घर में घुसकर हमला

मुंबई (ए.)। सैफ और करीना अपने दूसरे बेटे के जन्म के बाद सतगुरु शरण अपार्टमेंट में शिफ्ट हुए थे। इससे पहले वे फॉर्चून हाउस नाम के घर में रहते थे। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया गया है। घटना मुंबई के खार स्थित गुरु शरण अपार्टमेंट के 12वें फ्लोर पर बुधवार देर रात करीब डेढ़ बजे हुई। इस हमले में एक्टर को गले, पीठ, हाथ और सिर समेत 6 जगह चाकू लगा था। सैफ को रात 2 बजे लीलावती हॉस्पिटल ले जाया गया था। लीलावती अस्पताल के सीओओ डॉ. नीरज उत्तमानी ने बताया कि सैफ की रीढ़ की हड्डी में चाकू का टुकड़ा फंसा था और फ्लूड भी लीक हो रहा था। सर्जरी करके इसे निकाला गया है। एक्टर के बाएं हाथ पर दो गहरे घाव थे और गर्दन पर भी गहरी चोट थी। इनकी प्लास्टिक सर्जरी की गई है। अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मुंबई पुलिस के डीसीपी गेदाम दीक्षित ने बताया कि एक हमलावर की पहचान कर ली गई है। वह सीढ़ियों से अपार्टमेंट में दाखिल हुआ था। हमले के बाद भी सीढ़ियों से भागा था। इसे बीती रात बिल्डिंग में देखा गया था।

वास्तविक कौशल वाले पेशेवरों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना होगाः मांडविया

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि कौशल विकास के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है और केवल प्रमाणपत्रों की बजाय आवश्यक वास्तविक कौशल वाले पेशेवरों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। श्री मांडविया ने बुधवार की देर रात यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार नवाचार को प्रोत्साहन देकर, उत्पादकता में वृद्धि कर और कार्यबल के लिए लोगों को तैयार करके रोजगार सृजित किया जा रहा है। देश में वैश्विक प्रतिभा केंद्र का निर्माण किया जा रहा है।

प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दी खगड़िया जिले को करोड़ों की सौगात

बिहार में पशु आहार संयंत्र का उद्घाटन दुग्ध उत्पादकों को मिलेगा बड़ा लाभ

निज संवाददाता | खगड़िया

गुरूवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खगड़िया जिले के महेशखूँट में 300 मीट्रिक टन दैनिक उत्पादन क्षमता वाले पशु आहार संयंत्र का उद्घाटन किया। 43 करोड़ रुपये की लागत से बने इस संयंत्र का निर्माण राज्य सरकार द्वारा दी गई राशि से किया गया है। संयंत्र का प्रबंधन बिहार स्टेट मिल्क कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (कॉम्फेड) के अंतर्गत आने वाले देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ द्वारा किया जाएगा। यह संघ बेगूसराय, खगड़िया और लखीसराय जिलों के दुग्ध उत्पादकों से संबद्ध है।

इस परियोजना का सीधा लाभ राज्य के पूर्वी भाग के लगभग 5 लाख दुग्ध उत्पादकों को होगा। उद्घाटन समारोह में पशुपालन और मत्स्य संसाधन विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी, कॉम्फेड के प्रबंध निदेशक राज कुमार, खगड़िया के जिलाधिकारी और बड़ी संख्या में दुग्ध उत्पादक उपस्थित थे। इस संयंत्र के उद्घाटन के साथ, बिहार के डेयरी उद्योग को नई ऊर्जा मिली है। उच्च गुणवत्ता वाले पशु आहार की उपलब्धता, कम लागत और बेहतर प्रबंधन के साथ, यह परियोजना राज्य के दुग्ध उत्पादकों के लिए वरदान साबित होगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह कदम किसानों की आय बढ़ाने और बिहार को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य बनाने के दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इसके बाद पशु आहार कारखाना परिसर में रिमोट के माध्यम से 430 करोड़ की योजनाओं की 224 विकासात्मक योजनाओं शिलान्यास किया गया। अलौली प्रखंड में बागमती नदी के गढ़ घाट पर 99 करोड़ की लागत से बनने वाले 450 मीटर लंबे पुल का शिलान्यास किया। पुल के शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री ने शहर के 19 करोड़ 39 लाख की लागत से प्रस्तावित सड़क व एंटी स्लुईस गेट का निरीक्षण किया।

पशु आहार की गुणवत्ता और उपलब्धता में होगा सुधार

कॉम्फेड, जो बिहार की डेयरी सहकारी संस्थाओं की शीर्ष संस्था है, इस संयंत्र के माध्यम से 14 लाख दुग्ध उत्पादकों को उच्च गुणवत्ता और प्रोटीन युक्त पशु आहार उपलब्ध कराएगी। अब तक पूर्वी बिहार में सहकारी क्षेत्र का कोई पशु आहार कारखाना नहीं था, और यहां की मांग को पटना और रांची स्थित संयंत्रों द्वारा पूरा किया जाता था। इस नए संयंत्र की स्थापना से पशु आहार की लागत में कमी आएगी और किसानों को सस्ता और सुलभ पशु आहार मिल सकेगा। नीति आयोग के आकलन के अनुसार, बिहार में दुधारू पशुओं की ठोस आहार की मांग की 39% कमी है। इस संयंत्र के शुरू होने के बाद, कॉम्फेड के पशु आहार कारखानों की कुल क्षमता 1060 मीट्रिक टन प्रतिदिन हो जाएगी, जिससे आहार की मांग पूरी करने में मदद मिलेगी।

'सुधा' ब्रांडः दुग्ध उद्योग का विस्तार

सुधा के नाम से घर-घर में प्रसिद्ध कॉम्फेड वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 23 लाख लीटर दूध अपनी सहकारी समितियों से प्राप्त करता है। इन समितियों द्वारा संग्रहित दूध को 20 डेयरी संयंत्रों में प्रोसेस किया जाता है, जिनकी कुल क्षमता 49 लाख लीटर प्रतिदिन है। राज्य के दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से इस दूध को न केवल बिहार बल्कि झारखंड, कोलकाता, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भी विपणन किया जाता है। यह पहल राज्य के ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बन रही है।

सरकारी कर्मचारियों को मोदी सरकार का तोहफा

केन्द्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग को दी मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए आठवें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी। इस फैसले से देशभर के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की सैलरी और पेंशन में बड़ा इजाफा होने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी कि केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में संशोधन के लिए सरकार ने 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, '1947 से अब तक सात वेतन आयोग लागू हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नियमित वेतन आयोग बनाने का वादा किया था। सातवां वेतन आयोग 2016 में लागू हुआ था और इसे 2026 तक चलना था, लेकिन उससे पहले ही 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी गई है।

वेतन आयोग का महत्व

हर 10 साल में एक बार वेतन आयोग का गठन किया जाता है। इसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड कर्मचारियों की पेंशन में महंगाई और अन्य कारकों के आधार पर संशोधन करना है।

सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को 2016 में लागू किया गया था, जिसका गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार ने 2014 में किया था। इससे पहले चौथे, पांचवें और छठे वेतन आयोग भी 10-10 साल के अंतराल पर लागू किए गए थे। सरकारी कर्मचारी काफी समय से आठवें वेतन आयोग के गठन की मांग कर रहे थे। अब सरकार के इस फैसले से उनकी मांग पूरी हो गई है। वेतन आयोग के तहत महंगाई, जीवनयापन की लागत और अन्य आर्थिक कारकों को ध्यान में रखते हुए वेतन और पेंशन में संशोधन किया जाएगा। इस फैसले के लागू होने से सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में बंपर बढ़ोतरी होगी, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ेगी और बाजार में खपत भी तेज होगी। वहीं, पेंशनभोगियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। सरकार का यह फैसला न केवल सरकारी कर्मचारियों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों को भी गति देने में सहायक साबित हो सकता है।

कैबिनेट ने इसरो के तीसरे लॉन्च पैड को दी मंजूरी

नई दिल्ली(ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में 8वें केंद्रीय वेतन आयोग को मंजूरी दी गई। इसके अलावा कैबिनेट ने अंतरिक्ष बुनियादी ढांचा बढ़ाने की दिशा में भी बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने इसरो के तीसरे लॉन्च पैड को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि 3,985 करोड़ रुपये की लागत से तीसरे लॉन्च पैड को आज कैबिनेट ने मंजूरी दी है। यह अंतरिक्ष बुनियादी ढांचे में देश के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि अगर आप पहले और दूसरे लॉन्च पैड को देखें, तो इसकी क्षमता उन दोनों से कहीं अधिक है। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में तीसरे लॉन्च पैड का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य देश की अंतरिक्ष प्रक्षेपण क्षमताओं को बढ़ाना है। नया बुनियादी ढांचा इसरो के अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यानों' का समर्थन करेगा और मौजूदा दो लॉन्च पैड के लिए स्टैंडबाय के रूप में काम करेगा। इसके अलावा, यह आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों के लिए भारत की क्षमता का विस्तार करेगा।

जवानों और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़, 12 नक्सली ढ़ेर

एजेंसी | बीजापुर (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आज बृहस्पतिवार को सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें 12 नक्सलियों के मारे जाने की खबर सामने आई है। अधिकारी ने बताया कि दक्षिण बीजापुर के जंगल में सुबह करीब नौ बजे उस समय गोलीबारी शुरू हो गई जब सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि 3000 से अधिक जवानों ने जंगल में मौजूद नक्सलियों को चारो तरफ से घेर रखा है। मुठभेड़ अभी भी जारी है। मरने वाले नक्सलियों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अधिकारी ने बताया कि तीन जिलों के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विशिष्ट जंगल युद्ध इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रिजोल्यूट एक्शन) की पांच बटालियन और सीआरपीएफ की 229वीं बटालियन के जवान इस अभियान में शामिल हैं।

पेड़ से टकराई बाइक, तीन की मौत

निज संवाददाता | कटिहार

जिले के आबादपुर थाना क्षेत्र के दास ग्राम सतुआ में सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन चचेरे भाइयों की मौत हो गई। तीनों भाई एक ही बाइक पर सवार होकर किसी काम से जा रहे थे, तभी उनकी बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही दो भाइयों की मौत हो गई, जबकि तीसरे भाई ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बाइक में आग लग गई, जिससे वह पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान गोपाल घोष, रंजीत घोष और रामलाल घोष के रूप में हुई है। ये तीनों आपस में चचेरे भाई थे और एक ही परिवार से संबंध रखते थे। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कटिहार के एसपी वैभव शर्मा ने इस घटना को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा कि बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई और इस हादसे में तीनों युवकों की जान चली गई। हादसे के बाद बाइक में आग लगने से वह जलकर खाक हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। तीन चचेरे भाइयों की असमय मौत से पूरे गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि तीनों भाई मिलनसार और खुशमिजाज स्वभाव के थे। उनकी इस तरह मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। यह हादसा तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुआ, जो एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वाहन चलाते समय गति नियंत्रण में रखें और सुरक्षा का ध्यान दें। यह हादसा न केवल एक परिवार बल्कि पूरे गांव के लिए अपूरणीय क्षति है। तीन चचेरे भाइयों की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

सुनील सिंह की सदस्यता का मामला

विधान परिषद के रिजल्ट पर रोक, 20 को अगली सुनवाई

निज संवाददाता | पटना

राजद के पूर्व एमएलसी सुनील कुमार सिंह की सदस्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। इसमें बिहार विधान परिषद की तरफ से सीनियर एडवोकेट रंजीत कुमार ने दलीलें रखीं। उन्होंने कहा, 'एथिक्स कमेटी ने सुनील कुमार सिंह को 5 बार आमंत्रित किया। वे बैठकों में शामिल नहीं हुए। सिर्फ पत्र लिखा। आरोपों का जवाब देने के बजाय उन्होंने 3 सवाल उठाए। इसके बाद कोर्ट ने 20 जनवरी तक के लिए सुनवाई स्थगित कर दी। विधान परिषद की सदस्यता रद्द के फैसले को सुनील सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने विधान परिषद के नतीजे की घोषणा पर रोक लगा दी थी। बुधवार की सुनवाई के दौरान पूर्व एमएलसी सुनील सिंह के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि, 'सुनील कुमार सिंह ने सीएम नीतीश कुमार को 'पलटू राम' कहा, लेकिन यह इतना गंभीर उल्लंघन नहीं था कि स्थायी रूप से निष्कासित कर दिया जाए।' सिंघवी के इस दलील पर इस पर कोर्ट ने कहा, 'हम कल भी इस मामले पर सुनवाई जारी रखेंगे। तब तक परिणाम घोषित नहीं किया जाना चाहिए।

दरअसल, पिछले साल विधान परिषद की मानसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मिमिक्री करने के आरोप में विधान परिषद की आचार समिति ने लालू प्रसाद के करीबी राजद के पूर्व एमएलसी सुनील सिंह की सदस्यता रद्द कर दी थी।

मार्च 2025 तक बिहार होगा हाइड्रोसील बीमारी से मुक्त : मंगल पांडेय

पटना (नि.सं.)। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया है कि मार्च 2025 तक बिहार को हाइड्रोसील बीमारी से मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत हाइड्रोसील मरीजों की शल्य-क्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के लिये स्वास्थ्य विभाग के सभागार में गुरूवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री पांडेय ने की।

लैंड फॉर जॉब केस में अब 30 जनवरी को सुनवाई

एजेंसी | पटना

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आज (16 जनवरी) लैंड फॉर जॉब मामले में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में 30 जनवरी को सुनवाई होगी। कोर्ट ने एक रेलवे अधिकारी पर केस चलाने की अनुमति नहीं दी।

इससे पहले भी 23 दिसंबर को केस चलाने की अनुमति नहीं मिलने के कारण सुनवाई टल गई थी। इस केस में लालू परिवार के पांच सदस्य आरोपी हैं। इसमें लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मीसा भारती और हेमा यादव शामिल हैं। 7 अक्टूबर को हुई सुनवाई में लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार समेत सभी 9 आरोपियों को जमानत मिल गई थी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सभी को 1-1 लाख के निजी मुचलके पर बेल दी थी। कोर्ट ने सभी को पासपोर्ट सरेंडर करने के निर्देश दिए थे। लैंड फॉर जॉब्स मामले में 20 जनवरी 2024 को ईडी की दिल्ली और पटना टीम के अधिकारियों ने लालू और तेजस्वी से 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी। ईडी सूत्रों के मुताबिक लालू प्रसाद से 50 से ज्यादा सवाल किए गए थे। उन्होंने ज्यादातर जवाब हां या ना में ही दिए थे। पूछताछ के दौरान कई बार लालू झल्ला भी गए थे। वहीं, तेजस्वी से 30 जनवरी को लगभग 10-11 घंटे तक पूछताछ चली थी।

45 करोड़ की अवैध लॉटरी का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

रोहतास में अवैध लॉटरी के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस छापेमारी में 45 करोड़ रुपए की अवैध लॉटरी और छपाई में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जब्त किए गए हैं। चेनारी थाना क्षेत्र के खुरमाबाद स्थित एक राइस मिल से 45 करोड़ रुपए की लॉटरी और 4 करोड़ की सामग्री बरामद की गई है। शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्यप्रकाश और एसपी रोशन कुमार ने इसकी जानकारी दी है। इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्यप्रकाश ने कहा कि पूरे मामले को लेकर आर्थिक अपराध इकाई(ईओयू) और ईडी से जांच कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि यह अंतरराज्यीय गिरोह डेढ़ साल यानी की अगस्त 2023 से राइस मिल की आड़ में अवैध लॉटरी का कारोबार चला रहा था। इससे पहले इस गिरोह ने झारखंड के धनबाद में बड़े पैमाने पर लॉटरी का कारोबार किया था। वहीं, छापेमारी में लॉटरी टिकट, सील पैक 420 कार्टन, खुला पैक 722 कार्टन, सादा कागज (ए3 साइज) 830 कार्टन, प्रिंट हुआ कागज 419 कार्टन, उपकरण और मशीनरी, 6 कलर ऑफसेट मशीन, 3 लैपटॉप, 20 कंप्यूटर मॉनिटर, 18 सीपीयू, 22 मोबाइल फोन, 2 कलर प्रिंटर, 1 फोटो कॉपियर और अन्य प्रिंटिंग और तकनीकी उपकरण जब्त किए गए हैं। इसकी कुल कीमत 4 करोड़ है। पवन झुनझुनवाला का संबंध बिहार, झारखंड, नागालैंड के अलावा कई और राज्यों में है। इसकी जांच गहराई से की जाएगी। पूर्व में भी इस तरह के आधा दर्जन से अधिक मामले उस पर दर्ज हैं। वह कई बार जेल जा चुका है। डीआईजी शाहाबाद रेंज, सत्य प्रकाश ने बताया कि मंगलवार को पटना की एसटीएफ टीम रोहतास आई थी। यहां गुप्त सूचना के आधार पर बारह पत्थर मोहल्ले पहुंच तीन घरों में छापेमारी की। तीनों घर के लोग लॉटरी विक्रेता बताए गए थे। 72 घंटे तक छापेमारी की गई है।

103 मजदूरों को कोर्ट में किया जाएगा पेश

छापेमारी में 103 मजदूरों को लॉटरी छपाई करते हुए पकड़ा गया। इन लोगों से शुक्रवार को कोर्ट में गवाही दिलाया जाएगा। वहीं, गिरफ्तार आरोपियों में मनीष कुमार(24), रविन्द्र कुमार, रिशु गुप्ता(38), सुभाष कुमार(30), सागर कुमार(30) शामिल है। गिरफ्तार मैनेजर मनीष कुमार ने बताया कि इस अवैध कारोबार का मुख्य सरगना डेहरी निवासी पवन झुनझुनवाला है। पवन झुनझुनवाला पहले भी कई आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है।

भव्य शुभारंभ

17.01.2025 (शुक्रवार)

SHASHWAT Restaurant SR खुशियों की पाकशाला

शाश्वत फूड पार्क

दानी बिगहा, पार्क के बगल में, औरंगाबाद

शाश्वत बैंक्वेट हॉल

मवेशी अस्पताल के सामने, एम.जी. रोड, औरंगाबाद

उद्घाटन के अवसर पर आप सादर आमंत्रित है।

कार्यक्रम स्थल : शाश्वत फूड पार्क, शाश्वत व्यवसायिक परिसर, दानी बिगहा, औरंगाबाद

हमारे प्रतिष्ठान

01. श्री शाश्वत एग्रो प्रा. लि.- ग्रोथ सेन्टर, जसोईया, औरंगाबाद (मो.6287903700)

02. शाश्वत रेस्टोरेन्ट एवं बैंक्वेट हॉल-एम.जी. रोड, औरंगाबाद (मो.6207336514, 8002907838)

03. शाश्वत फूड पार्क -दानी बिगहा पार्क के बगल में औरंगाबाद (मो.9934940490)

कार्यक्रम

दिनांक : 17.01.2025

पूजा : सुबह 10:00 से

प्रसाद वितरण : 2.00 से आपके आगमन तक

विनीत :

कुंदन कु. माथुर

प्रबंध निदेशक

(शाश्वत ग्रुप)

संक्षिप्त समाचार

कृषि सेवा विस्तार प्रदाता को दस दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

मानपुर। प्रखंड के कृषि विज्ञान केंद्र परिसर स्थित सभागार में बिहार कौशल विकास मिशन के अंतर्गत आरएलपी के हाथ कृषि सेवा विस्तार पर दस दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ।कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन वैज्ञानिक प्रधान ई मनोज कुमार राय, डॉ अशोक कुमार, डॉ मोनिका पटेल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर उपस्थित प्रशिक्षणार्थी को संबोधित करते हुए वैज्ञानिक प्रधान ने कहा कि दस दिनों में कृषि से जुड़े तमाम पहलुओं को विस्तार पूर्वक जानकारी दी जाएगी , ताकि प्रशिक्षणार्थी भविष्य में बेहतर कार्य कर सकें। वही डॉ अशोक कुमार ने कहा कि प्रशिक्षणार्थी को कार्य के दौरान सुरक्षा मापदंड,उत्पाद समूह के कार्य कलाप,अपने विचारों को सही ढंग से प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शिक्षा विभाग के प्रशिक्षुओं ने मनाया थल सेना दिवस

बोधगया। मगध विवि शिक्षा विभाग के बीएड सत्र 2023-25 के प्रशिक्षुओं ने हरिदास सेमिनरी +2 उच्च विद्यालय, गया में थल सेना दिवस के बारे में बच्चों को बताया। उन्हें भविष्य मे देश की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसकी शुरुआत शिक्षा विभाग की व्याख्याता व पर्यवेक्षिका डॉ रश्मि सिन्हा ने किया। विद्यालय के प्राचार्य ने भी अपने विचार रखे। सभी प्रशिक्षुओं ने थल सेना दिवस के बारे में बताया व जागरूक किया। इस दौरान विद्यालय में प्रशिक्षु अनुराग कुमार राय, पुजा कुमारी, आकांक्षी कुमारी, अमित कुमार, सोनाली, नंदनी, अभिषेक, चितरंजन, धनंजय एवं विद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

सीएपी 2025 पीआई/वैट शॉर्टलिस्टिंग के लिए कुल कट-ऑफ प्रतिशतता और अनुभागीय कट-ऑफ प्रतिशतता

बोधगया। सामान्य प्रवेश प्रक्रिया (कैप) एक संयुक्त प्रक्रिया है, जो कैप-भागीदारी वाले आईआईएम, अर्थात् आईआईएम बोधगया, आईआईएम जम्मू, आईआईएम काशीपुर, आईआईएम नागपुर, आईआईएम रांची, आईआईएम सिरमौर, आईआईएम तिरुचिरापल्ली और आईआईएम उदयपुर में एमबीए/पीजीपी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट और साक्षात्कार का समन्वय करती है। कैप 2025 के तहत परसनल इंटरव्यू (पीआई) और रिटन एबिलिटी टेस्ट (वैट) प्रक्रिया के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए कट-ऑफ निर्धारित किए गए हैं। कट ऑफ पर आधारित होगी शॉर्ट लिस्टिंग, 14 जनवरी 2025 को खुल चुका है पंजीकरण पोर्टल पीआई/वैट के लिए शॉर्टलिस्टिंग पूरी तरह से समग्र और अनुभागीय प्रतिशतता कट-ऑफ पर आधारित होगी। वे सभी उम्मीदवार, जिन्होंने उपर्युक्त प्रतिशतता से अधिक या उसके बराबर अंक प्राप्त किए हैं, वे कैप एडमिशन प्रक्रिया 2025 के पात्र हैं। आईआईएम बोधगया पीआई/वैट शॉर्टलिस्ट अधिसूचना ईमेल भेजेगा, जिसके लिए पंजीकरण पोर्टल 14 जनवरी 2025 को खुल चुका है। सभी शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को कैप 2025 पीआई/वैट प्रक्रिया में भाग लेने के लिए कथित पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा एवं आवेदन/पंजीकरण प्रक्रिया के लिए अलग से कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा।

अपार आईडी बनाने में लापरवाही बरतने पर चार बीईओ से शोकॉज

गया। गया जिले में अपार आईडी निर्माण में लापरवाही को लेकर चार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से स्पष्टीकरण पूछा गया है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्राथमिक शिक्षा और सर्व शिक्षा अभियान असगर आलम खां ने इस बाबत निर्देश जारी किए हैं। गया टाउन, फतेहपुर, बेलागंज और डुमरिया प्रखंड में ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री आईडी निर्माण की स्थिति काफी चिंताजनक है। जिसके चलते गया जिले के ओवरऑल परफॉर्मेंस पर भी असर पड़ रहा है। अभी तक जिले में महज 35 फीसदी छात्रों का ही अपार आईडी जनरेट किया गया है। कई प्रखंडों में आईडी जनरेट करने का कार्य 50 फीसदी भी पूरा नहीं किया गया है। जबकि विभिन्न प्रखंडों के 58 स्कूलों ने अबतक अपार आईडी जनरेट करने का कार्य शुरू भी नहीं किया है। साथ ही जिले के विभिन्न प्रखंडों के 209 स्कूलों ने 50 फीसदी से कम अपार आईडी जनरेट किया है। गया जिला के प्रदर्शन पर राज्य मुख्यालय ने भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। गया टाउन ब्लॉक में 81,006 के विरुद्ध 22542 विद्यार्थियों की आईडी बनी है। फतेहपुर में 27527 में 8274, बेलागंज 36481 में 18827 और डुमरिया प्रखंड में 25045 के विरुद्ध सिर्फ 6188 विद्यार्थियों का आपार बना है। बाराचट्टी 50.26 प्रतिशत, गुरुआ 42.12, नीमचक बथानी 40.23, टनकुप्पा 40.01, टिकारी 39.37, डोभी 39.26, इमामगंज 39.20, आमस 38.39, मोहनपुर 38.37, बांकेबाजार 37.33, बोधगया 35.42, मोहड़ा 35.42, गुरारू 34.59, कोच 34.24, परैया 34.21, खिजरसराय 34.4, शेरघाटी 34.11, अतरी 33.64, मानपुर 33.34, बेलागंज 32.42, फतेहपुर 30.06 व गया टाउन 30.83 प्रतिशत अपार जनरेट किया गया है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पहुंचे गया

गया। सूबे के नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी प्रसाद यादव बुधवार की शाम गया पहुंचे। वे सर्किट हाउस में ठहरे हुए है। गुरुवार को महाबोधि सांस्कृतिक केन्द्र में श्री यादव कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्रा में शामिल होंगे। बता दें कि नेता प्रतिपक्ष के गया आगमन पर औरंगाबाद सांसद अभय कुशवाहा, जहानाबाद सांसद सुरेन्द्र प्रसाद यादव व बोधगया विधायक कुमार सर्वजीत ने संयुक्त रूप से स्वागत किया। इसकी जानकारी राजद के महानगर अध्यक्ष जितेन्द्र प्रसाद यादव ने दी। उन्होंने बताया कि नेता प्रतिपक्ष पार्टी के सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं से मिलेंगे, साथ ही इस साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाएंगे। तेजस्वी यादव के कार्यक्रम को लेकर सारी तैयारी पूरी हो चुकी है।

लापता बुजुर्ग का घर से 500 मीटर दूर मिला शव

नालंदा। नालंदा में बुजुर्ग का शव नहर में मिला है। जहां लाश मिली वहां से 500 मीटर की दूरी पर मृतक का घर है। बुजुर्ग बुधवार शाम से लापता थे। मृतक की पहचान नरसंडा गांव निवासी स्व. रामचंद्र सिंह के बेटे विनोद सिंह (62) के रूप में हुई है। मृतक के भतीजे ने कहा कि बुधवार शाम 6 बजे किसी व्यक्ति ने फोन कर उन्हें बुलाया था। जिसके बाद वे घर से निकले थे। काफी देर तक वे नहीं लौटे तो खोजबीन की, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। गुरुवार को ग्रामीण कृषि कार्य को लेकर खेत की ओर गए थे। तभी शव के बारे में सूचना मिली। मामले की जानकारी पुलिस को भी दी। मामला चंडी थाना के नरसंडा गांव का है। परिजनों ने बताया कि विनोद सिंह सूद पर पैसे का लेनदेन करते थे। इन्ही कारणों से उन्हें फोन कर घर से बाहर बुलाया गया है और उनकी हत्या कर दी गई है। गले पर काला निशान है, जबकि उनका प्राइवेट पार्ट भी क्षतिग्रस्त है। उनका फोन भी गायब था।

आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगीः घटना की सूचना मिलने के बाद नालंदा एसपी, डीएसपी और चण्डी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है। हिलसा डीएसपी सुमित कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मगध विवि में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मनाया राष्ट्रीय थल दिवस

बोधगया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बोधगया ने राष्ट्रीय थल दिवस पर भारत माता की आरती मगध विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की। इसमें जिला प्रमुख संजीव कुमार पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय थल दिवस भारत में हर वर्ष 15 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा के भारतीय थल सेना के शीर्ष कमांडर का पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। वे स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय सेना प्रमुख बने थे। जिला संयोजक अमन शेखर ने कहा कि इस दिन देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें सैन्य परेड, सैन्य प्रदर्शनियों और अन्य आधिकारिक कार्यक्रम शामिल हैं। नगर मंत्री अमित कुमार सिन्हा ने कहा कि इसके अलावा, इस दिन उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी भी दी जाती है, जिन्होंने कभी ना कभी अपने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना सर्वोच्च न्योछावर कर दिया।

महिला पुलिसकर्मी की मौत, डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में एक प्रसूता पुलिसकर्मी की गुरुवार को मौत हो गई। हालांकि, नवजात बच्ची पूरी तरह से स्वस्थ है। मृतका की पहचान सिलाव थाना क्षेत्र के बलवाचक निवासी राजीव कुमार की पत्नी टुल्ली कुमारी (23) के रूप में की गई है। परिजन ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। टुल्ली कुमारी के भैसुर देव कुमार ने बताया कि बुधवार को सदर अस्पताल के प्रसव वार्ड में टुल्ली कुमारी को भर्ती कराया गया था। करीब 8:30 बजे फोन किया गया कि इनकी तबीयत बिगड़ रही है। हम लोग आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचे। जहां देखा कि तीन चार नर्स वहां खड़ी थी और एक महिला डॉक्टर भी मौजूद थी। वह पूछ रही थी कि किसी ने सुई लगाई है या नहीं, कभी पैर में तो कभी हाथ में चींटी काट रही थी। महिला डॉक्टर ने कहा कि केस क्रिटिकल हो रहा है, इसे ऑक्सीजन लगाओ। वहां मौजूद नर्स दौड़कर ऑक्सीजन सिलेंडर लाने गई। हम लोग भी उसके पीछे-पीछे गए और ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर वहां पहुंचे। डॉक्टर ने कहा कि हमारे यहां ऑक्सीजन नहीं है, इसे यहां से रेफर करना पड़ेगा। वहां मौजूद डॉक्टर और नर्स ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ प्रसूता को ले जाने के लिए राजी हो गए। जैसे ही प्रसूता को लेकर पावापुरी मेडिकल कॉलेज पहुंचे वहां पहुंचने के पहले ही प्रसूता की मौत हो चुकी थी।

खून की बताई गई थी कमीः महिला के भैसूर ने बताया कि प्रसूता को भर्ती कराने के बाद डॉक्टर ने बताया कि टुल्ली कुमारी को खून की कमी है। उसे दो यूनिट ब्लड चढ़ाना पड़ेगा। दो यूनिट ब्लड का इंतजाम किया गया। लेकिन बाद में डॉक्टर ने ब्लड भी नहीं चढ़ाया। डॉक्टर की ओर से इलाज में लापरवाही हुई है। इस कारण टुल्ली कुमारी की मौत हो गई है।

शिवहर में थी पोस्टेडः टुल्ली कुमारी फिलहाल शिवहर में अग्निशमन विभाग में कार्यरत थी। 10 महीना पहले ही बिहार पुलिस के अग्निशमन विभाग में बहाली हुई थी। मौत की पुष्टि के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि जैसे ही टुल्ली कुमारी को सदर अस्पताल से पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां उसके पर्चे को फाड़ कर डस्टबिन में डाल दिया गया। ताकि सदर अस्पताल में किए गए डॉक्टरों की लापरवाही को छिपाया जा सके।

मामले की जांच में जुटी पुलिसः बिहार थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पुलिस पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सभी बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है।

मरीज की हालत बिगड़ने पर किया था रेफरः सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि ऑक्सीजन की कमी से मौत नहीं हुई है। मरीज की हालत बिगड़ने पर रेफर किया गया था। घटना के कारणों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

घर से राशन लेकर जा रहे शख्स की मौत

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में बुधवार की रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना हरनौत थाना क्षेत्र के गोनावां-सकसोहरा मुख्य मार्ग के किचनी गांव के पास की है। मृतक की पहचान गोखुलपुर थाना क्षेत्र के वसनियावां गांव निवासी स्व. केदार महतो के (30) वर्षीय बेटे शंकर कुमार के रूप में की गई है। गुरुवार की सुबह परिजन शव के पोस्टमार्टम को लेकर बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। परिजन ने बताया कि शंकर कुमार हरनौत में किराए के मकान में अपने परिवार को लेकर रहते थे। बुधवार को राशन लाने के लिए वह अपने गांव गए थे। शाम अधिक होने की वजह से बच्चों ने पिता को हरनौत आने के लिए फोन किया। इसके बाद शंकर राशन लेकर घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर हरनौत के लिए निकल गए। तभी रास्ते में किचनी गांव के पास अज्ञात वाहन के द्वारा सड़क हादसे का शिकार हो गए। जिसके कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस के द्वारा घटना की जानकारी परिवार वालों को प्राप्त हुई। शंकर कुमार मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था। वह अपने पीछे एक बेटा एवं दो बेटी छोड़ गया है। वहीं इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिवार वालों के चीत्कार से गांव का माहौल गमगीन हो गया है। इस मामले में हरनौत थाना अध्यक्ष अबू तालिब अंसारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन की पहचान में पुलिस जुट गई है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों के द्वारा घटना की जानकारी मिली थी।

सब इंस्पेक्टर की संदिग्ध हालत में मौत

निज संवाददाता। नालंदा

♦ पहले पैरालिसिस अटैक भी आया हुआ था, नालंदा में शुगर बढ़ जाने से मौत की आशंका

नालंदा में पदस्थापित 52 वर्षीय सब इंस्पेक्टर की संदिग्ध स्थिति में गुरुवार की सुबह मौत हो गई। मामला चिकसौरा थाना से जुड़ा हुआ है। मृतक की पहचान भागलपुर के खुटहा गांव निवासी मदन प्रसाद के बेटे नित्यानंद मंडल के रूप में की गई है। वह पिछले 2 साल से चिकसौरा थाना में पदस्थापित थे। चिकसौरा थाना अध्यक्ष लक्ष्मी भारती ने बताया कि ड्यूटी से आने के दौरान नित्यानंद मंडल रात को अपने बैरक में सोने चले गए। सुबह जब सहकर्मी ने उन्हें नींद से जगाने का प्रयास किया तो उन्होंने किसी प्रकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद उन्हें आनन-फानन में स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद घर वालों को घटना की जानकारी दी गई। पिछले कुछ समय से नित्यानंद मंडल शुगर से जूझ रहे थे। शुगर के पहले उनको पैरालाइसिस अटैक भी आया था। आशंका जाहिर की जा रही है कि शुगर बढ़ जाने के कारण उनकी मौत हो गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का स्पष्ट पता चल सकेगा। इस घटना के बाद पुलिस महकमे में शोक की लहर है। पुलिस लाइन में सलामी के बाद पार्थिव शरीर को भागलपुर भेजा जाएगा।

'बिहार में हमारा अलायंस, दिल्ली वालों को जाने दीजिए'

निज संवाददाता। गया

गया में गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इंडिया गठबंधन को लेकर फिर से प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'बिहार में हमलोग साथ हैं, गठबंधन में हैं। बाकी समय आने पर सबकुछ पता चल जाएगा।' हालांकि, महागठबंधन में कांग्रेस के साथ होने को लेकर जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने इस सवाल को इग्नोर कर दिया। दरअसल, तेजस्वी आज कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम के तहत बोधगया के महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र पहुंचे, जहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कई मुद्दों पर रिएक्शन दिया। पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि क्या महागठबंधन में कांग्रेस भी शामिल है तो उन्होंने कहा, 'हम लोग दिल्ली में चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। बिहार में हमलोग एक साथ हैं। दिल्ली वालों को जाने दीजिए, हमें क्या करना है।' वहीं, चेतन आनंद को बड़ा बंगला दिए जाने के सवाल पर तेजस्वी ने चुटकी ली। इशारों में नीतीश कुमार का नाम लिए बिना कहा कि वो किसी दिन उनको अपने घर भी बुला लेंगे। जब उनसे पूछा गया कि चेतन आनंद का आरोप है कि तेजस्वी अपने ही विधायकों से नहीं मिलते।

इस पर तेजस्वी ने कहा, वो तो मेरे साथ गाना गा रहे थे। वो वीडियो आपलोगों ने भी देखा था। इस दौरान पत्रकारों के जब पूछा, 'लालू यादव ने कल पशुपति पारस के साथ आने के संकेत दिए हैं..क्या पशुपति पारस महागठबंधन में शामिल होंगे।? इस पर तेजस्वी ने कहा, पशुपति पारस जी से हमारा पुराना रिश्ता है। वे हमारे गार्जियन है, वे हमारे चाचा हैं। वक्त आने दीजिए सब पता चल जाएगा।'

प्रगति यात्रा पर दुर्गति का तंजः तेजस्वी ने मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा को निशाने पर लेते हुए कहा, 'यह प्रगति नहीं, बल्कि दुर्गति यात्रा है। कहा कि मुख्यमंत्री 17 सालों से अपनी उपलब्धियों का गुणगान कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी जैसे मुद्दों पर उनका कोई ठोस जवाब नहीं है।' उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री यात्रा के लिए निकलते हैं तो जनता से संवाद करने के लिए 2 अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपए खर्च करने पड़ते हैं। ये प्रगति यात्रा नहीं दुर्गति यात्रा है।

इन लोगों के पास कोई रोडमैप नहीं है। ब्लूप्रिंट नहीं है कि बिहार को आगे कैसे ले जाया जाए। नीतीश कुमार टायर्ड मुख्यमंत्री हैं और रिटायर्ड अधिकारियों के साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं। बिहार भ्रष्टाचार के मामले में गंगोत्री हो चुका है।'

डीके बॉस पर करेंगे खुलासाः डीके कौन हैं के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि समय आने पर इसका खुलासा किया जाएगा। हमारे पास पूरा एविडेंस है। डीके वसूली कैसे हो रहा, बिहार में डीके टैक्स कैसे लग रहा, पूरे खेल का खुलासा करेंगे। सुनील सिंह से जुड़े विवाद पर तेजस्वी ने जदयू पर निशाना साधते हुए कहा कि पलटूराम कहते हैं कि सदस्यता ले लो। यह तानाशाही नहीं तो और क्या है? उन्होंने जदयू की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े किए।

पूर्व मध्य रेल

खुली निविदा आमंत्रण सूचना

खुली निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 44/टी.आर.डी./डी.एन.आर./ओटी/24–25, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व मध्य रेल दानापुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु खुली निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्याः टी.आर.डी./ डी.एन.आर./ओ.टी./44/ 24–25, (1) कार्य का नाम एवं स्थान :** (ए) झाझा – प. दीन दयाल उपाध्याय – टी.आर.आर.(एस) – 10.198 टीकेएम एवं टी.एस.आर.(एस) – 1.800 टीकेएम। (बी) झाझा – पटना – टी.टी.आर. (टी.डब्ल्यू.एस+डब्ल्यू.सी.एम.एस.सी) – 38 सेट (1:12) और पटना – पं. दीन दयाल उपाध्याय – टी.टी.आर. (टी.डब्ल्यू.एस.+डब्ल्यू.सी.एम.एस.सी.) – 13 सेट (1:12). (सी) पटना – गया – टी.टी.आर. (टी.डब्ल्यू.एस.+डब्ल्यू.सी.एम.एस.सी.) – 90 सेट (1:12). (डी) झाझा – पटना – टी.आर.आर. (पी) – 46.828 टीकेएम। **(2) कार्य की अनुमानित लागत (एन.आई.टी. मूल्य) :** रू. 1,08,25,183.80 **(3) अग्रधन राशि :** रू. 2,04,100.00 **(4) निविदा खुलने एवं जमा करने की तारिख और समय :** निविदा 12.00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन जमा करनी होगी। खुलने की तारीख यानी 05.02.2025 को और उसी दिन 12.30 बजे खोला जाएगा। **(5) वेबसाईट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है आदिः** विस्तृत निविदा सूचना, पात्रता मानदंड और निविदा दस्तावेज सी.आर.आई.एस. वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं, और नोटिस का पूरा विवरण सीनियर डी.ई.ई. (टी.आर.डी.)/पूर्व मध्य रेलवे/दानापुर के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। यदि आवश्यक हुआ तो सभी शुद्धिपत्र वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर

पीआर/1924/डीएनआर/ईटीआरडी/टी/24–25/44

चंदौती जीएसएस से डेल्हा फीडर रहेगा बंद

गया। चंदौती ग्रिड सब-स्टेशन से जुड़े 33 केवी डेल्हा फीडर पर मेंटेनेंस कार्य के चलते 16 जनवरी को बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक फीडर को बंद रखा जाएगा। इससे खरखरा, डेल्हा, छोटकी डेल्हा, न्यू कॉलोनी, धनिया बगीचा, गौतम बुद्ध कॉलोनी, विजय बिगहा, पराया रोड, बुढ़लाल भगत गली, बस स्टैंड समेत कई इलाकों में बिजली गुल रहेगी। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह मेंटेनेंस कार्य फीडर की स्थिति सुधारने और आपूर्ति को सुचारू बनाने के लिए जरूरी है। फीडर पर तारों की जांच, लूज कनेक्शन को ठीक करने और सुरक्षा उपकरणों का परीक्षण किया जाएगा।

राहुल गांधी का 18 जनवरी को पटना दौरा

निज संवाददाता। नालंदा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18 जनवरी को पटना के ऐतिहासिक सदाकत आश्रम का दौरा करेंगे। यह जानकारी गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, राजेंद्र आश्रम में आयोजित एक प्रेस वार्ता में पार्टी के सचेतक और पर्यवेक्षक राजेश राम ने दी। राजेश राम ने बताया कि राहुल गांधी की विशेष इच्छा है कि वे पटना में आयोजित होने वाले संविधान सुरक्षा सम्मेलन से पहले कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करें। इसी उद्देश्य से उन्होंने सदाकत आश्रम में कार्यकर्ताओं के साथ समय बिताने का निर्णय लिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की यह यात्रा विशेष महत्व रखती है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने सभी जिलों के कार्यकर्ताओं को इस अवसर पर उपस्थित रहने का आमंत्रण दिया है।

वाहन पटना के लिए होंगे रवानाः कार्यकर्ताओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए, जिला कांग्रेस नालंदा ने उन कार्यकर्ताओं के लिए परिवहन की व्यवस्था की है, जिनके पास अपने वाहन नहीं हैं। राजगीर के पूर्व विधायक रवि ज्योति कुमार और जिला अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि बिहार शरीफ के जिला कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र आश्रम से कई वाहन पटना के लिए रवाना होंगे। प्रेस वार्ता में जिले के विभिन्न प्रखंड अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, मोर्चा संगठनों के प्रमुख और महानगर अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में, जिला अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद सिंह, पूर्व विधायक रवि ज्योति कुमार और दिलीप कुमार ने पर्यवेक्षक राजेश राम का शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियों देने पर चर्चा

गया। गया मकर संक्रांति पर राजनीति का स्वाद चखने को दही-चूड़ा भोज का आयोजन चर्चा में रहा। जदयू नेता कुमार गौरव उर्फ गौरव सिन्हा ने बिसार तालाब मोहल्ला स्थित कार्यालय में इस भव्य भोज का आयोजन किया। कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी संजीव श्याम सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य लोग शामिल हुए। इस मौके पर जदयू के नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारी देने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। जनता एक बार फिर जदयू को मजबूत जनादेश देगीः इस अवसर पर कुमार गौरव ने नए साल की शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह वर्ष बिहार के विकास को और रफ्तार देगा। हमारी डबल इंजन सरकार ने सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किए हैं।

SHAHABAD DUGDH UTPADAK SAHKARI SANGH LTD.
शाहाबाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड
ARA DAIRY, KATIRA, ARA DISTT.:BHOJPUR-802 301 (BIHAR)
E-mail: aradairyara@gmail.com
COMFED

NIT No:SDUSS:ENGG.:TENDER:255 Date:16.01.2025

e-Tender

Notice Inviting e-tender (NIT)

(Through- e- tendering mode only on website- https://eproc2.bihar.gov.in)

Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost (in Rs.)	Cost of BOQ (in Rs.)	Bid Processing fees (in Rs.) To Beltron	Earnest Money (in Rs.)	Completion Period
01	Repairing of Mineral Mixture Plant at Milk Chilling Centre Dumraon under Ara Dairy, Ara.	11,48,986.00	2,500.00	As per eproc2 website	22,980.00	(02) Two Month

Tender Programme:

S.No.	Tender Programme	
1.	Name & Address of Advertiser	Managing Director Shahabad Dugdh Utpadak Sahkari Sangh Ltd. Katira, Ara, 802301
2.	Online sale/download of tender document	From 18.01.2025 to 07.02.2025 (17.00hrs.) https://eproc2.bihar.gov.in
3.	Pre Bid Conference	27.01.2025 at 11.00hrs at Shahabad Dugdh Uptadak Sahkari Sangh Limited, Ara, Dairy, Ara – 802301
4.	Last date/time from submission/ uploading of offer/bid	07.02.2025 up to 17.00hrs. https://eproc2.bihar.gov.in
5.	Submission of cost of tender document, EMD and affidavit in hard copy/original by registered post or courier.	10.02.2025 up to 14.30 hrs at Shahabad Dugdh Utpadak Sahkari Sangh Ltd., Katira, Ara-802301
6.	Date & Time for opening of Technical Bid	10.02.2025 at 15.00 hrs.
7.	Date, Time and place of opening of financial bid	Will be informed later to technically cleared bidder (https://eproc2.bihar.gov.in)
8.	Bid Validity	90 (Ninety) Days

09. The tender documents can be obtained through website https://eproc2.bihar.gov.in

Managing Director

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 01/2024–25
पत्रांकः–56
Email- eenkcd1aurangabad@gmail.com

कार्य का विवरण :–

ग्रुप सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (नही लौटने योग्य)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	उत्तर कोयल नहर शिविर औरंगाबाद में अवस्थित निरीक्षण भवन के बाहरी चाहरदिवारी का मरम्मति एवं अन्य मरम्मति कार्य।	4.556	9200.00	750.00	30 दिन
2.	उत्तर कोयल नहर शिविर औरंगाबाद में अवस्थित संयुक्त कार्यालय भवन का मरम्मति कार्य।	5.840	11700.00	1250.00	30 दिन
3.	केशहर दाया/बायॉ नहर, मदार नहर पर कि0 मी0 पोस्ट का अधिष्ठापन, संरचनाओं पर गेज पेंटिग एवं सूचना अंकित करना तथा केशहर बायॉ नहर के बायॉ बॉध के कि0 मी0 4.90 पर अवस्थित आउटलेट का मरम्मति कार्य।	3.474	7000.00	750.00	30 दिन

2. विज्ञापन निर्गत करने की तिथि : दिनांक 14.01.2025
3. विभाग का नाम : जल संसाधन विभाग, बिहार पटना।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम और पता : कार्यपालक अभियंता, उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद।
5. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 22.01.2025 से 24.01.2024 को कार्यालय अवधि में
6. तकनीकी एवं वित्तीय निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 25.01.2025 को 03:00 बजे अपराह्न तक
7. तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.01.2025 .को 3.30 बजे अपराहन् से।
8. वित्तीय निविदा संलेख खोलने की तिथि एवं समय : तकनीकी बी ड स्वीकृति के पश्चात तिथि एवं समय की सूचना दी जायेगी।
9. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : (क) मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, जल संसाधन विभाग, औरंगाबाद। (ख) अधीक्षण अभियंता, उत्तर कोयल नहर अंचल, औरंगाबाद। (ग) कार्यपालक अभियंता, उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद।
10. तकनीकी निविदा खोलने का स्थान : क्रमांक 4 में वर्णित कार्यालय में।
11. निविदा की वैधता अवधि : 120 दिन।

निविदा के नियमों एवं शर्तो की जानकारी के लिए अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय के सूचना पट्ट तथा परिमाण विपत्र के बिक्री की स्थलों पर सम्पर्क किया जा सकता है।

(ई0 अजय कुमार)
कार्यपालक अभियन्ता,
उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल,
औरंगाबाद
मो0 नं0–7463889720

PR. No. 017184 (WRD) 2024-25

उक्त सूचना **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

गर्भावस्था की पहली तिमाही में माँ की एच.आई.वी. और सिफलिस की जाँच जरूर करायें।

संक्षिप्त समाचार

ससुराल जा रहे युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

सासाराम (रोहतास) (नि.सं.)। जिले के डालमियानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मकराइन गांव के समीप हुए सड़क हादसे में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। मृतक की पहचान तिलौथू प्रखंड के पतलुका गांव निवासी विष्णुदेव सिंह के 30 वर्षीय पुत्र सरोज कुमार के रूप में हुई है और इनकी मौत के बाद पूरे इलाके में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना को लेकर मृतक के परिजनों ने बताया कि सरोज कुमार अपने गांव से पल्सर बाइक से अपने ससुराल जा रहा था तभी मकराइन गांव के समीप एक बोलेरो गाड़ी ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक के परखच्चे उड़ गए तथा बाइक सवार युवक बुरी तरह घायल हो गया। घटना के बाद घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को इलाज के लिए जिले के जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और इलाज के दौरान हीं गुरुवार को घायल सरोज कुमार की मौत हो गई। इधर मौत की सूचना पाकर परिजनों एवं स्थानीय लोगों की भारी भीड़ भी इकट्ठा हो गई और मौके पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराते हुए शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार बोलोरो गाड़ी को जब्त कर लिया गया है तथा अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

ई शिक्षा पोर्टल से संबंधित बैठक

बिक्रमगंज (रोहतास) (नि.सं.)। सुर्यपूरा प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय एवं मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापकों के साथ प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य उद्देश्यों के बारे में बतलाते हुए शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि 100 दिवसीय लैंग्वेज स्किल और रीडिंग एंड मैथमेटिकल नॉलेज पर आधारित गतिविधियों की जानकारी ली गई तो वहीं अपार आईडी पर हो रहे कार्यों की समीक्षा की गई। पुनह उन्होंने यह भी बतलाया कि लर्निंग आधारित गतिविधियों पर भी चर्चा हुई तथा स्किल बेस्ड बच्चों की गतिविधियों से संबंधित जानकारी विद्यालय प्रधान को दी गई। विद्यांजलि पोर्टल पर बच्चों की सभी गतिविधियों को अपलोड करना तथा आधार आधारित आंकड़ों को ठीक करना भी बैठक का हिस्सा रहा। वहीं ई शिक्षा कोष पर इकोसिस्टम गतिविधि भी अपलोड करना आदि विषय पर विद्यालय प्रधानों के साथ बातचीत की गई।

जन कल्याण शिविर का आयोजन

बिक्रमगंज (रोहतास) (नि.सं.)। गुरुवार को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का निष्पादन हेतु जन कल्याण शिविर का आयोजन प्रखंड क्षेत्र के घुसिया खुर्द में पंचायत भवन के प्रांगण में किया गया जिसकी अध्यक्षता पंचायत के मुखिया विनय प्रकाश चौधरी ने की। शिविर में कई विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे, उनमें कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, बिजली विभाग, सांख्यिकी विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग। इन सभी विभागों में सबसे अधिक आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना में लिए गए। इनकी कुल संख्या 150 रहीं। जबकि पंचायती राज में एक सामाजिक सुरक्षा में 10, राजस्व विभाग में 3, ग्रामीण विकास में 8, समाज कल्याण विभाग में एक, बाल विकास विभाग शुन्य। इस जन कल्याण शिविर में विकास पदाधिकारी अमित कुमार सिंह प्रखंड प्रमुख राकेश कुमार सिंह, 20 सूत्री सदस्य नवीन चंद्र शाह, पंचायत समिति सदस्य अजय गांधी, प्रमोद कुमार सिंह, चिकित्सक अशोक कुमार, डॉ प्रवीण प्रसाद, डाटा ऑपरेटर धनजीत सिंह, फार्मासिस्ट अखिलेश कुमार, एनम प्रभावती देवी, सरपंच राधेश्याम सिंहै वार्ड सदस्य लक्ष्मी ठाकुर नमेधारी पासवान, चंदन पासवान, मनोज कुमार, जानकी देवी मंजू देवी, बीपीआरओ सलोनी, चतुर्वेदी की उपस्थिति रही। ग्रामीण जनता के रूप में शंभू शरण चौधरी अमरेंद्र कुमार सिंह, धनंजय सिंह, देवमुना पासवान इंद्रदेव चौधरी, कृषि सलाहकार कन्हैया सिंह कृषि समन्वयक अशोक कुमार सिंह, प्रशांत शर्मा इत्यादि उपस्थित थे।

डीएम ने चेनारी में जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

जिला अधिकारी रोहतास उदिता सिंह के द्वारा चेनारी में सभी जनप्रतिनिधियों के साथ, जिला स्तरीय, एवं प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारी के साथ बैठक की गई। सभी जनप्रतिनिधियों की बात को सुना गया। उनकी समस्याओं को संबंधित विभाग को निष्पादन हेतु निर्देश दिया गया। सभी अधिकारियों से उनके विभाग से संबंधित कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अंचल अधिकारियों को म्यूटेशन एवं परिमार्जन प्लस में सुधार लाने हेतु दिशा निर्देश दिया गया। सामाजिक सुरक्षा विभाग में परवरिश योजना के ज्यादा से ज्यादा आवेदन को सृजन करने हेतु निर्देश दिया गया। पंचायती राज विभाग में सभी बीपीआरओ को योजनाओं में गति लाने हेतु दिशा निर्देश दिया गया। चेनारी प्रखंड परिसर में सभी विभागों का स्टॉल लगाकर आम लोगों की समस्याएं को दर्ज किया गया तथा उसके निष्पादन हेतु सभी संबंधित विभाग को दिशा निर्देश भी दिए गए। आज के इस बैठक में अपर समाहर्ता उप विकास आयुक्त एवं अन्य सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

दो पक्षों के बीच मारपीट में सात घायल

नोखा (रोहतास) (नि.सं.)। धर्मपुरा थाना क्षेत्र के भिखारीडीह टोला पर दो पक्षों के बीच मारपीट में सात घायल हो गए। घायलों की पहचान गर्जन नट, फूटेनी नट, विक्रमा नट, अमरावती देवी, दीपक, बबलू नट, महेंद्र नट के रूप में की गई। सभी घायलों को धरमपुर पुलिस द्वारा नोखा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पिता ने मारकर के पुत्र को किया जख्मी नोखा (रोहतास) नोखा थाना क्षेत्र के लेवड़ा गांव में पारिवारिक विवाद में मारपीट में एक घायल हो गए।

छात्राओं के साथ डीएम ने की संवाद कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना अतंर्गत समाहरणालय में+2 उच्च विद्यालय, चौखण्डी, सासाराम के छात्राओं के साथ जिला पदाधिकारी का संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। संवाद कार्यक्रम के पूर्व सभी छात्राओं को जिला प्राग्राम पदाधिकारी, ICDS के द्वारा समाहरणालय स्थित सभी कार्यालयों का भ्रमण कराया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा छात्राओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई। छात्राओं के द्वारा महिलाओं के सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा क्या सुविध उपलब्ध करायी जा रही है से संबंधित सवाल पूछे गये। इस संबंध में संवाद कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधीक्षक द्वारा महिलाओं के कानुनी सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिलाधिकारी द्वारा भी पुलिस सहायता के लिए आपातकालिन नम्बर-112 एवं महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा संचालित महिला हेल्प लाईन नम्बर-181 को हमेशा याद रखने का सलाह दी गई। इसलिए आप सभी को कठोर परिश्रम, दृढ़ निश्चय, शिष्टाचार और गिर के उठने का साहस के साथ अपने सपने को पूरा करने के लिए प्रयास करना चाहीए। तभी आप जीवन में सफल होंगीं।

रेलवे बोर्ड ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक एवं अधिकारियों के साथ की बैठक

निज संवाददाता | हाजीपुर (वैशाली)

महानिदेशक (संरक्षा), रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली हरि शंकर वर्मा को पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर पहुंचे। यहां उन्होंने महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह एवं अन्य अधिकारियों के साथ संरक्षा संबंधी विंदुओं पर गहनता से विचार-विमर्श किया। इस बैठक में रेलवे ट्रैक की सुरक्षा, ट्रैक फेंसिंग, ट्रेस पासिंग सहित संरक्षा से जुड़े पहलुओं पर चर्चा हुई। साथ ही संरक्षित ट्रेन संचालन को सुनिश्चित करने के लिए रेल परिचालन के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे सार्थक उपायों, पहलों, नवपरिवर्तन इत्यादि विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान महानिदेशक (संरक्षा), रेलवे बोर्ड ने संरक्षा सर्वोपरि के सिद्धांत का पालन करते हुए विशेष सतर्कता और सावधानी बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने संरक्षा नियमों के शत-प्रतिषत अनुपालन पर बल देते हुए संरक्षा के संबंध में रेलवे बोर्ड से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक को संबोधित करते हुए महानिदेशक (संरक्षा), रेलवे बोर्ड ने रेल संरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा किये जा रहे उपायों, पहलों, नवपरिवर्तन, प्रशिक्षण इत्यादि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सलाह दी कि वे जमीनी स्तर पर रेल संरक्षा की गहन निगरानी करें। उन्होंने रेल परिचालन से सीधे रूप से जुड़े विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को संरक्षा नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रेलकर्मी अपने संरक्षा ज्ञान को सदैव अद्यतन रखें, कार्य निष्पादन के दौरान कोई भी शार्टकट तरीका न अपनायें तथा अपने कार्यों का निष्पादन पूरी सत्य व निष्ठा से करें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि रेल संरक्षा सुनिश्चित करने की समेकित जिम्मेदारी सभी रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों की है।

सरकारी कार्यालयों में पहले लगे स्मार्ट मीटर, फिर उपभोक्ता लगाएंगे

सासाराम (रोहतास) (नि.सं.)। सरकार के निर्देश पर बिजली विभाग की ओर से स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य किया जा रहा है, लेकिन इसका विरोध भी बिजली उपभोक्ताओं द्वारा जारी है। विरोध का कारण सामान्य मीटर की अपेक्षा स्मार्ट मीटर का बिलिंग ज्यादा बताया जा रहा है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर कई जगह बिजली विभाग के कर्मियों और ग्रामीणों के बीच झड़प की भी खबर है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाया जाय, फिर निजी मकानों में। इस संदर्भ में जब तीन माह पूर्व जिला पदाधिकारी उदिता सिंह से संवाददाताओं द्वारा सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर जानकारी माँगी गयी थी।

रेलवे नेटवर्क के माध्यम से मानव तस्करी को रोकने में रेलवे सुरक्षा बल की भूमिका

निज संवाददाता | हाजीपुर (वैशाली)

मानव तस्करी एक गंभीर अपराध है, जिसमें बल, धोखाधड़ी या जबरदस्ती के माध्यम से व्यक्तियों की भर्ती, परिवहन, स्थानांतरण, श्रम या अन्य शोषणकारी उद्देश्यों के लिए किया जाता है। विशेष रूप से महिलाएं और बच्चे तस्करी का शिकार होते हैं, जहां उन्हें असामाजिक तत्वों द्वारा नौकरी, धन और अच्छे जीवन का प्रलोभन देकर यौन शोषण, वेश्यावृत्ति, जबरन काम करने, विवाह, घरेलू नौकर, गोद लेने, भीख मांगने, अंग प्रत्यारोपण और मादक पदार्थों की तस्करी के कार्यों में इस्तेमाल किया जाता है। यह सभी गतिविधियां भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मानवाधिकारों का उल्लंघन करती हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) का कार्य मानव तस्करी को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, हालांकि राज्य पुलिस इसका मुख्य जिम्मा उठाती है। रेलवे सुरक्षा बल मानव तस्करी के मामलों की जांच करने का अधिकार नहीं रखते, फिर भी वे राज्य पुलिस और स्थानीय पुलिस के प्रयासों में सहयोग करते हैं। रेलवे नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है, जिससे रेलवे सुरक्षा बल राज्य सीमाओं के परे जाकर भी तस्करी के मामलों में सक्रिय रूप से सहायता प्रदान कर सकता है। रेलवे सुरक्षा बल अपने अधिनियम के तहत रेलवे नेटवर्क के भीतर तस्करी के मामलों की जांच करता है और तस्करों को गिरफ्तार कर बच्चों को उनके चंगुल से मुक्त करता है। कई बार रेलवे सुरक्षा बल अकेले ही मानव तस्करी के मामलों में हस्तक्षेप करता है, बच्चों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाकर उन्हें सरकारी रेल पुलिस के हवाले करता है। इसके अलावा, रेलवे सुरक्षा बल विभिन्न खुफिया स्रोतों से जानकारी एकत्र करता है और मानव तस्करी से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई करता है। गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने रेलवे सुरक्षा बल के इस प्रयास को सराहा है और उसे मान्यता दी है। रेलवे सुरक्षा बल ने मानव तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किए हैं, जिनमें प्रमुख हैं 'ऑपरेशन आहट' और ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते। इन अभियानों के तहत रेलवे सुरक्षा बल ने पूरे भारत में 2614 लोगों, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, को तस्करों के चंगुल से बचाया और 753 तस्करों को गिरफ्तार किया। पूर्व मध्य रेलवे में 2024 के दौरान 444 बच्चों को तस्करों से मुक्त कराया गया, जिनमें 425 लड़के और 19 लड़कियां शामिल थीं। 2023 में 314 बच्चों को बचाया गया था। इस कार्य को और बेहतर बनाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने 53 टीमों का गठन किया है जो मानव तस्करी के मामलों में तत्परता से काम करती हैं। ये टीमें संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाती हैं और खुफिया जानकारी एकत्र कर तस्करों को पकड़ने में मदद करती हैं। इसके अलावा, रेलवे सुरक्षा बल रेलवे स्टेशनों पर जागरूकता अभियान चलाता है और लोगों को मानव तस्करी से संबंधित संकेतों के बारे में बताता है। मानव तस्करी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही भारतीय न्याय संहिता, अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम 1956, बंधुआ मजदूरी (उनमूलन) अधिनियम 1976 और किशोर न्याय अधिनियम के तहत की जाती है। रेलवे सुरक्षा बल विभिन्न सरकारी एजेंसियों और गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर तस्करी से संबंधित खुफिया जानकारी साझा करता है और बचाव कार्यों में सहयोग करता है। हालांकि रेलवे सुरक्षा बल ने मानव

तस्करी को रोकने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, लेकिन चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। तस्करों की नई रणनीतियां, बड़ी रेल यातायात और संसाधनों की कमी जैसे मुद्दे अभी भी सामने आते हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल भविष्य में उन्नत निगरानी प्रणालियों, आंकड़ा विश्लेषण और चेहरे की पहचान जैसी तकनीकी समाधानों को लागू करेगा। इसके साथ ही, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी को और मजबूत किया जाएगा। रेलवे सुरक्षा बल का उद्देश्य मानव तस्करी को पूरी तरह से समाप्त करना है और वे लगातार अपने प्रयासों को मजबूत करने के लिए कदम उठा रहे हैं।

गोल प्रतिभाखोज परीक्षा को लेकर सम्मान समारोह हुआ आयोजन

निज संवाददाता | पटना

गोल टैलेंट सर्च एग्जाम (जी.टी.एस.ई.) भागलपुर जोन का सम्मान समारोह, जमालपुर के पूर्वोत्तर रेलवे नेशनल इंस्टीट्यूट में सम्पन्न हुआ। भागलपुर जोन से सभी क्वालीफाइड और अवार्ड विनर्स स्टूडेंट के लिए यह आयोजित किया गया था। विदित है कि गोल संस्थान 27 वर्षों का अपना सफर इस वर्ष तय किया है। पिछले 16 वर्षों से इस परीक्षा का आयोजन 6 राज्यों में किया जाता रहा है। जिसमें बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, वेस्ट बंगाल, उत्तर प्रदेश और उड़ीसा शामिल है। जी.टी.एस.ई. 2024-25 के दो चरणों के इस परीक्षा के प्रथम चरण में जहाँ लगभग 1,50,800 छात्रों ने भाग लिया वहीं मेन एग्जाम में लगभग 38000 छात्र क्वालीफाई किये थे। सेमिनार के माध्यम से उन चयनित छात्रों को रिजल्ट दिया गया वहीं जोन लेवल पर चयनित छात्रों को पुरस्कार भी दिया गया। गोल इंस्टीच्युट के असिस्टेंट डायरेक्टर रंजय सिंह का कहना है कि आज के इस प्रतिस्पर्धी युग में स्कूल की पढ़ाई के साथ कम्पीटीशन की भी तैयारी छात्र साथ में करते हैं। सभी सफल हुए छात्रों को बधाई देते हुए उन्होनें कहा कि पिछले 16 वर्षों में जी.टी.एस.ई. में सफल हुए हजारों छात्रों ने नीट, जे.ई.ई., आई.आई.टी., सिविल सर्विसेज तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता हासिल किया है। करियर काउंसिलिंग की विशेष सुविधा वेबिनार के माध्यम से गोल से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी छात्रों की सफलता का श्रेय छात्रों के कड़ी मेहनत, लगन, दृढ़ इच्छाशक्ति को दिया। साथ ही उन सभी अभिभावकों और शिक्षकों को भी धन्यवाद दिया।

नवनिर्मित भवन का विधायक ने फीता काट किया उद्घाटन

कोचस (रोहतास) (नि.सं.)। गुरुवार को कोचस प्रखंड क्षेत्र के धेनुठा गांव में नवसृजित प्राथमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का करगहर विधायक ने संतोष कुमार मिश्रा ने सामूहिक रूप से फीता का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक विद्यालयों से ही छात्र छात्राओं की शिक्षा का नींव मजबूत होती है। इसलिए प्राथमिक विद्यालयों की शिक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता है। हालांकि अभी भी अन्य राज्यों की अपेक्षा हमारी आधारभूत संरचनाओं की स्थिति काफी दयनीय है। इसे मजबूत बनाने की आवश्यकता है। कहा कि विधानसभा से विधायकों के प्रतिनिधि मंडल में हमें भी जाने का मौका मिला है हम पाते हैं कि आंध्रा व तमिलनाडु जैसे राज्यों की तुलना में आकलन करने पर हमारी स्थिति कमजोर मिलती है। बहरहाल इसके लिए सरकार व विभाग को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। तब जाकर स्मार्ट क्लास से लेकर अन्य शिक्षा की क्षेत्रों में हम बेहतर कुछ कर पायेंगे। वही उन्होंने चारदिवारी,चापाकल विद्यालय को देने की घोषणा की। डीपीओ रवींद्र कुमार ने कहा कि शिक्षा को शिक्षक गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देकर छात्र छात्राओं के बेहतर भविष्य का निर्माण करें। इसके लिए विभाग सभी संसाधनों को उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वक्ताओं ने दान दाता विजय सिंह रामजी सिंह को साधुवाद दी।

विभिन्न मांगों के आलोक में न्यायालय कर्मियों का अनिश्चितकालीन हड़ताल, न्यायिक कार्य पूरी तरह ठप

निज संवाददाता | सासाराम (बिक्रमगंज)

बिहार राज्य व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ के आह्वान पर गुरुवार से जिला व्यवहार न्यायालय सासाराम एवं व्यवहार न्यायालय बिक्रमगंज के कर्मचारियों ने अपना अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है। धरने पर बैठे सैकड़ो न्यायिक कर्मचारी वेतन विसंगतियों को जल्द से जल्द दूर करने, सभी तृतीय व चतुर्थ कर्मचारियों को शीघ्र प्रोन्नति देने, शत प्रतिशत अनुकंपा पर बहाली करने, विशेष न्यायिक कैडर लागू करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे है तथा उनका कहना है कि अगर हमारी मांगों को सरकार द्वारा जल्द से जल्द पूरा नहीं किया जाता है तो यह अनिश्चितकालीन हड़ताल अनवरत चलता रहेगा। हड़ताल के दौरान काफी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी धरना स्थल पर मौजूद रहे तथा सभी ने अपने-अपने हाथों में मांगों के समर्थन में लिखे तख्ती बैनर लेकर अपना आवाज बुलंद किया। उन्होंने कर्मचारी एकता जिंदाबाद, हमारी मांगे पूरी करो जैसे कई नारे भी लगाए तथा कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से गुरुवार को जिला व्यवहार न्यायालय सासाराम एवं व्यवहार न्यायालय बिक्रमगंज में न्यायिक कार्य पूरी तरह ठप दिखा।वहीं अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठी सासाराम सिविल कोर्ट की कर्मचारी सुमन कुमारी ने कहा कि वेतन विसंगति, कर्मचारियों के प्रोन्नति, अनुकंपा बहाली एवं न्यायिक कैडर लागू करने को लेकर काफी लंबे समय से मांग किया जा रहा है। लेकिन राज्य सरकार एवं पटना हाई कोर्ट द्वारा लगातार हमारी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। जिसके कारण मजबूरन हमें हड़ताल के लिए आना पड़ा है। जबकि बिहार न्यायालय के कर्मचारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि माननीय हाई कोर्ट द्वारा भी हमारी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। अगर हाई कोर्ट हमारी मांगों के समर्थन में पहल करें तो सरकार द्वारा इसे पूरा किया जा सकता है। लेकिन बावजूद इसके माननीय हाई कोर्ट एवं सरकार द्वारा इसे टाला जा रहा है। बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय कर्मी मो सरफराज वो मनोज कुमार पाठक ने बताया कि हड़ताल पर जाने से पूर्व वे लोग अपने कार्यालय की चाबी अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी 1 बिक्रमगंज को सौंप दिए। कर्मचारियों ने बताया कि वेतन विसंगति को जल्द से जल्द दूर करने, सभी तृतीय और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों की शीघ्र पदोन्नति करने, शत प्रतिशत अनुकंपा पर बहाली करने और विशेष न्यायिक कैडर लागू करने की मांग शामिल है। प्रताप अजीत सिंह, अमरेंद्र कुमार, मधुसूदन प्रसाद, राजीव कुमार, सरोज कुमार यादव, अखलेश भारती, धनंजय कुमार, अनिल कुमार अशोक कुमार, अशोक कुमार टु, अभिनय कुमार, जय शंकर विद्यार्थी, प्रेम कुमार, अनामुल हक, विजय श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, सरोज मिश्रा आदि मौजूद थे।

आलू की वैज्ञानिक खेती से होता है अधिक उपज : डॉ संदीप मौर्य

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

आलू की खेती में उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है। आलू का प्रयोग मुख्य रूप से सब्जियों, चिप्स, पापड़, चाट, पकौड़ी, समोसा, डोसा, चोखा आदि के रुप में किया जाता है। पूर्वांच्चल में व्रत- त्योहार में फलाहार में भी काम आता है आलू रबी में बोयी जाने वाली फसल है। इसकी सफल खेती के लिए तकनीकी जानकारी देते हुए डॉ० संदीप मौर्य, सहायक प्रोफेसर एवं प्रभारी बागवानी, नारायण कृषि विज्ञान संस्थान, गोपाल नारायण सिंह विश्विद्यालय जमुहार, सासाराम, बिहार के द्वारा किसानों को बताया कि खेत की तैयारी के लिए बरसात कम होने के साथ समय मिलते ही खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा 2-3 जुताइयाँ देशी हल, कल्टीवेटर/हैरो से करके पाटा देकर मिट्टी भुरभुरी बना लेनी चाहिए। आलू की प्रमुख प्रजातियां कुफरी चन्द्र मुखी, कुफरी अशोका, कुफरी नीलकंठ, कुफरी अरुण, कुफरी गरिमा 70-80 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है। जिसकी उपज क्षमता 80-100 कुन्तल प्रति एकड़ है। कुफरी बहार, कुफरी लालिमा, कुफरी पुष्कर, कुफरी गौरव कुफरी गंगा, कुफरी मोहन, कुफरी ख्याति, 90-110 दिन, उपज क्षमता 100-120 कु.प्रति एकड़, कुफरी बादशाह, कुफरी सिन्दूरी, कुफरी आनंद, कुफरी सतलुज 110-120 दिन, उपज क्षमता, 120-160 कुन्तल प्रति एकड़, प्रसंस्करण योग्य किस्में कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-2 अवधि 110 दिन, उपज 140-160 कु.प्रति एकड़ है। कंद बीज की मात्रा एवं बीजोपचार 35-40 ग्राम वजन या 3.50 -4.00 सेमी. आकार वाले 12-14 कु.बीज प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करना चाहिए। बीज जनित रोगों से सुरक्षा के लिए उपचारित एवं प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बुआई का समय- मुख्य फसल की बुआई का उचित समय माह अक्टूबर का दूसरा पखवारा है। खाद एवं उर्वरक-मृदा परीक्षण के आधार पर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए, यदि मिट्टी परीक्षण न हो सके तो 60 कुन्टल गोबर की सड़ी खाद का प्रयोग प्रति एकड़ में करें। 80 किग्रा. युरिया, 200 किग्रा सिंगल सुपरफास्फेट एवं 66 किग्रा. म्यूरेट आफ पोटाश, जिंक सल्फेट 10 किग्रा, फेरस सल्फेट 20 किग्रा, प्रति एकड़ की दर से अंतिम जुताई के समय खेत मे मिला दे। बुआई के 30 से 35 दिनों के बीच सिंचाई के बाद टाप ड्रेसिंग के रूप में 80 किग्रा. यूरिया मिट्टी चढाने के समय प्रति एकड़ में देना चाहिए।

सांख्यिकी पदाधिकारी की बैठक में आवृतिचर्या प्रशिक्षण का आयोजन

» कृषि उपज का आंकलन वैज्ञानिक विधि से करते हुए कृषि के विकास के लिए नीति निर्माण आवश्यक है।

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

जिला पदाधिकारी रोहतास उदिता सिंह के निदेशानुसार जिला सांख्यिकी पदाधिकारी की अध्यक्षता में डी०आर०डी०ए० सभागार में गुरुवार को कृषि सांख्यिकी से संबंधित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के क्षमतावर्द्धन हेतु जिला स्तरीय आवृतिचर्या प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। आवृतिचर्या प्रशिक्षण में सर्वप्रथम फसल के अनुसार कृषि वर्ष में फसल मौसम की जानकारी दी गई। इसके पश्चात खसरा पंजी, द्रुत जिन्सवार, सामान्य जिन्सवार, भूमि उपयोग विवरणी, नेत्रांकन प्रतिवेदन प्रक्षेत्र मूल्य एवं फसल कटनी के संबंध में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी गई। चूंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है इसलिए उपर्युक्त विधि से कृषि उपज का आंकलन वैज्ञानिक विधि से करते हुए कृषि के विकास के लिए नीति निर्माण आवश्यक है। आवृतिचर्या प्रशिक्षण में फसल कटनी की वैज्ञानिक विधि की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस क्रम में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी द्वारा बताया कि इसका प्रमुख उद्देश्य जिला स्तर पर उत्पादन एवं उत्पादकता का आकलन करना तथा साथ ही फसल बीमा कराए गए कृषकों की क्षतिपूर्ति का आकलन करना होता है। फसल कटनी आंकडों के आधार पर बिहार राज्य फसल सहायता योजनान्तर्गत कृषकों को अनुदान, सहायता इत्यादि निर्धारित की जाती है। इन आंकड़ों का उपयोग सरकार की नितियों को बनाने में विभिन्न विभागों द्वारा किया जाता है। जिला स्तरीय आवृतिचर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम में राष्ट्रीय सांख्यिकी के क्षेत्रीय, उप क्षेत्रीय कार्यालय के पदाधिकारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी, प्रखण्ड सांख्यिकी पदाधिकारी, राजस्व अधिकारी, प्रभारी राजस्व अधिकारी एवं प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

एक दिवसीय नियोजन-सह-व्यावसायिक मेला का हुआ आयोजन

निज संवाददाता | नवादा

जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन-सह-व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला आई0टी0आई0 गोनावां, नवादा के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस मेला में मुख्य अतिथि एवं उदघाटनकर्ता जिला पदाधिकारी, नवादा रवि प्रकाश, उप निदेशक (नियो0) मगध प्रमंडल, राजीव रंजन कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, नवादा, प्राचार्य आई0टी0आई0, नवादा को जिला नियोजन पदाधिकारी अंकित राज के द्वारा पौधा देकर अभिनंदन किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर मेले का उदघाटन किया। इस मौके पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि आवेदकों को रोजगार उन्मुखी पढाई तथा पूर्ण रोजगार की जरूरत है। आज सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास करने के लिए गुणवत्तापूर्ण कौशल विकास बहुत जरूरी है।

जिला पदाधिकारी के द्वारा नियोजन मेला में आये अभ्यर्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास सीख कर हुनरमंद बनने के लिए मार्ग दर्शन किया गया एवं उनके द्वारा रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर को प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उन्होने ''नेशनल स्टार्टअप डे'' पर सभी अभ्यर्थियों को शुभकानाएं दीं। श्रम संसाधन विभाग के द्वारा नियोजन-सह-व्यावसायिक मार्ग दर्शन कार्यक्रम के अन्तर्गत स्टडी किट का वितरण जिला पदाधिकारी तथा उप निदेशक (नियो0) के द्वारा किया गया एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया गया तथा जिला नियोजन कार्यालय के द्वारा चल रहे योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि नियोजन मेला में कुल 19 निजी क्षेत्र के नियोजक सम्मलित हुएं। जिसमें 1433 आवेदक मेला में उपस्थित हुए। इनमें से 879 अभ्यार्थियों का साक्षत्कार किया गया, जिसमें से 367 अभ्यर्थियों का स्थल पर अगले चरण हेतु चयन किया गया एवं 11 अभ्यर्थियों को स्थल पर नियुक्ति पत्र दिया गया। मेले में विभिन्न विभागों द्वारा बेरोजगार लोगों के लिए चलाये जा रहे केन्द्रीय एवं राज्य सरकार की योजना के क्रियान्वयन से संबंधित सूचना उपलब्ध कराने के लिए स्टॉल लगाकर मार्गदर्शन दिया गया। मुख्य रूप से डी0आर0सी0सी0, श्रम अधीक्षक, डी0आई0सी0, आरसेटी आदि से संबंधित स्टॉल लगाया गया। अंत में उप निदेशक (नियोजन), राजीव रंजन कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

डीलरों को डोर-टू-डोर केवाईसी का निर्देश

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। प्रखण्ड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में गुरुवार को एमओ राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में डीलरों की बैठक की गई। बैठक के दौरान डीलरों को डोर-टू-डोर जाकर राशनकार्ड के उपभोक्ताओं का केवाईसी करना है। एमओ ने बताया कि जिलाधिकारी नवादा के निर्देशानुसार प्रखण्ड के सभी डीलरों के साथ बैठक कर डोर-टू-डोर जाकर उपभोक्ताओं का केवाईसी करना है। एमओ ने बताया कि बैठक में डीलरों को निर्देश दिया गया कि वे प्रत्येक दिन दोपहर के 2 बजे के बाद पॉश मशीन को लेकर उपभोक्ताओं के घर जाकर छूटे हुए लोगों का केवाईसी करना है। एमओ ने बताया कि प्रखण्ड के सभी डीलरों को वैसे उपभोक्ताओं का लिस्ट दिया गया है, जिनका केवाईसी नहीं हो पाया है। एमओ ने कहा कि प्रखण्ड क्षेत्र के बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जिनका नाम राशनकार्ड में दर्ज है, किन्तु उनमें से कइयों की मृत्यु हो गई है या शादी हो जाने के बाद कहीं और रहने लगे हैं। उनसभी का नाम चिन्हित कर सम्बंधित डीलरों को उपलब्ध करवाया गया है। साथ ही निर्देश दिया गया कि केवाईसी का काम जल्द से जल्द सुनिश्चित करें। इस मौके पर डीलर नवशीष साव, राजीव कुमार, जोगेंद्र पासवान, शशि कुमार, ललन साव, अमरेंद्र कुमार, बोलेन्द्र सिंह, रामलखन यादव, सुरेंद्र कुमार चौधरी, सुरेंद्र प्रसाद सुमन समेत अन्य दर्जनों लोग मौजूद रहे।

विधायक ने घोटाले की जांच की मांग की

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। कौआकोल प्रखण्ड के नक्सल प्रभावित महुडर पंचायत के मननपुर जंगल में वन विभाग द्वारा गारलैंड ट्रेंच निर्माण में की गई धांधली के विरुद्ध स्थानीय विधायक मोहम्मद कामरान से शिकायत की गई। उक्त शिकायत के आलोक में विधायक मोहम्मद कामरान ने गुरुवार को उक्त कार्यस्थल पर पहुंचकर वन विभाग द्वारा निर्माण कराए गए कार्यों पर काफी नाराजगी जताई एवं कहा कि यह एक बहुत बड़ा घोटाला है। जिसकी निश्चिंत रुप से जांच कराने की आवश्यकता है। स्थानीय ग्रामीणों ने संतोष कुमार के नेतृत्व में विधायक को शिकायत पत्र देकर आरोप लगाया कि वन विभाग के डीएफओ समेत अन्य अधिकारियों के द्वारा उक्त कार्यस्थल पर दो ट्रेंच बनाने के नाम पर लाखों रुपये सरकारी राशि की लूट मचाई गई है। ग्रामीणों द्वारा शिकायत किये जाने पर उल्टा ग्रामीण पर ही वन विभाग के अधिकारी द्वारा कौआकोल थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दिया गया। ग्रामीणों ने विधायक से निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए दोषी वन विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए ग्रामीणों पर हुए झूठे मुकदमे में न्याय की मांग की। जिस पर विधायक मोहम्मद कामरान ने कहा कि वे जल्द ही इस सम्बंध में विभागीय मंत्री समेत वरीय अधिकारियों से मिलकर जांच कराएंगे। जरूरत पड़ने पर उक्त मामला को सदन में भी उठाया जाएगा। मौके पर प्रखण्ड राजद अध्यक्ष कैलाश प्रसाद यादव, मुजफ्फर अंसारी, लखन यादव, बिरेन्द्र कुमार, सत्येन्द्र कुमार यादव आदि मौजूद थे।

डॉ अनुज सिंह ने जरूरतमंदों को कंबल बांटे

नवादा (नि.सं.)। कड़कड़ाते ठंड के बीच मॉडर्न शैक्षणिक समूह नवादा के तत्वावधान में जिले के प्रसिद्ध शिक्षाविद व समाजसेवी डॉ अनुज सिंह ने जरूरतमंदों को कंबल वितरण कर मानवता की मिशाल प्रस्तुत की।संस्था के द्वारा केवल शहरी क्षेत्रों में ही नहीं बल्कि सुदूर गांवों में जरूरतमंद बड़े बुजुर्गों के बीच जाकर कंबल दिया जा रहा है। विगत गुरुवार को जिले के नारदीगंज प्रखंड के मसौढ़ा एवं डोहड़ा पंचायत के कुझा, भलुआ, सिरपतिया, मसौढा, डोमावर सहित लगभग 10 गांवों के लगभग 2000 की संख्या में जरूरतमंद परिवारों के बड़े बुजुर्गों, महिलाओं के बीच कंबल वितरण किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित रहे डॉ अनुज ने कहा कि हमारे इस छोटे से प्रयास से अगर किन्हीं को मदद मिलती है तो इस प्रयास से यह सिद्ध होता है कि मानवता से बड़ा कोई सेवा नहीं। ठंड में किसी जरूरतमंद को कंबल देना सिर्फ एक वस्तु प्रदान करना नहीं है बल्कि उन्हें जीने की नई उम्मीद देना है। उन्होंने कहा कि ठंड बढ़ने के साथ जरूरतमंद बुजुर्गों एवं महिलाओं की मुश्किलें बढ़ जाती हैं और इसी कारण संस्था समय पर उनकी मदद के लिए सक्रिय है। इस तरह के कार्यक्रम से न केवल लोगों को ठंड से सुरक्षा मिलती है बल्कि समाज में आपसी सद्भाव की भावना भी मजबूत होती है। इस अवसर पर पसई के समाजसेवी अनिल कुमार सिंह ने कहा कि इस ठंड में जरूरतमंद परिवारों के लिए यह कम्बल एक नई उम्मीद की किरण साबित हो रही है। यह कार्य न केवल समाज की मदद करता है बल्कि दिल को एक अलग सकुन भी देता है। इस कंबल वितरण कार्यक्रम में मसौढ़ा पंचायत के कुझा, भलुआ, सिरपतिया, मटिहानी, काशी बीघा, सांगोपर, जोरावर बीघा, बिलाई चक, डोमाबर आदि गांवों के जरूरतमंद परिवार उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में नारदीगंज प्रखंड के जिला परिषद देवा चौहान, मसौढ़ा पंचायत के मुखिया राजेश चौहान, संतोष चौहान, अनिल चौहान, रामाशीष चौहान, रामेश्वर चौहान, कैलाश चौहान, किशुन चौहान, किशोरी चौहान, समाजसेवी राजकुमार जी,पूर्व सरपंच बलबीर चौहान, आर्यन राज राजेश कुमार, विपिन कुमार, दिलीप कुमार अरुण कुमार, सोनू कुमार, अनिरुद्ध कुमार, ईश कुमार, पचाढा पंचायत के पूर्व मुखिया महेश कुमार, संजय कुमार, मनोज कुमार उपस्थित रहे। भयंकर ठंड में कंबल प्राप्त करके सभी लाभार्थियों ने अपने आशीर्वादों से भर दिया एवं इस कृपा के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

51 फरार अपराधियों की हुई गिरफ्तारी

नवादा (नि.सं.)। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने बताया कि 15 जनवरी 2025 को नवादा जिला में पुलिस द्वारा विभिन्न गिरफ्तारियां की गयी हैं, साईबर अपराध में 01, हत्या के प्रयास में 02, मद्य निषेध में 10 एवं अन्य गिरफ्तारी 38 कुल 51 गिरफ्तारियां हुई। शराब की बरामदगी अन्तर्गत 215 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया। वारंट के निष्पादन की संख्या 48 एवं कुर्की के निष्पादन की संख्या 123 है। वाहन जांच के क्रम में कुल 351 वाहनों की जंच की गयी है एवं फाईन की कुल राशि 40 हजार रूपया वसूला गया है। अन्य गिरफ्तारी अन्तर्गत मोटरसाईकिल 01, ट्रैक्टर 01, मोबाईल 10 एवं सीम 04 बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक, नवादा ने बताया कि नवादा पुलिस इस तरह के क्रुर एवं जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करने एवं सजा दिलाने के लिए लगातार संकल्पित है। अपराध को अंजाम देने के बाद अन्यत्र जगह छुपकर रहने वाले अपराधियों के विरूद्ध नवादा पुलिस लगातार आसूचना संकलन कर रही है तथा कार्रवाई के लिए प्रयासरत है। नवादा पुलिस के लिए यह बड़ी सफलता है।

ससुर का दाह संस्कार करने जा रहे दामाद की ट्रैक्टर पलटने से मौत

निज संवाददाता | वारिसलीगंज (नवादा)

वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के कुटरी मोड़ के पास सुबह शव दाह संस्कार करने जा रहे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने से छह लोग जख्मी हो गए, वहीं इस सड़क हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही ट्रैक्टर के नीचे दबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान दीपनगर के रहने वाले विशेश्वर यादव के 35 वर्षीय पुत्र बिजेंद्र यादव के रूप में की गई है।इस घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि वारिसलीगंज प्रखंड के पैगरी गांव के 70 वर्षीय बुजुर्ग गनौरी यादव का निधन हो गया था। अंतिम संस्कार के लिए गांव और परिवार के सदस्य दो ट्रैक्टरों से शव लेकर ज रहें थे। इस बीच रास्ते में एक ट्रैक्टर के पलटने से यह घटना हो गई। हादसे के बाद लोगों में अफरा-तफरी मच गई, मौके पर आसपास के लोग जुट गए। सड़क हादसे की सूचना के बाद पुलिस पहुंची. इस हादसे में जख्मी 06 लोगों को आनन-फानन इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रैक्टर काफी तेज रफ्तार में चल रहा था, तभी अचानक ट्रैक्टर पलट गया। दुर्घटना के बाद लोगों को संभलने का भी मौका नहीं मिला। मौके पर डायल-112 की पुलिस पहुंची और राहत-बचाव का कार्य शुरू हुआ। इस हादसे के बाद एक तरफ जहां लोग बुजुर्ग व्यक्ति के निधन से पहले से गम में थे, वहीं एक युवक (दामाद) की मौत के बाद कोहराम मच गया। हादसे के बाद मृतक के परिवार वालों में कोहराम मच गया है। हादसे के बाद अंतिम संस्कार को फिलहाल कुछ देर के लिए रोक दिया गया। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी रुपेश कुमार सिन्हा ने बताया कि मृतक की पहचान कर ली गई है। आगे की जांच पुलिस कर अग्रेतर कार्रवाई कर रही है, फिलहाल सभी घायलों की हालत ठीक है।

उम्मीदवार अनुसेवकों का सरकार के खिलाफ

सासाराम (रोहतास) (नि.सं.)। रोहतास जिला उम्मीदवार अनुसेवक संघ की ओर से समाहरणालय परिसर में सरकार के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन कर रहे उम्मीदवारों ने कहा कि बीस-पच्चीस वर्षों से हम सभी जिला के विभिन्न कार्यालयों में काम कर रहे हैं, लेकिन अभी तक हमलोगों की सेवा नियमित नहीं की गयी। बिहार कर्मचारी चयन आयोग की ओर से इसके लिए एक परीक्षा का आयोजन किया गया था, लेकिन उसमें भी उम्मीदवार अनुसेवकों को कोई प्राथमिकता नहीं दी गयी। इस संदर्भ में उम्मीदवार परिचारिका चंद्रावती देवी ने कहा की सेवा करते हमसबों को पच्चीस साल हो गये, फिर भी सरकार परीक्षा उत्तीर्ण की बात कर रही है। पूरी जिंदगी दैनिक मजदूरी पर गुजर गयी, आखिर हमलोग अब कहाँ जाएं। इन्हीं सब बातों को लेकर उम्मीदवार अनुसेवकों में सरकार के प्रति असंतोष व्याप्त है।

न्यायालय कर्मियों के कलमबंद हड़ताल पर जाने से कार्य ठप्प

निज संवाददाता | नवादा

व्यवहार न्यायालय के कर्मचारीयों के अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल पर जाने से न्यायालय का काम ठप हो गया है। बिहार राज्य व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ के आह्वान पर सभी कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। जानकारी देते हुए जिला ईकाइ के सचिव सत्यानंद झा ने बताया कि वेतन विसंगती को दूर करने, तृतीय एवं चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी का पदोन्नति करने, अनुकम्पा पर बहाली तथा विशेष न्यायिक कैडर की मांग सहित अन्य मांगों को ले हड़ताल आरंभ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार के सभी विभागों के कर्मी को प्रोन्नति दी गई, लेकिन व्यवहार न्यायालय के कर्मी को इस लाभ से वंचित रखा गया। प्रोन्नति में पारदर्शिता लाने पर जोर दिया गया। इसके पूर्व व्यवहार न्यायालय के कर्मी एकजुट होकर हड़ताल पर जाने की सहमति जताई थी तथा एकजुट होकर प्रदर्शन भी किया था। उल्लेखनीय है कि व्यवहार न्यायालय के कर्मी के हड़ताल पर जाने से अदालती कार्य चरमरा गयी है। न्यायिक पदाधिकारी व अधिवक्ता तो अदालत पहुंचे, किन्तु निर्धारित अभिलेख ही न्यायिक पदाधिकारी के समक्ष नहीं आ पाया। ऐसे में न्यायालय पहुंचे लोगों को बैरंग वापस लौटना पड़ा। मौके पर सुभाष चंद्र शर्मा, अमित कुमार, विद्याव्रत, सईद जैकी हैदर तथा रवि शंकर सहित काफी संख्या में कर्मी मौजूद थे।

कर्मियों तथा पंचायत कार्यपालक सहायकों का दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

निज संवाददाता | वारिसलीगंज (नवादा)

प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित किसान भवन में बिहार ग्राम स्वराज योजना सोसाइटी, राज्य पंचायत संसाधन केंद्र, पंचायती राज विभाग, बिहार, पटना के निर्देश पर त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्था के ग्राम कचहरी के जनप्रतिनिधियों, कर्मियों तथा कार्यपालक सहायकों का पंचायत-इ-ग्राम कचहरी पोर्टल एवं न्यू क्रिमिनल लॉ विषय पर आयोजित दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण गुरुवार को संपन्न हो गया। प्रथम दिन बुधवार को प्रशिक्षक सह प्रखंड कार्यपालक सहायक प्रीति सिन्हा ने पंचायत-इ-ग्राम कचहरी पोर्टल के बारे में बताया ताकि सभी वादों का लेखा-जोखा डिजिटल रूप से संधारित किया जा सके। दूसरे दिन गुरुवार को न्यू क्रिमिनल लॉ के बारे में प्रशिक्षक सह न्याय मित्र अधिवक्ता चंद्रमौलि शर्मा तथा अवनीश कुमार ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षकों ने भारतीय दण्ड संहिता को भारतीय न्याय संहिता में रूपांतरित किए जाने तथा विभिन्न धाराओं के बदले गए प्रारूप के बारे में विस्तार से चर्चा की। वारिसलीगंज प्रखंड सरपंच संघ अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने उपस्थित प्रतिभागियों तथा प्रशिक्षकों को धन्यवाद दिया। मौके पर सरपंच राम अनुग्रह सिंह, ब्रह्मदेव पंडित, न्यायमित्र उमा कुमारी, प्रीति सिन्हा, नवीन कुमार, मनोज कुमार, सचिव किरण कुमारी समेत प्रखंड के अधिकांश ग्राम कचहरी सरपंच, उप सरपंच, पंच, न्यायमित्र, सचिव तथा पंचायत कार्यपालक सहायक उपस्थित थे।

100 लीटर शराब के साथ दो लोगों को पुलिस ने दो लोगों किया गिरफ्तार, एक वारंटी भी धराये

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के एकम्बा गांव जाने वाली सड़क से पुलिस बलों ने एक बाइक पर लदे 100 लीटर देशी महुआ शराब लदे एक बाइक पर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि शराब निर्माण, परिवहन, भंडारण, बिक्री एवं सेवन के विरुद्ध पुलिस बलों की सहायता से लगातार छापेमारी की जा रही है। बीते दिनों गुप्त सूचना के आलोक में थाने में पदस्थापित एसआई पिंकी कुमारी ने सशस्त्र बलों के सहयोग से एकम्बा गांव जाने वाले रास्ते से एक बाइक सवार को जांच हेतु रोका गया। बाइक पर सवार लोगों के पास से कुल 100 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया। वहीं बाइक पर सवार दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान एकम्बा गांव निवासी अजय राजवंशी के पुत्र राहुल कुमार एवं सिरदला थाना क्षेत्र के खुर्द कर्मा गांव निवासी राम प्रसाद यादव के पुत्र सिम्पू कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त शराब एवं बाइक के अलावे गिरफ्तार लोगों कब विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के सुंसगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं दूसरी ओर न्यायालय से प्राप्त निर्गत वारंट के आलोक में फरका बुजुर्ग गांव निवासी अर्जुन राजवंशी के पुत्र सत्येन्द्र कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार तीनों लोगों का स्वास्थ्य जांच अनुमंडलीय अस्पताल में करवाया गया एवं स्वास्थ्य जांच के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मध्याह्न भोजन में मिली छिपकली, मचा हड़कंप

निज संवाददाता | पकरीबरावां (नवादा)

पकरीबरावां प्रखंड के राजकीयकृत मध्य विद्यालय डुमरावां में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब विद्यालय के मध्याह्न भोजन में छिपकली मरा मिला। वहीं, भोजन खाने से कुछ बच्चों को चक्कर आना शुरू हुआ, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि भोजन परोसते समय रसोइया को दाल में छिपकली मरा मिला। तब तक कुछ बच्चे भोजन खाना शुरू कर चुके थे। जैसे ही छिपकली मिलने की जानकारी मिली बच्चों में हड़कंप मच गया। कुछ बच्चे भय से कांपने लगे। वहीं, कुछ बच्चों को चक्कर एवं उल्टी महसूस होने लगा। भोजन खाने से तीन बच्चों की तबियत ज्यादा बिगड़ गई, जिसे इलाज के लिए ले जाया गया। एक छात्रा अर्पिता कुमारी का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पकरीबरावां में चल रहा है। इधर, घटना की सूचना मिलने पर बच्चों के अभिभावक विद्यालय पहुंचें। अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। वहीं, इसकी सूचना पकरीबरावां पुलिस को दी गई।

बस से गांजा ढ़ोने वाले पांच लोगों उत्पाद विभाग ने किया गिरफ्तार

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के चितरकोली गांव स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने 19.112 किलो गांजा बरामद किया है। साथ ही सरगना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि बिहार मद्दनिषेध को लेकर जांच चौकी पर उत्पाद एसआई बब्लू कुमार ने झारखण्ड की ओर से आ रही राजधानी बस संख्या जेएच05सीएक्स1970 की जांच में बस में सवार चार लोगों के पास से चार पिट्ठू बैग से गांजा बरामद किया गया है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में 5.746 किलो गांजे के साथ उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के सेवरही थाना क्षेत्र के बभनौली गांव निवासी अमरजीत राव के पुत्र पिन्टू राव, 4.298 किलो गांजा के साथ उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के गैरी बनार थाना क्षेत्र के नारायणपुर तिवारी गांव निवासी रविंद्र यादव के पुत्र अनुराग यादव व 4.841 किलो गांजा के साथ रविंद्र यादव के पुत्र रितेश गौड़ एवं उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के जटहा बाजार थाना क्षेत्र के हरिनही गांव निवासी वीरेंद्र निषाद के पुत्र हिरामन निषाद को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही बताया कि गिरफ्तार लोगों के निशानदेही पर पांचवे एवं मुख्य सरगना उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के सेवरही थाना क्षेत्र के सरगहिया करमपट्टी गांव निवासी वीरेंद्र तिवारी के पुत्र नवीन तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि सरगना द्वारा चार-चार हजार रुपये देकर पहुंचाने का जिम्मा दिया गया था। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि बरामद गांजे एवं गिरफ्तार लोगों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट 1985 की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं गिरफ्तार लोगों के स्वास्थ्य जांच के बाद गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

करियर को आकार देने में शिक्षा ही महत्वपूर्ण :निशिकांत

आदर्श ज्ञान रेसीडेंसियल पब्लिक स्कुल का वार्षिकोत्सव धूम-धाम से सम्पन्न

निज संवाददाता | वारिसलीगंज

प्रखंड के धनबिगहा गावं स्थित आदर्श ज्ञान रेसीडेंसियल पब्लिक स्कुल का पहला वार्षिकोत्सव का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी सह रिच माइंड डिजिटल कम्पनी के प्रबंध निदेशक निशिकांत सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह का संचालन निदेशक श्याम किशोर प्रसाद ने किया। समारोह में आये अतिथियों का स्वागत शाल देकर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए निशिकांत सिन्हा ने उपस्थित छात्रों एवं अविभावकों से कहा की खुशहाल जीवन जीने के लिये सबसे बड़ा अस्त्र शिक्षा है। हमारा घर ही हमारा पहला शैक्षणिक संस्थान है, जहां हम दूसरों के साथ व्यवहार करना, और अन्य कौशलों को सीखते हैं हालांकि, व्यवहारिक जीवन में सफल होने के लिए स्कूल की शिक्षा बहुत आवश्यक है। स्कूली शिक्षा के माध्यम से ही, हम व्यक्तित्व, मानसिक कुशलता, नैतिक और शारीरिक शक्ति का विकास करना सीखते हैं। बिना उचित शिक्षा के, एक व्यक्ति अपने जीवन के सभी शैक्षिक लाभों से वंचित रह जाता है। शिक्षा निजी और पेशेवर जीवन में सफलता की इकलौती कुंजी है। जो व्यक्ति उचित शिक्षा प्राप्त करता है वो परिवार, समाज और देश में प्रशंसा के योग्य होता हैं। सभी के लिए उचित शिक्षा लोगों के बीच में समानता लाकर सभी प्रकार के भेदभावों को हटाती है। शिक्षा हमें न केवल इतिहास, विज्ञान, गणित, भूगोल और अन्य विषयों को सीखने योग्य बनाती हैं हालांकि, यह हमें ये भी सिखाती है, कि जीवन में बुरी स्थितियों को कैसे संभाला जाये। हमारे भविष्य के निर्माण और पेशेवर कैरियर को आकार देने में अच्छी और उचित शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हमारे व्यक्तित्व का विकास करने और परिवार और समाज में पहचान और सम्मान प्राप्त करने में मदद करती है। हम यह कह सकते हैं कि, शिक्षा सामाजिक और वैयक्तिक मानव जीवन का एक आवश्यक भाग है। हम अपने जीवन में शिक्षा के महत्व को किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं कर सकते। जैसा कि हम समाज में निरंतर देखते हैं कि बहुत से सामाजिक मुद्दे केवल उचित शिक्षा की कमी के कारण पैदा हो रहे हैं। सामाजिक मुद्दे जैसे असमानता, लिंग असमानता, धार्मिक भेदभाव, और भी बहुत सी समस्याएं हमारे जीवन में केवल शिक्षा की कमी के कारण है। इस अवसर पर बच्चो के द्वारा कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। बच्चो के बीच दौड़, भाषण आदि प्रतियोगिता भी कराई गयी थी। खेल कूद में बेहतर प्रदर्शन करने वाले किशन कुमार, पूनम कुमारी, अंजलि, निशांत, रजनीश, बर्षा, अनुष्का, सुरभि, सानिया, अनुराज, रौशन आदि छात्र -छात्राओं को मुख्य अतिथि के हाथों पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन श्याम किशोर प्रसाद ने किया। मौके पर विद्यालय प्राचार्य अनूप राज, प्रबंधक सचिदानंद प्रसाद, जयराम प्रसाद, कुशवाहा सेवा समिति वारिसलीगंज के प्रखंड अध्यक्ष सोनू कुशवाहा, अरूंजय मेहता,चकवाय पंचायत के मुखिया मृत्युंजय कुमार, दर्खा (अलीगंज) पंचायत मुखिया प्रतिनिधि सुजीत कुमार, बागी बगडीहा पंचायत प्रतिनिधि सह जदयू युवा जिलाध्यक्ष सोनू राज, बिपिन कुमार, मनोज कुमार सहित विद्यालय के सैकड़ों छात्र -छात्राएं मौजूद थे।

25 हज़ार के इनामी कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

निज संवाददाता | भागलपुर

जिले में अपराधी बेख़ौफ़ होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। गंभीर घटनाओं को अंजाम देकर अपराधी पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। इसी कड़ी में भागलपुर जिले की टॉप 10 की सूची में शामिल तथा 25000 के इनामी अभियुक्त राजेश कुमार साह को भागलपुर पुलिस ने लुधियाना से गिरफ्तार किया है। राजेश के ऊपर भागलपुर के साथ आसपास के जिलों में 14 केस दर्ज है। हृदयकांत ने बताया कि राजेश को पुलिस अभिरक्षा में मधुबनी जेल से भागलपुर जेल लाया जा रहा था।

नेशनल स्टार्टअप दिवस का हुआ आयोजन

निज संवाददाता | नवादा

स्टार्टअप इंडिया पहल के 09 वर्ष पूरे होने पर नेशनल स्टार्टअप डे'' कार्यक्रम का आयोजन राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, नवादा में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रवि प्रकाश, जिलाधिकारी, नवादा के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले समय में बहुत सारी परंपरागत नौकरियां खत्म हो सकती हैं इसलिए युवाओं को अलग तरीके से सोचने की जरूरत है। आज का दौर उद्यमिता और स्टार्टअप का है। समाज की जटिल समस्याओं के हल के लिए हमारे युवाओं को तकनीकी कौशल एवं सृजनात्मक सोच से ही समाज मैं फैले विषमताओं और समस्या का समाधान किया जा सकता है। बिहार सरकार द्वारा संचालित स्टार्टअप पॉलिसी 2022 के अंतर्गत संचालित योजना के तहत 10 लाख रुपए तक की राशि स्टार्टअप के लिए दी जाती है। इस योजना के कारण युवा अब नौकरी करने के पीछे नही बल्कि रोजगार देने वाले बन रहे हैं। प्रोजेक्ट मैनेजर ने छात्रों से कहा की सरकार का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को स्टार्टअप पॉलिसी का लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने बताया कि आज का दिन नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप की बढ़ती भूमिका को सम्मानित करने के साथ-साथ देश की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन में उनके योगदान को उजागर करता है। इस अवसर पर पूरे भारत में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जहां स्टार्टअप की सफलता की कहानियों को साझा किया जाता है और नए विचारों को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की जाती है। यह दिन युवा उद्यमियों को प्रेरित करने और उनके लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से मनाया जाता हैं।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर में नाले में गिरकर बच्ची की मौत

आरा। भोजपुर जिले के सहार प्रखंड के सहार थाना क्षेत्र के अबगिल्ला गांव में बुधवार को नाले में डूबने से एक बच्ची की मौत हो गई। मृत बच्ची सहार थाना क्षेत्र के अबगिल्ला गांव निवासी भोला कुमार की 3 साल की बेटी सिया कुमारी है। बच्ची के चाचा कुंदन कुमार ने कहा कि घर से बाहर खेलने के लिए निकली थी। इसी दौरान वह नाले में गिरकर डूब गई। जिससे उसकी मौत हो गई। करीब 2 घंटे के बाद परिजनों को स्थानीय ग्रामीणों ने सूचना दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उसे नाले से बाहर निकाला।

घर में छोटी थी बच्ची: मामले की सूचना स्थानीय थाने को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। बताया जाता है कि मृत बच्ची अपने एक भाई और एक बहन में छोटी थी और अपने मां-बाप की इकलौती लाडली थी। मृत बच्ची के परिवार में मां पुष्पा देवी और एक भाई सन्नी कुमार है। घटना के बाद मृत बच्ची की मां पुष्पा देवी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में रोहतास के युवक की मौत

आरा। भोजपुर जिले के तरारी प्रखंड के तरारी थाना क्षेत्र के करथ गांव स्थित डाक बंगला के समीप बुधवार को बेकाबू ट्रैक्टर ने बाइक सवार रोहतास निवासी दो दोस्तों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी युवक का इलाज रोहतास स्थित निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक रोहतास जिला के गोड़ारी थाना क्षेत्र के केंचुआ गांव निवासी विंध्याचल राम का 21 वर्षीय पुत्र मनु कुमार है। वह हैदराबाद में रहकर एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था एवं एक सप्ताह पूर्व वह हैदराबाद से वापस गांव लौटा था। जबकि जख्मी उसका दोस्त उसी गांव के निवासी बालचंद राम का 20 वर्षीय पुत्र अजय कुमार है।

हादसे के बाद भड़के ग्रामीण: घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। उधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने उक्त ट्रक में आग लगा दी। उसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर करथ गांव स्थित डाक बंगला के समीप शव को बीच सड़क पर रख सड़क जाम कर दिया। उनकी ओर से करीब साढ़े चार घंटे तक सड़क को जाम रखा गया।

पुलिस ने समझा-बुझाकर मामला शांत कराया: सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी रही एवं आवाजाही पूरी तरह ठप रहा। वहीं, सड़क जाम की सूचना पाकर पीरो प्रभारी डीएसपी अबू सैफी मुर्तुजा, सर्किल इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, तरारी थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार भास्कर, पीरो थानाध्यक्ष सुबोध कुमार, सीआईडी प्रभारी त्रिपुरारी सिंह एवं हसन बाजार थानाध्यक्ष सर्वेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच लोगों को समझाने-बुझाने लगे। इसके बाद तरारी प्रखंड के अंचलाधिकारी आमिर अजीम भी वहां पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर उन्हें शांत कराया एवं उनके द्वारा मृतक के परिजनों को 20 हजार का चेक भी दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मनु कुमार अपने दोस्त अजय कुमार के साथ मंगलवार को बाइक से सहार थाना क्षेत्र के बड़की खड़ाव गांव अपनी बहन पार्वती देवी के घर मकर संक्रांति को लेकर चूड़ा-तिलवा देने आया था। बुधवार की सुबह जब वह अपने दोस्त के साथ वापस गांव लौट रहा था। उसी दौरान करथ गांव स्थित डाक बंगला के समीप पीछे से आ रही बेकाबू ट्रैक्टर ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें मनु कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उसका दोस्त अजय कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व दो बहन में चौथे स्थान पर था। उसके परिवार में मां फूलझारो देवी, दो भाई सोनू कुमार, दसई कुमार व दो बहन सुनीता देवी एवं पार्वती देवी है। मृतक के बड़े भाई कृष्णा कुमार की मौत कुछ वर्ष पूर्व हो गई थी। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की मां फूलझारो देवी हम परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

राहुल गांधी के दौरे को लेकर जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता

आरा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 18 जनवरी को पटना आ रहे हैं। उनके दौरे को लेकर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक राम के नेतृत्व में बुधवार को आरा के पार्टी कार्यालय शहीद भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। बताया गया कि 18 जनवरी को पटना में 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' का आयोजन किया गया है। राहुल गांधी के दौरे को लेकर बतौर पर्यवेक्षक बक्सर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी भी इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी युद्धस्तर पर अपने नेता के स्वागत की तैयारी में जुटा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व को भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी से बहुत सारी उम्मीदें हैं। उन्होंने उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को विश्वास दिलाया कि आगामी विधानसभा चुनाव में जिले से कम से कम दो सीट मिले, इसके लिए जो संभव हो सकेगा किया जायेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक राम ने पर्यवेक्षक को आश्वस्त किया कि राहुल गांधी के स्वागत में जिले से हजारों कार्यकर्ता उस दिन पटना के लिए कूच करेंगे। उन्होंने पर्यवेक्षक से ये भी स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में गणेश परिक्रमा करने वालों का टिकट भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी स्वीकार नहीं करेंगी। टिकट का वितरण हर हाल में पार्टी के संविधान में वर्णित प्रक्रियाओं के तहत ही किया जाएगा।

देश का भगवा करने के लिए भाजपा अग्रणी भूमिका निभा रही है: संजय तिवारी: विधायक संजय तिवारी ने बताया कि देश का भगवाकरण करने के लिए भाजपा अग्रणी भूमिका निभा रही है। देश में लगभग भगवाकरण इन लोगों ने कर भी दिया है। देश में हमारा संविधान सुरक्षित नहीं है, राहुल गांधी भी कहते हैं कि जो संविधान में हमारे मौलिक अधिकार दिए गए हैं, उसका हनन हो रहा है। भाजपा के लोग उसे मानक पर खड़े नहीं उतर पा रहे हैं, जो देश की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। राहुल गांधी निश्चित रूप से भाजपा के लोगों के बारे में बताने का काम पूरे देश को कर रहे हैं कि हमारे देश का संविधान खतरे में पड़ा हुआ है। इसकी सुरक्षा हमें खुद के कंधों पर लेकर चलना होगा। उन्होंने कहा कि हम भोजपुर की 7 सीटों में से कम से कम एक या दो सीट जीतने का काम करेंगे। 2020 के चुनाव में बक्सर सीट सिर्फ हमारे पास थी, लेकिन हम लोगों ने हाई कमान से बात कर राजपुर सीट पर भी चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसका सारा श्रेय हमारे पार्टी के कार्यकर्ताओं का है, जिन्होंने यह दावा किया था कि हम यहां से जीत हासिल करेंगे।

रंगदारी का केस वापस नहीं लेने पर व्यक्ति को पीटा

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में मारपीट के वायरल वीडियो मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गुरुवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सुबोधकांत तिवारी के रूप में हुई है। वहीं विडियो में पीटते व्यक्ति की पहचान राजनारायण वर्मा के रूप में हुई है। उन्होंने इस मामले में 6 लोगो पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है।

रंगदारी का केस वापस नहीं लेने पर किया हमला: पीड़ित ने बताया कि घटना 15 जनवरी की है, जब डोमडेरवा स्थित अपनी पुस्तैनी जमीन पर निर्माण कार्य करवा रहा था। इसी दौरान गांव के ही छह व्यक्तियों - दिग्विजय तिवारी, मृत्युजय तिवारी, शिवम तिवारी, जनमेजय तिवारी, सुबोधकांत उर्फ चिंटू तिवारी और प्रिंस तिवारी ने लोहे की पाइप और लाठी-डंडे लेकर उन पर हमला कर दिया। राजनारायण ने बताया कि आरोपियों ने

उन्हें पहले से दर्ज रंगदारी के केस को वापस लेने का दबाव डाला। विरोध करने पर उन्हें चारों ओर से घेरकर जानलेवा हमला किया गया। इस दौरान उनके गले से सोने की चेन छीन ली गई और उनका मोबाइल तोड़ दिया गया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी पहले 2 लाख रुपये की रंगदारी मांग रहे थे, लेकिन अब उन्होंने 10 लाख रुपए की मांग का भी आरोप लगाया है।घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव किया और घटना की सूचना राजनारायण के परिजनों को दी। परिजन उन्हें

- बक्सर में मारपीट का वीडियो आया सामने, 6 लोगों पर FIR; एक आरोपी गिरफ्तार

थाना लेकर गए, जहां से पुलिस ने उन्हें चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें बक्सर सदर अस्पताल रेफर किया गया।

जांच में जुटी पुलिस: मुफस्सिल थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। घटना का एक वीडियो ग्रामीणों ने रिकॉर्ड किया, जिसे साक्ष्य के तौर पर पुलिस को सौंपा गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, और अन्य की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस घटना की हर पहलू से जांच कर रही है और बाकी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

न्यायालय कर्मचारियों की हड़ताल से काम ठप

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के व्यवहार न्यायालय में गुरुवार को कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है। बिहार व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ के नेतृत्व में कर्मचारियों ने अपनी चार प्रमुख मांगों को लेकर यह कदम उठाया है। जिलाध्यक्ष अखौरी राकेश कुमार सिन्हा के अनुसार, उनकी प्रमुख मांगों में स्नातक स्तर का वेतनमान और प्रोन्नति, शत-प्रतिशत अनुकंपा नियुक्ति, चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की प्रोन्नति और राज्य न्यायालय कर्मी और अधिकारी कैडर का गठन शामिल है। हड़ताल की शुरुआत से पहले बुधवार को सभी कर्मचारियों ने न्यायालय अवधि समाप्त होने के बाद न्यायालयों की चाबियां प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कार्यालय को सौंप दी। इसके साथ ही उन्होंने न्यायालय अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी की है। हड़ताल में कौशलेंद्र कुमार ओझा, शैलेश कुमार ओझा, रवींद्र कुमार सहित कई कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने एकजुट होकर मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया है। इस हड़ताल से न्यायालय का पूरा काम ठप हो गया है। इससे वादकारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारी संघ ने राज्य सरकार और पटना उच्च न्यायालय से इस मामले का शीघ्र समाधान करने की अपील की है। न्यायालय परिसर में सन्नाटा पसरा हुआ है और कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा।

तियरा गांव में शिव प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ शुरू

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के राजपुर प्रखंड स्थित तियरा गांव में शिव प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। धरनीधर बाबा के नेतृत्व में निकाली गई कलश शोभायात्रा यज्ञ मंडप से प्रारंभ होकर सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ चौसा स्थित महादेव गंगा घाट तक पहुंची। गंगा घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने संत बाबा की उपस्थिति में पवित्र जल से कलश भरे और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की। श्रद्धालु हर-हर महादेव के जयकारों के साथ सिर पर कलश लेकर यज्ञ स्थल की ओर लौटे। शुक्रवार को अग्नि मंथन के साथ हवन पूजन प्रारंभ होगा, इसमें यज्ञाचार्य और विद्वान पंडितों की मौजूदगी में अग्नि प्रज्वलन के बाद श्रद्धालु यज्ञशाला की परिक्रमा करेंगे। 21 जनवरी तक चलने वाले इस महायज्ञ में प्रतिदिन दोपहर 12 से 3 बजे तक कथावाचन और रात्रि 9 से 12 बजे तक रासलीला का आयोजन किया जाएगा। मौके पर पिंटू शर्मा, भीम राम, मुनि चौबे, जितेंद्र सिंह, सतेंद्र सिंह, पूर्व मुखिया संजय राम, राधाकृष्ण चौबे, बबलू राय, छोटू राय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और उत्साह से पूरे तियरा गांव में आध्यात्मिक माहौल छाया हुआ है। यह महायज्ञ क्षेत्र के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक समर्पण का प्रतीक बन गया है।

दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष, तीन जख्मी

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के गीधा थाना क्षेत्र के बीरमपुर (कृतपुरा) गांव में बुधवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट व चाकूबाजी हुई। दोनों पक्षों से चाचा-भतीजा समेत तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसमें जख्मी अशोक चौधरी को बाय हाथ व सिर पर दाब से व उनके भतीजे भोला चौधरी को डंडों से मारकर जख्मी किया गया है। वहीं, जख्मी पिंटू तिवारी को चाकू से बाएं हाथ के कलाई एवं दाहिने हाथ के कोहनी पर चाकू मारा गया है। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद एक की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। जबकि दो का इलाज का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है।

घायलों में दोनों पक्ष के कौन-कौन शामिल: जानकारी के अनुसार, घायलों में एक पक्ष के गीधा थाना क्षेत्र के बीरमपुर (कृतपुरा) गांव निवासी परशुराम चौधरी का 29 साल का बेटा अशोक चौधरी एवं उसी गांव के निवासी अंकु चौधरी का 17 साल का बेटा व उसका भतीजा भोला चौधरी शामिल है। जबकि दूसरे

पक्ष से उसी गांव के निवासी जगलाल तिवारी का 42 साल का बेटा पिंटू तिवारी शामिल है। इधर, एक पक्ष के पिंटू तिवारी ने बताया कि वर्ष 2023 में अशोक चौधरी की ओर से उनकी मां निर्मला तिवारी को बहला-फुसलाकर उनके पौने चार कट्ठा जमीन में से ढाई कट्ठा जमीन अपने नाम लिखवा लिया था। जिसका अभी मोटेशन भी नहीं हुआ है। जिसको लेकर उनके बीच करीब दो वर्षो से विवाद चल रहा है।

विवादित जमीन पर बोया गया था तेलहन: विवादित जमीन पर पिंटू तिवारी द्वारा तेलहन बोया गया था। जिसे अशोक चौधरी एवं उनके परिवार वालों की ओर से काटा जा रहा था। सूचना पाकर जब वह खेत में पहुंचे और उन्हें तेलहन काटने से मना किया तो उनके बीच कहासुनी हुई। इसके बाद उन लोगों द्वारा चाकू से पिंटू तिवारी को मारकर जख्मी कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। दूसरे पक्ष के अशोक चौधरी ने बताया कि दो वर्ष पूर्व पिंटू तिवारी ने मारपीट कर अपनी मां का कमर तोड़ दिया था। उसका छोटा भाई सुजीत तिवारी बेंगलुरु में रहकर मजदूरी करता था। इसके बाद उसका छोटा भाई सुजीत तिवारी आया और अपनी मां को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के लिए पैसा ना होने के कारण उसके द्वारा दो लाख रुपया मुझसे लिया गया था। जब उसकी मां ठीक हो गई उसने मुझे ढाई कट्ठा जमीन रजिस्ट्री किया था। उसके बाद भी उसी जमीन पर पिंटू तिवारी की ओर से एक साल तक सब्जी बोया गया था। इसके बाद उसके की ओर से उसी जमीन पर तिलहन दिया गया। जब मैंने इसका विरोध किया तो उससे कहासुनी हुई। जिसके बाद पिंटू तिवारी द्वारा दोनों चाचा-भतीजे लाठी-डंडे एवं दाब से मारकर जख्मी कर दिया। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

प्रार्थना-श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे राजद सुप्रीमो लालू यादव

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के सदर प्रखंड के घोड़ादेई गांव में गुरुवार को मौर्या होटल के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर बी.डी सिंह की मां सोनाझरी देवी के प्रार्थना और श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इसमें राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पहुंचे । लालू यादव के पहुंचने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। लालू यादव ने स्वर्गीय सोनाझरी देवी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर राजद के बांका पूर्व सांसद जय प्रकाश यादव, राजद के विधायक किरण देवी,राम विशुन सिंह लोहिया,पूर्व विधायक अरुण यादव,अनवर आलम, अब्बू दु जाना समेत अन्य राजद के दिग्गज नेता मौजूद थे। लालू यादव ने श्रद्धांजलि में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना को सुना। राजद सुप्रीमो ने कहा कि बी सिंह के माता के श्राद्धकर्म में हम लोग पहुंचे हैं। माता ने सबका अच्छे

से पालन पोषण किया, अच्छे से बी.डी सिंह ने अपनी माता का ख्याल रखा । हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि माता की आत्मा को शांति प्रदान करें और इस दुख की घड़ी में बी.डी सिंह और उनके परिवार को शक्ति प्रदान करें । नीतीश कुमार के प्रगति यात्रा पर लाल यादव ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया ।

अपने अंदर दुख को रखकर परिवार को चलाया: बी.डी सिंह ने अपने नम आंखों से मां को याद करते हुए कहा कि मां कुछ भी नहीं कहती थी। हमेशा अपने अंदर दुख को रखकर परिवार को चलाया है, ताकि पूरा परिवार हमेशा खुश रहे । मुझे उम्मीद नहीं थी कि मां अचानक छोड़कर चली जाएगी। मां के सपनों को हमलोग हमेशा संजोकर रखेंगे। उनका जो सपना था कि गरीब, गुरबे को हमेशा मदद करती

- पुष्पांजलि अर्पित कर परिवार को दी सांत्वना, नीतीश कुमार के प्रगति यात्रा पर कहने से किया इनकार

थी। जो हमलोग आगे भी उनके सपने को पूरा करेंगे। बी.डी सिंह ने आगे कहा कि लालू यादव आए बहुत ही अच्छा लगा । इस मौके पर पहुंचे बिहार के गोल्डन मैन प्रेम सिंह ने कहा कि बी.डी सिंह की मां को भगवान अपने चरणों में जगह दें, यही भगवान से कमाना है। अस्वस्थ्य होने के बाद भी जन–जन के नेता लालू प्रसाद यादव यहां पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। लालू यादव के आने से बहुत अच्छा लगा।

50 हजार का इनामी मोस्ट वांटेड गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर पुलिस ने तीन मामलों में वांटेड 50 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तारी करनामेपुर थाना क्षेत्र के माधोपुर -मरचईया डेरा दियारा इलाके से हो सकी। इसकी जानकारी बुधवार को एसपी राज ने दी। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया हरी सिंह उर्फ बाघा सिंह करनामेपुर थाना के ईश्वरपुरा गांव का निवासी है। पूर्व से लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। करीब आधा दर्जन आपराधिक मामले मिले हैं। आर्म्स एक्ट एवं जबरन वसूली-रंगदारी समेत करीब तीन केस में फरार चला आ रहा था। विगत चार महीने से पुलिस तलाश कर रही थी। इधर, फरारी को देखते हुए डीआइजी के स्तर से उसके खिलाफ 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। गौरतलब है कि हाल के दिनों में जिले में पांच इनामी बदमाशों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इधर, गुप्त सूचना के आधार पर एसपी के निर्देशन में गठित

टीम ने मंगलवार की रात माधोपुर-मरचईया डेरा इलाके में छापेमारी की तथा खेत के मचान पर छुपे इनामी बदमाश को धर दबोचा। जबकि, उसके साथी भाग निकले। हालांकि, तलाशी में कोई हथियार नहीं मिल सका। छापेमारी का नेतृत्व करनामेपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार कर रहे थे। साथ में सशस्त्र बल के जवान भी थे। पुलिस के अनुसार पकड़े गए बदमाश का बीते वर्ष अवैध हथियार चमकाते एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुआ था। जिसे लेकर पुलिस ने 16 अक्टूबर 2024 को आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की थी। हालांकि, वह पकड़ा नहीं जा सका था।

बक्सर में कड़ाके की ठंड का असर

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। जिला दंडाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने आदेश जारी कर 17 जनवरी तक जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्र, प्री-स्कूल और कक्षा 1 से 8 तक के सभी निजी व सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक लगा दी है। कक्षा 9 और उससे ऊपर की कक्षाओं के लिए स्कूल सुबह 9:30 बजे से दोपहर 4 बजे तक संचालित होंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 17 जनवरी के बाद मौसम की स्थिति की समीक्षा करने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। जिला प्रशासन का यह निर्णय बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सभी शिक्षण संस्थानों को कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। अभिभावकों ने भी इस

- DM ने क्लास 8 तक के सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र किए बंद, 17 जनवरी तक रहेगा क्लोज

फैसले का स्वागत किया है और कहा कि यह कदम बच्चों की सेहत की सुरक्षा के लिए आवश्यक था। जिले में ठंड के कारण आम जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है, जिसे देखते हुए प्रशासन की यह पहल सराहनीय मानी जा रही है।

दीपक की हत्या मामले में दो गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के देव गांव में दीपक नाम के युवक की हत्या के मामले में बुधवार को पुलिस ने दो नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपितों में अजय चौधरी एवं प्रेमचंद साह उर्फ नेपाली शामिल है। मृतक की पहचान देव गांव निवासी श्रीराम सिंह के बेटे 37 साल के दीपक सिंह के रूप में हुई थी। दीपक पंजाब के लुधियाना में किसी प्राइवेट कंपनी में जॉब करता था। हत्या की घटना के बाद मृतक की पत्नी सुनीता देवी ने गांव के ही वकील समेत पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी कराई थी।

जहर देकर हत्या का लगाया था आरोप: मृतक की पत्नी की ओर से जहर देखकर हत्या किए जाने का गंभीर आरोप लगाया था। इस दौरान पीरो के प्रभारी डीएसपी अब्बू सैफी मुर्तजा ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपित मृतक के पड़ोसी हैं। अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चार्जशीट होगा। इधर, मृतक के साला रामचंद्र कुमार

- लुधियाना से लौटने के बाद दोस्त ले गए थे बाहर, मारने के बाद घर के बाहर फेंक हुए थे फरार

ने बताया कि वे पंजाब के लुधियाना स्थित प्लांट में रहकर काम करते थे। सोमवार की सुबह ही वे लुधियाना से वापस गांव लौटे थे। इसके बाद सोमवार की सुबह 11 बजे उनका दोस्त वकील अपने अन्य दोस्तों के साथ घर पर आया और उन्हें अपने साथ ले गए। जिसके बाद शाम चार बजे वह वापस घर लौट आए। इसके बाद उनका दोस्त वकील अपने अन्य दोस्तों के साथ गाड़ी से शाम छह बजे दोबारा घर आया और उन्हें अपने साथ ले गया। इसके बाद सोमवार की देर रात करीब 11 बजे वह बेहोशी की हालत उन्हें घर लेकर आया और दरवाजे के बाहर छोड़कर जाने लगा। तभी उनकी मां ने देख लिया और कहा कि तुमने इसे क्या खिलाया है? मैं केस करने जा रही हूं, तो आरोपी ने कहा कि ठीक है। इसके बाद परिजन दीपक को घर में ले गए। इसी बीच सोमवार की देर रात कभी करीब 12 उनकी मौत हो गई। जिसके बाद परिजन ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। जहर देखकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस दो गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। इस दौरान पीरो के प्रभारी डीएसपी अब्बू सैफी मुर्तजा ने भी सिकरहटा पहुंच मामले की छानबीन की।

संक्षिप्त समाचार

उद्यान प्रदर्शनी का उदघाटन 30 को

भागलपुर। प्रमंडल स्तरीय उद्यान प्रदर्शनी 2024-25 का आयोजन 29 से 31 जनवरी तक कृषि भवन परिसर तिलकामांझी में होगा। 29 को 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक प्रदर्शों की प्रविष्टि होगी। जबकि शाम 4.30 बजे प्रदर्शों की मूल्यांकन कार्यक्रम होगी। 30 को मुख्य अतिथि के द्वारा प्रदर्शनी का उदघाटन होगा। 30 से 31 तक सुबह 10 से शाम पांच बजे तक प्रदर्शन होगा।

अंबे पोखर के पास धराए नशेड़ी को भेजा जेल

भागलपुर। अंबे पोखर के पास शराब के नशे में गिरफ्तार अजय मांझी उर्फ केबिन मांझी को मंगलवार को जेल भेज दिया गया। हबीबपुर थानेदार पंकज कुमार राउत ने अपने बयान पर उसके खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की। उसने अपना स्थायी पता सुल्तानगंज व वर्तमान पता इशाकचक झुग्गी-झोपड़ी बताया। सोमवार को वह अंबे पोखर के पास प्लास्टिक की बोरी में एक पशु का कटा सिर लेकर जा रहा था। नशे में रहने की वजह से उसकी बोरी से पशु का सिर नीचे गिर गया था। इसके बाद वहां हंगामा होने लगा तो मौके पर पुलिस पहुंची और लोगों को शांत कराया। साथ ही उसे गिरफ्तार कर ले गयी, उसकी जांच हुई तो 94 एमजी अल्कोहल की पुष्टि हुई। उस पर सांप्रदायिक तनाव फैलाने व नशा करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है।

अब समाजशास्त्र में नियुक्ति पर आरोप विज्ञापन बाद पीएचडी वालों का चयन

भागलपुर। बिहार राज्य विवि सेवा आयोग से असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति की प्रक्रिया पर बार-बार सवाल उठ रहे हैं। पूर्व में आरक्षण रोस्टर और बैकलॉग को लेकर उठे सवाल के बाद अब अभ्यर्थियों के लिए चयन के मानदंड, रिक्ति और अर्हता पर भी सवाल उठने लगा है। अब इस कड़ी में समाजशास्त्र में अभ्यर्थियों के चयन पर सवाल उठने लगा है। एसएम कॉलेज में समाजशास्त्र के गेस्ट फैकल्टी और विवि सेवा आयोग से इस विषय में हुई नियुक्त प्रक्रिया के अभ्यर्थी रहे अजीत कुमार सोनू ने आरोप लगाया है कि जिन्हें पीएचडी डिग्री आयोग से जारी विज्ञापन में निर्धारित तिथि के बाद मिली, उनका भी चयन कर लिया गया है। मामले को लेकर अजीत कुमार सोनू ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री, शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव और विवि सेवा आयोग के अध्यक्ष को पत्र लिखा है। इसमें मांग की गई है कि कई ऐसे अभ्यर्थियों का चयन कर लिया गया है जिन्हें विज्ञापन में निर्धारित तिथि के बाद पीएचडी की डिग्री मली है। सोनू ने इसके साक्ष्य उपलब्ध होने का भी दावा किया है। साथ ही मांग की है कि ऐसे चयनित अभ्यर्थियों के विश्वविद्यालय आवंटन पर रोक लगाते हुए अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाणपत्र, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और शोध पत्रों की जांच कराई जाए। अभ्यर्थी राजीव कुमार पोद्दार ने समाजशास्त्र के लिए चयनित विभिन्न शिक्षकों के अनुभव प्रमाणपत्र पर सवाल उठाते हुए आरटीआई से जानकारी मांगी है। कुछ अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाणपत्र पर इसे जारी करने की तिथि भी नहीं है।

बरारी व जेल पीएसएस रिंग सर्किट से जुड़ेगा 1 में खराबी पर दूसरी से होगी बिजली आपूर्ति

भागलपुर। बरारी व जेल पीएसएस को रिंग सर्किट से जोड़ा जाएगा। इससे अगर एक लाइन में खराबी आ गई तो दूसरी लाइन से बिजली की आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए नई अंडरग्राउंड 33केवी लाइन सप्ताहभर में बनकर तैयार हो जाएगी। इसके लिए बरारी रोड में काम चल रहा है। नई अंडरग्राउंड 33केवी लाइन बनने से बरारी व जेल पीएसएस के लगभग 50 हजार उपभोक्ताओं को लाभ होगा। अभी वर्तमान में बरारी व जेल पीएसएस एक 33केवी लाइन से चल रहा है। नई 33केवी लाइन तैयार होने से अगर एक लाइन में खराबी होगी तो दूसरे से बिजली आपूर्ति होगी। कंपनी के प्रोजेक्ट सहायक अभियंता प्रशांत भारती ने बताया कि अंडरग्राउंड 33केवी नई लाइन बनाने का काम शुरू है। संभावना है कि सप्ताहभर के अंदर नई लाइन 33केवीए बन कर तैयार हो जाएगी। बताया गया कि अब बरारी व जेल पीएसएस के उपभोक्ताओं को ब्रेकडाउन, फॉल्ट होने पर तुरंत दूसरी लाइन से बिजली आपूर्ति की जाएगी।

ठंड को लेकर स्कूल बंद करने का जिला प्रशासन ने जारी किया आदेश

मुंगेर। बुधवार को डीएम अवनीश कुमार सिंह ने जिले के सभी निजी व सरकारी विद्यालयों (प्री-स्कूल एंव आंगनबाड़ी केंद्रों सहित) एवं सभी शैक्षणिक संस्थानों में 16 जनवरी से 18 जनवरी तक शैक्षणिक संचालन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया है। प्री-बोर्ड और बोर्ड की परीक्षा संचालित किए जाने वाली विशेष कक्षाओं एवं परीक्षाओं का संचालन इससे मुक्त रहेगा।

पुरबा और शक्तिशाली पछुआ हवा के मिलने से कोहरा बादल में बदला

मुंगेर। पिछले 24 घंटे के दौरान जिले में मौसम ने एक बार फिर मंगलवार से ही यू-टर्न लिया है। बीते 4-5 दिनों से निकली खिली धूप ने लोगों को काफी राहत दी थी और इस दौरान न्यूनतम तापमान 10-11 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। बुधवार को भी तापमान में गिरावट आयी। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और शीतलहर चलती रही। पूरे दिन सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। अधिकतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 22 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 3 डिग्री गिरावट के साथ 8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। पछुआ हवा की गति भी मंगलवार की अपेक्षा दोगुने रफ्तार के साथ 8 किमी प्रति घंटा से चली। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवा ने ठंड बढ़ा दी है। 18 जनवरी से एक बार फिर कनकनी बढ़ सकती है। दिन अधि न्यून हवा गुरुवार 21 09 07 शुक्रवार 23 10 12 शनिवार 24 08 15 रविवार 23 07 15 सोमवार 23 06 17 मंगलवार 25 08 15 हवा की गति किमी प्रति घंटे में कृषि विज्ञान केंद्र मुंगेर के प्रधान मुकेश कुमार ने बताया कि हवा की दशा और दिशा में बदलाव की वजह से ऐसा जिले में कनकनी और कोहरे का प्रभाव बढ़ा है। सतह पर पुरवैया और ऊपरी स्तर पर शक्तिशाली पछुआ की मिलने से कोहरा बादल में बदल गया। यह लेयर सतह से तीन किलोमीटर ऊपर तक है। जब तक हवा का यह पैटर्न नहीं बदलेगा, तब तक संबंधित इलाकों में यही मौसमी दशा बनी रहेगी। हालांकि सर्दियों में ऐसी स्थिति कभी-कभार ही देखने को मिलती है। विभाग के मुताबिक अगले तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। आने वाले 3 दिनों के बाद पश्चिमी विक्षोभ के कारण न्यूनतम तापमान में फिर से एक बार गिरावट की संभावना है। इससे ठंड और अधिक बढ़गी।

शहरी क्षेत्र के इलाके में कटेगी बिजली, मेंटेनेंस को लेकर कई क्षेत्रों की कटेगी बिजली

भागलपुर। बिजली मेंटनेंस को लेकर मुख्य बाजार क्षेत्र में सुबह आठ से संध्या चार बजे तक बिजली कटौती की जायेगी। बिजली विभाग की ओर से वेराइटी चौक फीडर को बंद रखने की घोषणा की गयी है। सहायक अभियंता जितेंद्र कुमार का कहना है कि पटल बाबू रोड में बिजली मेंटनेंस का काम होगा। जिससे बाजार में बिजली संकट से 30 से 40 फीसदी कारोबार प्रभावित होगा या नहीं तो अतिरिक्त जेनरेटर खर्च बढ़ जायेगा। स्वर्णकार राजीव शाह ने बताया कि बिजली संकट के कारण ग्राहकी काफी प्रभावित होती है। दूसरे कपड़ा कारोबारी राजीव झा बताते हैं कि लगन का मौसम आ गया है। यही स्थिति रही तो होली- ईद का कारोबार भी 30 से 40 फीसदी तक प्रभावित होगा। एक टेलर मास्टर बताया कि मात्र पांच घंटे ही बिजली आपूर्ति की जा रही है। यदि निरंतर बिजली रहती है तो दिन भर में 30 पीस कपड़ा सिलता है। जबकि बिजली नहीं होने पर 10 से 12 कपड़े ही सिल पाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स व्यवसायी नवनीत ढांढनिया ने बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति होने से इलेक्ट्रॉनिक सामान की जांच करने एवं रोशनी के लिए जेनरेटर का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है।

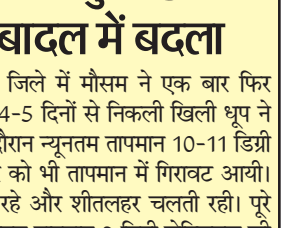

10 साल के बच्चे की आंख में लगी गोली इलाज के लिए 3 लाख में घर गिरवी रखा

निज संवाददाता। मुंगेर

♦ पैसे खत्म, आंख का ऑपरेशन बाकी

मुंगेर में एक दर्दनाक घटना ने एक परिवार को आर्थिक और भावनात्मक रूप से तोड़कर रख दिया है। 7 जनवरी को 10 वर्षीय अंशु को गोली लग गई, जिससे उसकी दाईं आंख बुरी तरह प्रभावित हुई। वर्तमान में भागलपुर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। बच्चे के पिता रोशन बसखोर ने अपने परिवार का एकमात्र घर 3 लाख रुपए में गिरवी रखकर बेटे के इलाज की व्यवस्था की। प्रारंभिक ऑपरेशन के बाद भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। गोली आंखों के बीच लगने से दाईं आंख बाहर निकल गई है, जिससे अंशु को दिखाई देना बंद हो गया है। चिकित्सकों के अनुसार, आंख की सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए एक और ऑपरेशन की आवश्यकता है। स्थिति की गंभीरता यह है कि अंशु की आंख सोते समय भी नहीं बंद होती। अब तक इलाज में तीन लाख रुपए से अधिक खर्च हो चुके हैं और गिरवी से मिला पैसा भी समाप्त हो गया है। परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और आगे के इलाज के लिए धन की व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बन गई है।

माता-पिता की मानसिक स्थिति बेहद खराब है। पहले घर में चहल-पहल मचाने वाले अंशु की यह स्थिति देखकर मां बेहद बेचैन हैं, और पिता को रात में नींद नहीं आती। इस बीच, घटना के आरोपी की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हो पाई है, जो परिवार की पीड़ा को और बढ़ा रहा है।

आयुष्मान कार्ड भी नहीं आया कामः रोशन बसखोर ने बताया कि बच्चे का पारिवारिक राशन कार्ड में नाम नहीं है। जिसके कारण से आयुष्मान कार्ड का भी लाभ मिलना मुश्किल है। पीड़ित पिता ने बताया कि उन्होंने कई बार राशनकार्ड में नाम जोड़ने के लिए आवेदन प्रखंड कार्यालय में आवेदन दिया। लेकिन 10 वर्ष की आयु होने के बाद भी अंशु का नाम आज तक राशनकार्ड में नहीं जुड़ पाया है। इसके कारण अंशु का आयुष्मान कार्ड अब तक नहीं बन पाया है। आज यदि अंशु का आयुष्मान कार्ड बना हुआ रहता तो उसके इलाज की न तो कोई चिंता होती और न ही अपने घर को गिरवी ही रखना पड़ता। अब तो उन्हें यह भी चिंता सताने लगा है कि जिसके पास घर गिरवी रखा है, कहीं वह उसे घर बाहर न निकाल दे।

बीते 7 जनवरी को अपराधी ने अंशु को मारी थी गोलीः बताते चलें कि बीते 7 जनवरी को अंशु अपने घर के आगे अलाव सेक रहा था। तभी गांव का ही युवक नीतीश कुमार वहां पहुंचा और अंशु को दुकान से सिगरेट लाने को कहा। जिस पर अंशु ने सिगरेट लाने से मना कर दिया। बस इतनी सी बात पर नीतीश ने अपने कमर से पिस्तौल निकाल कर अंशु को गोली मार दी।

जिसके बाद से अब तक अंशु अस्पताल में ही भर्ती है। लेकिन अब तक पुलिस अपराधी को गिरफ्तार नही कर पायी है। धरहरा थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार पाठक ने बताया कि नीतीश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। फिलहाल वह पुलिस की पकड़ से बाहर है।

कटिहार के राजन और नवगछिया के रंजीत दंगल के संयुक्त विजेता बने

नवगछिया। मकर संक्रांति के अवसर पर रंगरा प्रखंड के सहौरा में कोशिका नाट्य कला परिषद की ओर से आयोजित दो दिवसीय दंगल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बुधवार को हुआ। इसमें दर्जनों पहलवानों ने दांव आजमाए। फाइनल मुकाबले में कटिहार के राजन और नवगछिया के रंजीत पहलवानों के बीच बाजी ड्रा रही। इसके बाद आयोजकों ने दोनों को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया। वहीं दूसरे स्थान पर छोटू पहलवान रहे। विजेता पहलवानों को आयोजन कमेटी की ओर से पुरस्कार दिया गया। मौके पर काफी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

इधर, कौशल्या मेला का समापन भी हवन पूजन किया गया। शाम में महाआरती के बाद भंडारा हुआ जिसमें श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद मेला में स्थापित मां कौशल्या की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान मेला के संरक्षक अशोक यादव, सदुरू साईंनाथ सेवा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शुभभ यादव, शिव कुमार, भूदेव यादव, दिवाकर सिंह, विनोद सिंह, प्रवीण यादव, विकास यादव, प्रमोद यादव, छेदी यादव, वीरेंद्र गुरुभाई सहित श्रद्धालु मौजूद थे।

गोली लगने से घायल की इलाज के दौरान मौत

निज संवाददाता। भागलपुर

जमीन विवाद में हुई मारपीट के दौरान गोली लगने से घायल शख्स की इलाज के दौरान मायागंज अस्पताल में बुधवार को मौत हो गई। घटना मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के महादेवपुर गांव का है। जहां जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस घटना में एक पक्ष ने गोली चलाई थी। मृतक की पहचान ग्राम प्रधान सुरेश सिंह (28) के रूप में हुई है। मामले को लेकर सुरेश के भाभी गौरी देवी ने बताया कि मंगलवार की सुबह 6 बजे सुनील सिंह (मुखिया जो प्रतिनिधि है) अपने कुछ सहयोगियों के साथ आया और ताबड़तोड़ फायरिंग करनी शुरू कर दी, जिससे मेरे देवर के पेट में गोली लग गई।

साहिबगंज से मायागंज अस्पताल किया गया था रेफरः घटना की जानकारी के बाद हम लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए स्थानीय रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें साहिबगंज रेफर कर दिया गया। साहिबगंज में घायल की स्थिति को देखते हुए उन्हें मायागंज अस्पताल रेफर किया गया था। यहां पर इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने आगे बताया कि एक पक्ष से जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था, जिसमें लगातार सुनील सिंह जान मारने की धमकी दे रहे थे। इसके बाद मंगलवार को घटना को अपने सहयोगियों के साथ अंजाम दे दिया।

शराब के लिए पैसे दो, नहीं तो जेल भेजेंगे

भागलपुर। भागलपुर में मामूली विवाद को लेकर लॉज के युवकों ने बेगूसराय में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर चंदन कुमार चौधरी की जमकर पिटाई कर दी। मामला बरारी थाना क्षेत्र के बड़ी खंजरपुर के पास की है। जानकारी के अनुसार, बेगूसराय में पोस्टेड सब इंस्पेक्टर जा रहे थे। इसी क्रम में मोहल्ले के कुछ युवक और लॉज में रहने वाले विद्यार्थियों की ओर से इंस्पेक्टर की जमकर पिटाई कर दी गई।

राज्य के 90 % प्रोफेसर वीसी बनने की दौड़ से बाहर

भागलपुर । राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को अगर समय पर प्रमोशन मिल जाता तो वह वीसी की दौड़ में रहते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। प्रमोशन का इंतजार करते-करते ज्यादातर शिक्षक रिटायर हो गए। जो बचे हैं, वह भी जल्द ही रिटायर हो जाएंगे। कुलपति बनने के लिए 10 साल प्रोफेसर का अनुभव होना अनिवार्य है। जो शिक्षक 2016 में प्रोफेसर बने, वह 2026 में कुलपति के लिए आवेदन करने के योग्य होंगे। लेकिन इनकी संख्या काफी कम है। इस कारण 90 फीसदी प्रोफेसर वीसी बनने की दौड़ से बाहर हो गए। प्रोफेसर के पद पर प्रमोशन से वंचित 1996 बैच के कुछ शिक्षकों और इसके बाद के बैच के शिक्षकों को अब प्रोफेसर के पद पर प्रमोशन मिल भी जाए तो ये कुलपति बनने के लिए प्रोफेसर के 10 साल का अनुभव 2035 में पूरा करेंगे। टीएमबीयू में हालत यह है कि 2021 से प्रमोशन के लिए आवेदन लिए जाते रहे, लेकिन अब तक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। जानकारों ने बताया कि राज्य के ज्यादातर विवि में 1980 के दशक में जो शिक्षक बहाल हुए थे।

मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस एवं आजिमगंज-हावड़ा पैसेंजर ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

हावड़ा मंडल के हावड़ा स्टेशन क्षेत्र में चांदमारी रोड ओवर ब्रिज (खण्ड-7) के मुख्य स्पन गर्डर की स्थापना के लिए **दिनांक 18.01.2025 (शनिवार) से 22.02.2025 (शनिवार) तक ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉकों** की आवश्यकता होगी। फलस्वरूप, दिनांक 18.01.2025 (शनिवार) से 22.02.2025 (शनिवार) तक नीचे उल्लेखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी: **(1) 13030 मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस** मार्ग में 40 मिनट के लिए नियंत्रित की जाएगी। **(2) 53002 आजिमगंज-हावड़ा पैसेंजर** मार्ग में 01 घंटा 10 मिनट के लिए नियंत्रित की जाएगी। **विशेष टिप्पणी:** ब्लॉक की अवधि के दौरान स्पेशल अथवा विलम्ब से चलने वाली ट्रेनें एवं बाद में चलाई जाने वाली नई ट्रेन/पार्सल ट्रेन/टीओडी, यदि कोई हो, मार्ग में आवश्यकतानुसार परिवर्तित मार्ग पर चलाई जाएंगी/नियंत्रित की जाएंगी। यात्रियों से स्टेशनों की सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली का अनुसरण करने का अनुरोध किया जाता है। असुविधा के लिए खेद है। **मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा**

पूर्व रेलवे

मालदा मंडल के तहत ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

लेवल क्रॉसिंग गेटों को हटाने के लिए, सीमित ऊँचाई के सबवे के प्रावधान हेतु आरसीसी बॉक्सों और स्लैब को स्थापित करने के लिए, 06 घंटे के ट्रैफिक और पावर ब्लॉक की निम्नानुसार आवश्यकता होगी: **(i)** एलसी नं. 20 स्पेशल (किमी. 206/6-7) - दिनांक 18.01.2025 (शनिवार) को 10.15 बजे से 16.15 बजे तक गनकर-जंगीपुर रोड शाखा में ब्लॉक। **(ii)** एलसी नं. 58 (किमी. 251/5-6) - दिनांक 18.01.2025 (शनिवार) को 10.15 बजे से 16.15 बजे तक बल्लालपुर-धुलियान गंगा शाखा में ब्लॉक। **(iii)** एलसी नं. 1 (किमी. 237/1-2) - दिनांक 19.01.2025 (रविवार) को 10.00 बजे से 16.00 बजे तक साहिबगंज-करमटोला शाखा में ब्लॉक। **(iv)** एलसी नं. 5 स्पेशल (किमी. 263/6-7) - दिनांक 19.01.2025 (रविवार) को 10.00 बजे से 16.00 बजे तक पीरपैंती और शिवनारायणपुर शाखा में ब्लॉक। इसके फलस्वरूप, निम्नलिखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी: ● **रद्द : 73420 भागलपुर-साहिबगंज डीएमयू पैसेंजर दिनांक 19.01.2025 (रविवार)** को ● **पुनर्निर्धारण : 53434 बड़हरवा-आजिमगंज पैसेंजर** दिनांक **18.01.2025 (शनिवार)** को बड़हरवा से 01 घंटे के लिए पुनर्निर्धारित होगी, **53403 रामपुरहाट-गया पैसेंजर** दिनांक **19.01.2025 (रविवार)** को रामपुरहाट से 03 घंटे के लिए पुनर्निर्धारित होगी, **53412 साहिबगंज-बड़हरवा पैसेंजर** दिनांक **19.01.2025 (रविवार)** को साहिबगंज से 15.30 बजे पुनर्निर्धारित होगी और **53434 बड़हरवा-आजिमगंज पैसेंजर** दिनांक **19.01.2025 (रविवार)** को बड़हरवा से 17.00 बजे पुनर्निर्धारित होगी। ● **संक्षिप्त यात्रा समाप्त/संक्षिप्त यात्रा शुरू: 13177/13178 सियालदह-जंगीपुर रोड-सियालदह एक्सप्रेस** दिनांक **18.01.2025 (शनिवार)** को आजिमगंज पर/से संक्षिप्त यात्रा समाप्त/शुरू करेगी। ● **53416/53415 जमालपुर-साहिबगंज-जमालपुर पैसेंजर** दिनांक **19.01.2025 (रविवार)** को कहलगांव पर/से संक्षिप्त यात्रा समाप्त/शुरू करेगी। **मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक**

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा संख्या: एलआरसी-3-सीटी_एसएस-मेटल-आरएसपी, दिनांक:10.1.2025। उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (एलएचबी), पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा, पिन-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए वित्तीय तथा तकनीकी क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिये ई-निविदा (खुली निविदा) आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** 500 कोचों में एफआरपी ट्रॉफ के स्थान पर आरएमपीयू के नीचे एस एस मेटल ट्रॉफ का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 6,98,22,660। **बयाना राशि:** ₹ 4,99,100। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 01.02.2025 को दोपहर 2.00 बजे। वेबसाइट का विवरण जहाँ निविदा का सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध है: **www.ireps.gov.in**। (MISC-308/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ओ/एसी/टी/201/24-25 (ओपन), दिनांक: 16.01.2025। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा (खुली) आमंत्रित की जाती है: **केस संख्या: ओ-एसी-टी-201-24-25। कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के लिए खुली निविदा- आसनसोल मंडल में वरिष्ठ मंडल अभियंता/2/आसनसोल के खंड के अधीन मधुपुर स्टेशन सीमा के पुराने एफओबी की डिस्मैंटलिंग तथा वरिष्ठ मंडल अभियंता/1/आसनसोल के अधीन जीसी खंड में कुलटी-बराकर स्टेशनों के बीच किमी. 227/3-5 पर पुराने परित्यक्त आरओबी संख्या: 9ए की डिस्मैंटलिंग। **निविदा मूल्य:** ₹ 49,90,506.54। **बयाना राशि:** ₹ 99,800। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 03 महीना। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 31.01.2025 को दोपहर 12.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। (ASN-302/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

बोली संख्या: जीईएम/2025/बी/5822205, दिनांक 15.01.2025। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, पूर्व रेलवे, कांचरापाड़ा, उत्तर 24 परगना, पिन-743145, पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली जीईएम सेवा निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** वर्कशॉप रेलवे हॉस्पिटल/ कांचरापाड़ा में यांत्रिक सफाई। **बयाना राशि:** ₹ 1,10,744। **ईपीबीजी:** पी.ओ. मूल्य का 2%। **निविदा का अनुमानित मूल्य:** ₹ 55,37,235.65। **खुलने की तारीख एवं समय:** 25.01.2025 (शनिवार) को शाम 6.30 बजे। **पूरा करने की अवधि:** 01 (एक) वर्ष। जीईएम सेवा बोली दस्तावेज जीईएम साइट (सरकारी ई-मार्केटप्लेस) अर्थात जीईएम पोर्टल **https://gem.gov.in** पर उपलब्ध होगा तथा जीईएम पोर्टल अर्थात **https://gem.gov.in** के जरिये दरें ऑनलाइन कोट करनी होंगी तथा ऑनलाइन जमा करनी होंगी। (MED-13/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा संख्या: एसडीएसटीई-ईआई-एसएचई-24-25, दिनांक: 15.01.2025। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए दो लिफाफा प्रणाली में खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** सेवड़ाफुली स्टेशन पर पुराने एवं अधिक आयु वाले पैनल इंटरलॉकिंग स्टेशनों की ईआई में बदली। **विज्ञापित मूल्य:** ₹ 22,53,55,946.95। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** ₹12,76,800। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** ₹ 0। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 06.02.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **बोली शुरू होने की तारीख:** 23.01.2025। **निविदा अपलोड करने की तारीख एवं समय:** 15.01.2025 को अपराह्न 6.53 बजे। **प्रस्ताव की वैधता:** 90 दिन। **पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। वेबसाइट का विवरण जहाँ से निविदा प्रपत्र डाउनलोड किये जा सकते हैं: **www.ireps.gov.in**। बोलीदाता सिर्फ निविदा बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर सकते हैं। इस निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा इस तरह का मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसे नज़रअंदाज़ कर दिया जायेगा। (HWH-547/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा संख्या: डब्ल्यू7_बैलास्ट_पीकेआर_2025, दिनांक: 14.01.2025। महाप्रबंधक/अभियांत्रिकी, पूर्व रेलवे, 17, नेताजी सुभाष रोड, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए दो लिफाफा प्रणाली में खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे के हावड़ा, सियालदह, मालदा एवं आसनसोल मंडलों के लिए 3,86,750 घन मीटर मशीन चूर्ण कड़े स्टोन ट्रैक बैलास्ट की पाकुड़ क्वैरी से आपूर्ति, लीडिंग तथा सड़क पर माल ढुलाई के लिए उसकी बीओबीवाईएन टाइप वैगनों में लदायी। **विज्ञापित मूल्य:** ₹ 73,23,22,727.50। **बयाना राशि:** ₹ 38,11,600। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** ₹ 0। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 12.02.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। **बोली शुरू होने की तारीख:** 29.01.2025। **निविदा अपलोड करने की तारीख एवं समय:** 14.01.2025 को सुबह 10.48 बजे। **पूर्व बोली सम्मेलन की तारीख एवं समय:** 22.01.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। **प्रस्ताव की वैधता :** 90 दिन। **पूरा करने की अवधि :** 24 महीना। वेबसाइट का विवरण जहाँ से निविदा प्रपत्र डाउनलोड किये जा सकते हैं: **www.ireps.gov.in**। बोलीदाता सिर्फ निविदा बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर सकते हैं। इस निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा इस तरह का मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसे नज़रअंदाज़ कर दिया जायेगा। (MISC-310/2024-25)
निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited
CIN:U40108JH2013SGC001702)
Office of the General Manager-Cum-Chief Engineer, Electric Supply Area, Medininagar

Very short e-TENDER NOTICE

e-Tender in two parts (Part-I Technical and Commercial and Part-II Price Part) is invited from the reputed tenderers having good experience of following same type of Civil Works and having sound financial status.

Sl. No.	NIT No.	Name of work	Estimated cost (In Rs.)	Earnest money to be deposited (In Rs.)	Cost of BOQ (non refundable) (In Rs.)	Time for completion
1	279/PR/JBVNL/2024-25	Construction of Ladies Toilet in the premises of Electric Supply Area, Medininagar.	Rs5,53,100.00	Rs 11,100.00	1250.00+225.00 (GST 18%) = 1475 .00	03 Month
Availability of tender document on website				16.01.2025 2:00 PM to 25.01.2025 at 5:00 PM		
Last date and time for bid submission/uploading				25.01.2025 at 5:00 PM		
Date and time for opening of Tender Part-I (Technical and Commercial)				27.01.2025 at 05:30 PM		
Date and time for opening of Tender Part-II (Price Part)				Will be communicated later on		
Tendering Officer and address for communication				GM(T) , Electric Supply Area ,Medininagar		

Any query towards this tender can also be had from the office of the undersigned during office hours or may contact on Mob No. 8809507127
1. e-Tender documents and BOQ including terms & conditions, specification etc. can be downloaded and submitted online on website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours. NIC helpline no. 0651-2400178.
2. Bidder shall deposit online tender fee as mentioned above for Cost of BOQ and EMD as per rules ofe-tendering portal **(jharkhandtenders.gov.in).**
3. The tenders will be received through electronic tendering mode only.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager Cum Chief Engineer
Electric Supply Area, Medininagar

PR 344381 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(24-25).D

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

गणतंत्र दिवस को लेकर डीसी ने की बैठक, सीएम हेमंत सोरेन राजकीय समारोह में होंगे मुख्य अतिथि

24 जनवरी को ड्रेस के साथ होगा फाइनल रिहर्सल, डीसी और एसपी करेंगे निरीक्षण

- साफ-सफाई और पार्किंग व्यवस्था पर विशेष ध्यान
- परेड का पूर्वाभ्यास और झांकियों का आयोजन
- चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी

निज संवाददाता | दुमका

गणतंत्र दिवस 2025 के आयोजन को लेकर जिले में हो रहे राजकीय समारोह की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए गुरुवार को पुलिस लाइन दुमका में जिला उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने समारोह के सफल आयोजन के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की और समारोह को गरिमामय, भव्य और आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर विचार विमर्श किया। उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने बताया कि इस वर्ष के गणतंत्र दिवस के समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर यह समारोह विशेष रूप से गरिमामय और आकर्षक तरीके से आयोजित किया जाएगा ताकि यह दिन जिले के लिए यादगार बन सके। उपायुक्त ने अधिकारियों से अपेक्षाएँ जताते हुए कहा कि सभी कार्यों को समय पर और उच्चतम मानकों के अनुसार किया जाए, ताकि इस आयोजन का प्रभाव दूर-दूर तक महसूस हो। उपायुक्त ने नगर की सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए कहा कि समारोह स्थल और शहर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर स्थित महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई और रंग-रोगन किया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि समारोह स्थल पर प्रवेश और निकासी के लिए अच्छी पार्किंग व्यवस्था हो, ताकि मुख्य अतिथि के समारोह स्थल से प्रस्थान के बाद कोई भीड़-भाड़ या ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

इस दौरान उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे गणतंत्र दिवस के उल्लास को अपने घरों के रंग-रोगन और प्रकाशोत्सव के रूप में मनाएं। यह राष्ट्रीय पर्व है, और हम सभी को इसे उत्साह और उल्लास के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिन पूरे जिले में उत्सव का माहौल बनाना चाहिए ताकि यह दिन सभी के लिए प्रेरणादायक और उल्लासपूर्ण हो। बैठक में चर्चा की गई कि पुलिस लाइन में संस्कृति और विकास से जुड़ी भव्य झांकियां निकाली जाएंगी। इन झांकियों का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं का संदेश जनता तक पहुंचाना है। झांकियां, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, कृषि और ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा, लोगों को जागरूक करने का कार्य करेंगी। इसके अलावा, उपायुक्त ने बताया कि परेड और राष्ट्रगान के पूर्वाभ्यास की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 24 जनवरी को ड्रेस के साथ फाइनल रिहर्सल का आयोजन किया जाएगा, जिसका निरीक्षण उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक द्वारा किया जाएगा। इस रिहर्सल में शामिल सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी तैयारी के साथ भाग लेने के लिए कहा गया है। सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से उपायुक्त ने सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर एंबुलेंस और पूरी चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यह कदम खासकर किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित और उचित कार्रवाई के लिए जरूरी है। बैठक में पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी, आईटीडीए निदेशक, सहायक समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य वरीय अधिकारी भी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने मिलकर गणतंत्र दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और कार्यों को सुचारु रूप से संपन्न करने के लिए जिम्मेदारियों का बंटवारा किया। उपायुक्त ने यह सुनिश्चित किया कि सभी विभागों के अधिकारी अपने-अपने दायित्वों को समय पर और पूरी तत्परता के साथ निभाएं, ताकि दुमका में आयोजित होने वाला गणतंत्र दिवस समारोह न केवल जिले के लिए एक भव्य और प्रेरणादायक आयोजन बने, बल्कि यह समारोह दुमका जिले की सांस्कृतिक समृद्धि, एकता और विकास का प्रतीक भी बन सके। इस मौके पर आयोजित समारोह को लेकर उपायुक्त ने यह भी कहा कि यह आयोजन जिले के लिए एक ऐतिहासिक अवसर होगा और इसका उद्देश्य नागरिकों को राष्ट्र के प्रति समर्पण और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है।

शराब दुकान लूटकांड का हुआ खुलासा, चार अभियुक्त गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

निज संवाददाता | पथरगामा

पथरगामा थाना क्षेत्र में 5 जनवरी को हुई शराब दुकान लूटकांड का पुलिस ने सफलतापूर्वक पर्दाफाश कर लिया है। इस मामले में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से दो के पास एक देसी कट्टा और सात कारतूस भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने लूट की बाइक और अन्य समान भी जब्त कर लिया है। इस लूटकांड में एक नाइट गार्ड को चाकू और लाठी से धमकाकर शराब दुकान का ताला तोड़कर भारी मात्रा में शराब और नगद राशि लूट ली गई थी। गौरतलब है कि 5 जनवरी को रात करीब 12 से 1 बजे के बीच पथरगामा थाना क्षेत्र के विशाखा स्थित कंपोजिट शराब दुकान में अपराधियों ने ताला तोड़कर शराब और पैसे लूटे थे। इस घटना में 82,330 रुपए की शराब और 72,010 रुपए नगद लूटे गए थे। इस घटना को लेकर पथरगामा थाना में अज्ञात के खिलाफ कांड संख्या 4/25 धारा 329 (8) बीएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक रविदास के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। इस दल ने बाराहाट, बिहार के पुलिस के साथ मिलकर कई स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में से दो के पास एक देसी कट्टा और छह जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। दोनों अभियुक्तों को बाराहाट थाना में शस्त्र अधिनियम के तहत कांड अंकित कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। इन दोनों अभियुक्तों का बाराहाट थाना में पूर्व से ही आपराधिक इतिहास भी दर्ज था। वहीं, दो अन्य अभियुक्तों का धोरैया थाना में भी आपराधिक रिकॉर्ड मौजूद है। गिरफ्तार अभियुक्तों में 19 वर्षीय सत्यम कुमार और 53 वर्षीय अवधेश चौहान शामिल हैं। सत्यम कुमार चपरा बाराहाट का रहने वाला है, जबकि अवधेश चौहान तेहहांडा बाराहाट के निवासी हैं। दोनों ने लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इसके बाद उन्हें पथरगामा थाना लाया गया और न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। लूटकांड में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल, जिसका नंबर जेएच 17एडी 9241 है, और मोबाइल फोन को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। यह दोनों चीजें लूट के दौरान अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की गई थीं। इस छापेमारी में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक रविदास के अलावा पथरगामा थाना प्रभारी रामसूरत यादव, अवर निरीक्षक मनीष कुमार यादव, अवर निरीक्षक अनिल सिंह, बसंत राय थाना प्रभारी सत्यदीप, अवर निरीक्षक विपिन कुमार यादव नगर थाना गोड्डा, सहायक अवर निरीक्षक रंजन कुमार यादव मुफस्सिल थाना गोड्डा, सहायक अवर निरीक्षक गौरव कुमार यादव नगर थाना, सशस्त्र बल और तकनीकी शाखा के कर्मी भी शामिल थे। हालांकि, पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन अन्य अपराधियों की तलाश जारी है। पुलिस ने इस संबंध में अपील की है कि अगर किसी को इस घटना से संबंधित कोई जानकारी हो, तो वे पुलिस से संपर्क कर सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस अपराध को लेकर शीघ्र ही बाकी अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जिला स्तरीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी का डीसी ने किया उद्घाटन

निज संवाददाता | दुमका

जिला संयुक्त कृषि भवन परिसर में जिला स्तरीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन गुरुवार को उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। स्वागत संबोधन में जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा कृषि, आत्मा, उद्यान, भूमि संरक्षण, मत्स्य, एवं संबंधित विभाग के योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। उपायुक्त द्वारा विभागीय योजनाओं के कार्यान्यवन में तेजी लाते हुए किसानो के हित में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही उपस्थित किसानों को योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया गया। क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, दुमका के वैज्ञानिक के द्वारा फसल में देने के लिए उर्वरक, खाद्य, कीटनाशी दवा, पौधो में लगने वाले बीमारी एवं उपचार के बारे में विस्तार से बताया गया। इस जिला स्तरीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी में किसानों द्वारा फसल उत्पाद में गेहूं, मक्का, चना, मसूर, मटर, फल, फूल एवं महिलाओं द्वारा निर्मित अचार आदि का प्रदर्शनी लगाया गया। इसके अतिरिक्त ब्रौकली, फुलगोभी, बंधागोभी, गांठगोभी, राजमा, फेंचबीन, सब्जी इत्यादी का प्रदर्शनी लगाया गया। इस जिला स्तरीय किसान मेले में कृषि, आत्मा, बीज परीक्षण, मिट्टी सायनज्ञ, उद्यान, भूमि संरक्षण, मत्स्य, गव्य, जेएसएलपीएस, इफ्को एवं संबंधित विभाग द्वारा स्टॉल लगाया गया जिसमें विभाग द्वारा संचालित योजना को प्रदर्शन किया गया।

कार से बाइक टकराई दो लोग घायल, रेफर

हरिहरगंज (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के तेंदूआ गेट के समीप मेदिनीनगर-औरंगाबाद एनएच 139 पर गुरुवार की शाम एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना घटी। इस दुर्घटना में बाइक और कार के बीच टक्कर हो गई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब बाइक पर सवार राजू कुमार यादव (34) और अजय कुमार यादव (40), जो दोनों छतरपुर थाना क्षेत्र के खाटीन गांव के निवासी हैं, तेज गति से छतरपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक कार, जिसका नंबर जेएच 01एएन 0501 था, से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद दोनों घायलों को तत्काल सीएचसी लाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। चिकित्सकों ने उनकी हालत को गंभीर देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया है। दोनों को बेहतर इलाज के लिए अन्य अस्पताल भेजा गया है।

21 जनवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगेगा शिविर

बीडीओ की अध्यक्षता में स्वास्थ्य मेले को लेकर प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

- स्वास्थ्य मेले में विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का मिलेगा लाभ
- टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच पर विशेष जोर

निज संवाददाता | सरैयाहाट

प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला आयोजन को लेकर गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय में बीडीओ महेश्वरी प्रसाद यादव की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 21 जनवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट में लगने वाले स्वास्थ्य मेला को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और मेला के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस बैठक में स्वास्थ्य मेला के उद्देश्य, गतिविधियों और मेला के आयोजन के लिए जिम्मेदार विभागों की जिम्मेदारी तय की गई। स्वास्थ्य मेला में उपस्थित होने वाले नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसमें सामान्य चिकित्सा, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, आईईसी परिवार कल्याण, मोतियाबिंद जांच, आंख, कान, गला जांच, दंत चिकित्सा, त्वचा जांच, पोषण परामर्श, कुष्ठ नियंत्रण, पोलियो नियंत्रण, मलेरिया नियंत्रण, धूम्रपान और तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता, साथ ही केंसर नियंत्रण के लिए भी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मेला में कुल 10 से 12 विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श दिया जाएगा और दवाइयों एवं यंत्रों का वितरण भी किया जाएगा। इसके अलावा आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी चिकित्सक भी अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। इस मेला का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य मेला में टीकाकरण, परिवार नियोजन, मलेरिया और पोलियो के नियंत्रण के लिए भी विशेष प्रबंध किए जाएंगे। यहां पर नागरिकों को इन गंभीर बीमारियों से बचने के लिए जानकारी दी जाएगी और संबंधित टीकों का निःशुल्क वितरण भी किया जाएगा। साथ ही, डॉक्टरों और विशेषज्ञों द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के टिप्स भी दिए जाएंगे। बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रभा रानी प्रसाद, स्वास्थ्य प्रशिक्षक सुशील दास, लेखा प्रबंधक सूरज जायसवाल, प्रधान लिपिक अभय सिंह, डब्ल्यूएचओ मॉनिटर रंजीत कुमार समेत अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। सभी ने अपनी-अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों पर चर्चा की और इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मेला के आयोजन को सफल बनाने के लिए आवश्यक उपायों पर विचार किया।

आदर्श ग्राम योजना के तहत 130 ग्रामों का तैयार किया गया वीडीपी, जिला स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत

निज संवाददाता | दुमका

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत दुमका जिले के 130 ग्रामों का तैयार किया गया ग्राम विकास योजना (वीडीपी) जिला स्तरीय समिति के समक्ष रखा गया। यह बैठक जिला उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं पर चर्चा की गई और ग्राम विकास योजना के क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए रवि जैन ने विस्तृत रूप से इस योजना की प्रस्तुति की और बताया कि किस प्रकार से भारत सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के तहत ग्रामों का समग्र विकास किया जाएगा। परियोजना निदेशक ने ग्रामों की स्थिति का विश्लेषण करते हुए कहा कि आदर्श ग्राम योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर निवास कर रहे लोगों को उनके बुनियादी अधिकारों और सुविधाओं से लाभान्वित करना है। इसमें जल आपूर्ति, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कें, बिजली जैसी आधारभूत सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की योजना बनाई गई है। प्रत्येक ग्राम का विकास समग्र तरीके से होगा, जिससे स्थानीय निवासियों की जीवन स्तर में सुधार हो सके। इस बैठक में दो प्रमुख विधायक भी मौजूद थे – जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र के विधायक देवेन्द्र कुँवर और शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक आलोक कुमार सोरेन। दोनों ने आदर्श ग्राम योजना के तहत किए जा रहे कार्यों को सराहा और इसे जनहित में कार्यान्वित करने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। विधायक देवेन्द्र कुँवर ने ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार के लिए प्राथमिकताओं के आधार पर योजना की कार्ययोजना तैयार करने का सुझाव दिया। वहीं विधायक आलोक कुमार सोरेन ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक स्तर पर निगरानी और समीक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों में जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी सहित अन्य वरीय अधिकारी भी शामिल थे। इन अधिकारियों ने योजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और तय किया कि ग्राम विकास योजनाओं के लागू होने के बाद इन्हें समय-समय पर समीक्षा किया जाएगा। आदर्श ग्राम योजना के तहत सभी 130 ग्रामों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां पर विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जाएगा। इन ग्रामों में ग्रामीणों की बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, और बुनियादी ढांचे की सुधार की योजनाओं पर कार्य किया जाएगा। डीसी आंजनेयुलु दोड्डे ने बैठक के अंत में यह सुनिश्चित किया कि इस योजना का क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से किया जाएगा और सभी संबंधित विभाग मिलकर इसे सफल बनाने के लिए अपना सहयोग देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों को हर स्तर पर निगरानी रखने और ग्रामीणों के साथ संवाद बनाए रखने का निर्देश दिया।

सड़क सुरक्षा माह के तहत पर चलाया गया जागरूकता अभियान

गोड्डा (नि.सं.)। सड़क सुरक्षा माह के तहत अदाणी पावर प्लांट के द्वारा गुरुवार को सिकटिया चौक पर सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में मोतिया ओपी थाना प्रभारी महावीर पंडित और उनकी टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन पर बिना हेलमेट सवारी कर रहे लोगों को रोका गया और उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। लोगों को चेतावनी देते हुए हेलमेट पहनने की अनिवार्यता के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान अदाणी पावर प्लांट के अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाते हुए हेलमेट का वितरण भी किया।

पीसी और पीएनडीटी अंतर्गत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

निज संवाददाता | दुमका

अभियान निदेशक सह अध्यक्ष राज्य समुचित प्राधिकारी पीसी और पीएनडीटी झारखण्ड की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गुरुवार को जिला स्तर पर सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में पीसी और पीएनडीटी अंतर्गत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिले में संचालित अल्ट्रासाउण्ड केन्द्र के प्रबंधक, सचालक, चिकित्सक, एनजीओ पर्सनल, एमओआईसीएस तथा डीपीएमयू, बीपीएमयू के कर्मी उपस्थित थे। उक्त बैठक में पीसी और पीएनडीटी एक्ट के नियमों एवं प्रावधानों के विषय में सबों को विस्तृत रूप से जानकारियाँ दी गयी। इस प्रकार के उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन पहली बार राज्य के माध्यम से किया गया।

जिले में सिविल सर्जन, दुमका डॉ बीपी सिंह के द्वारा उक्त उन्मुखीकरण कार्यशाला की अध्यक्षता की गयी। बैठक में जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला आरसीएच पदाधिकारी, डॉ शशिधर मिश्रा, डॉ अरविंद कुमार, डॉ बी० माण्डी, डॉ सलमान अहमद, डॉ सुबोध नारायण, डॉ संतोष साह, डॉ अभिषेक कुमार के साथ अन्य चिकित्सक एवं कर्मी उपस्थित थे।

राशन डीलर पर मनमानी का आरोप, बीडीओ और एमओ ने की जांच, कार्रवाई का आश्वासन

निज संवाददाता | महागामा

महागामा अनुमंडल क्षेत्र के रामकोल पंचायत के रामकोल गांव में सीता महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित राशन डीलर पर ग्रामीणों ने मनमानी करने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि राशन वितरण में डीलर द्वारा अनियमितताएं की जा रही हैं, जिसके चलते गरीबों के हक पर डाका डाला जा रहा है। इस पर ग्रामीणों ने अपनी शिकायतों को लेकर बीडीओ (ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर) और एमओ (मेडिकल ऑफिसर) से कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद बीडीओ और एमओ ने गांव में पहुंचकर राशन वितरण की जांच की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि राशन वितरण में डीलर द्वारा भारी अनियमितताएं की जा रही हैं, जिससे गरीबों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। राशन डीलर पर यह आरोप है कि वह प्रति व्यक्ति राशन में कटौती करता है। विशेष रूप से, ग्रामीणों का कहना है कि डीलर हर व्यक्ति को आधा किलो चावल कम देता है। यह आरोप ग्रामीणों ने बीडीओ और एमओ के सामने जमकर उठाया, और इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। गांव के सैकड़ों लोगों ने इस मुद्दे पर शिकायत दर्ज करवाई, जिनमें मोहम्मद अख्तर, पंचायत समिति सदस्य नईम, इश्तेखार, इमरान खान, मुस्तकीम, जियाउल, जब्बार जैसे लोग शामिल थे। इन ग्रामीणों ने बीडीओ और एमओ से कहा कि राशन में होने वाली इस कटौती से उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें पर्याप्त राशन नहीं मिल पा रहा है। जांच के दौरान बीडीओ ने राशन डीलर से रजिस्टर की मांग की, ताकि वह राशन वितरण की सही जानकारी प्राप्त कर सकें। लेकिन राशन डीलर ने बताया कि रजिस्टर महागामा ले जाया गया है। इस पर बीडीओ ने नाराजगी जताई और जब सूचना पट खाली पाया गया, तो उन्होंने इस पर सवाल उठाए। राशन वितरण में पारदर्शिता की कमी और रजिस्टर की अनुपलब्धता ने मामले की गंभीरता को बढ़ा दिया। गांव के स्वयं सहायता समूह के अध्यक्ष ने यह भी स्वीकार किया कि वह आधा किलो चावल कम देते हैं। उनका कहना था कि ट्रैक्टर के किराए को चुकाने के लिए यह कटौती की जाती है। लेकिन इस तर्क को सुनने के बाद एमओ संजीव कुमार ने स्पष्ट रूप से कहा कि ट्रैक्टर का किराया सरकार द्वारा दिया जाता है, और किसी भी प्रकार की कटौती पूरी तरह से अनुचित और गैरकानूनी है। इस पर बीडीओ आंजनेयुलु दोड्डे और एमओ संजीव कुमार ने मौके पर सभी पहलुओं की जांच की और पाया कि राशन वितरण में अनियमितताएं हैं। बीडीओ ने मामले को गंभीरता से लिया और आश्वासन दिया कि जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। अगर जांच के बाद डीलर दोषी पाए गए, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिकारीपाड़ा लिटिया पहाड़ के समीप अवैध कोयले खनन की खान निरीक्षक ने की जांच, नहीं पाया अवैध खनन

- 13 जुलाई 2024 को लिटिया पहाड़ पर अवैध कोयला खनन पर की गयी थी कार्रवाई, 12 गडडे पर किया गया था डोजरींग

निज संवाददाता | दुमका

जिला उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे के निर्देश पर जिले में अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन पर पूर्णत रोक को लेकर डीएमओ आनंद कुमार पूरी तरह से कटिबंद्ध है और उन्होंने अपने पदस्थापना के साथ ही यह स्पष्ट कर दिया था कि जिले में किसी भी कीमत पर अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन नहीं होने दिया जाएगा, इसी सोच को लेकर डीएमओ के द्वारा लगातार जिले में अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के रोकथाम के लिए छापेमारी की जा रही है एवं अपने अधिनस्थ कर्मियों से करवाते रहते है, जिसके कारण कई बार अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन करने वालों को पकड़ा गया एवं अवैध कारोबारियों पर नियम संगत कार्रवाई की गयी। जिसका प्रतिफल है कि जिले में अवैध कारोबार का धंधा काफी कम हो रहा है। अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के रोकथाम को लेकर डीएमओ आनंद कुमार के निर्देश के आलोक में खान निरीक्षक बह्मदेव यादव ने शिकारीपाड़ा स्थित बादलपाड़ा के लिटिया पहाड़ के आस-पास किए गए अवैध कोयला खनन कार्य का निरीक्षण किया।

निरीक्षण में खान निरीक्षक ने पाया कि पूर्व में अवैध कोयला खनन कार्य को लेकर बनाए गए गड्ढे को डोजरींग गए जाने के बाद पुनः अवैध कारोबारियों के द्वारा गड्ढा खोद कर अवैध खनन नहीं किया गया है। अवैध कोयला खनन किए जाने की सूचना पर 13 जुलाई 2024 को जिला प्रशासन के द्वारा शिकारीपाड़ा के बादलपाड़ा स्थित लिटिया पहाड़ के आस-पास छापेमारी की गयी थी, जिसमें 12 गड्ढे अवैध कोयला खनन करने को लेकर पाया गया था, जिसके बाद प्रशासन के द्वारा 12 गडडों को जेसीबी के माध्यम से डोजरींग करवाया गया था, पुणः अवैध कारोबारियों के द्वारा अवैध खनन नहीं किया जा रहा है इसकी जांच डीएमओ आनंद कुमार के द्वारा 15 जनवरी को करवाया गया। डीएमओ ने कहा सिर्फ गड्ढा भरवान हमारी जिम्मेवारी नहीं बल्कि पूर्णत अवैध खनन बंद करवाना है उदेश्य। उन्होंने कहा आमजन भी निभाय जिम्मेवारी, अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन की दे जानकारी। कहा है कि जिले में अवैध खनन,परिवहन एवं भंडारण को पूर्णत बंद करवाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि उपायुक्त का स्पष्ट निर्देश है कि जिले में किसी भी कीमत पर अवैध खनन परिवहन या भंडारण नहीं हो यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पूर्व में अवैध खनन के रोक को लेकर जो कार्रवाई की गयी है उसका पालन हो रहा है कि नहीं जिसको देखना भी विभाग की जिम्मेवारी है इसी को लेकर पूर्व में किए जा रहे कार्रवाई का निरीक्षण करवाया जा रहा है एवं ताकि किसी भी स्थल पर अवैध खनन पूनः आरंभ नहीं हो। डीएमओ आनंद कुमार आमजनों से भी अपील किया है कि आमजन भी अपनी जिम्मेवारी निभाऐं ताकि जिले में किसी भी स्थल पर हो रहे अवैध कारोबार की जानकारी दें ताकि ऐसे व्यक्यिों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जा सके।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

अज्ञात तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से तीन आइसक्रीम विक्रेताओं की हुई मौत

पारसनाथ पर्वत पर मकर संक्रांति मेला, घर लौटते वक्त हुआ हादसा

- पुलिस ने की कार्रवाई और जांच शुरू
- परिवार की आर्थिक स्थिति पर असर
- वाहन की तलाश जारी

निज संवाददाता | गिरिडीह

मकर संक्रांति के मौके पर झारखंड के गिरिडीह में आयोजित मेले से घर लौट रहे तीन आइसक्रीम विक्रेताओं की दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। बुधवार की देर रात गिरिडीह-डुमरी मुख्य मार्ग पर एक अज्ञात वाहन ने उनकी वैन को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि वैन सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मधुबन थाना क्षेत्र के करमाकुशमा इलाके में घटी। मकर संक्रांति के अवसर पर पारसनाथ पर्वत पर आयोजित मेले में तीनों युवक आइसक्रीम बेचने गए थे। वहां से देर रात मारुति ओमनी वैन में सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी वैन को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान निमियाघाट थाना क्षेत्र के रांगामाटी गांव निवासी देवचंद साव, थानु कुमार और घनश्याम साव के रूप में हुई है। तीनों युवक घर की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए आइसक्रीम बेचने का काम करते थे। उनके इस असामयिक निधन से परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, और गांव में शोक की लहर है। घटना की सूचना मिलते ही मधुबन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि अज्ञात वाहन की तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और चश्मदीदों की मदद ले रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने सड़क पर बढ़ते हादसों के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इस मार्ग पर आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं।

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। हादसे के वक्त का दृश्य बेहद दर्दनाक था। वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी, और तीनों युवकों के शव उसमें फंसे हुए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला। देवचंद साव, थानु कुमार और घनश्याम साव अपने परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य थे। उनकी मौत के बाद उनके परिवारों पर आर्थिक संकट आ गया है। उनके बच्चों और परिवार के भविष्य को लेकर परिजन बेहद चिंतित हैं। इस हादसे ने एक बार फिर से सड़कों पर सुरक्षा उपायों की कमी को उजागर किया है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर यातायात नियमों को सख्ती से लागू किया जाए और सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों की निगरानी के लिए उचित व्यवस्था की जाए। पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन की पहचान करना उनकी प्राथमिकता है। जांच दल ने इलाके के सभी टोल प्लाजा और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत

निज संवाददाता | रामगढ़

रामगढ़ जिले के कुज्जू ओपी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। रांची-पटना मुख्य मार्ग (एनएच-33) स्थित मुरपा फोरलेन पर फॉर्च्यूनर और पल्सर बाइक की जबरदस्त टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। जबकि एक जख्मी है। दोनों युवक बाइक पर सवार थे। वहीं, घटना से नाराज ग्रामीणों ने फॉर्च्यूनर में तोड़फोड़ की। मृतक की पहचान कुजू निवासी नीतेश भुइया के रूप में की गई। नीतेश भुइया और गोलू नायक अपनी बाइक से चरण पहाड़ी धाम में मेला देखकर लौट रहे थे। फोरलेन पर चढ़ते ही रांची से हजारीबाग जा रही फॉर्च्यूनर कार से उनकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। स्थानीय लोगों और घायलों के दोस्तों की मदद से दोनों युवकों को तत्काल एंबुलेंस से सदर अस्पताल रामगढ़ पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान नीतेश की मौत हो गई। वहीं, हादसके के बाद फॉर्च्यूनर पर सवार लोग वहां से भाग गए। जानकारी के अनुसार फॉर्च्यूनर किसी डॉक्टर की बताई जा रही है। घटना से नाराज ग्रामीणों ने फॉर्च्यूनर में तोड़फोड़ की।

एससी-एसटी एक्ट में मुखिया गिरफ्तार

दलित पेंटर से मारपीट और जातिसूचक गालियों का आरोप

निज संवाददाता | देवघर

रिखिया थाना क्षेत्र में नया चितकाठ पंचायत के मुखिया अनिल साह को पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मुखिया पर दलित पेंटर गोविंद तुरी के साथ मारपीट करने और जातिसूचक गाली देने का गंभीर आरोप है। यह मामला 12 जनवरी का है, जब गोविंद तुरी पंचायत भवन के सामने मनरेगा हेल्पलाइन नंबर का दीवार लेखन कर रहे थे। यह सरकारी आदेश के तहत किया जा रहा कार्य था, लेकिन मुखिया ने इसे रोकने के साथ हिंसा और दुर्व्यवहार किया। गोविंद तुरी के अनुसार, वह अपने साथियों के साथ दीवार पर पेंट कर रहे थे। अचानक मुखिया अनिल साह वहां पहुंचे और बिना किसी कारण उनसे उनकी जाति पूछने लगे। इसके बाद उन्होंने गोविंद को जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए अपमानित किया। गोविंद ने जब सरकारी आदेश और काम की अनुमति के कागजात दिखाए, तब भी मुखिया शांत नहीं हुए। उन्होंने गुस्से में गोविंद का पेंट और ब्रश फेंक दिया। आरोप है कि मुखिया ने गोविंद को जमीन पर गिराकर उनके साथ लात-घूंसों से मारपीट की। जब उनके साथी सनोज राय ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो मुखिया ने उनके साथ भी अभद्रता की और उन्हें धक्का दिया। घटना के दौरान वहां मौजूद अन्य लोग यह सब देख रहे थे, लेकिन मुखिया के डर से कोई बीच में नहीं आया। इस घटना के बाद गोविंद तुरी ने रिखिया थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि इस दुर्व्यवहार और हिंसा के कारण न केवल उनका काम बाधित हुआ, बल्कि उनकी जान को भी खतरा महसूस हुआ। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की। जांच में मुखिया पर लगे आरोप सही पाए गए।

एससी-एसटी एक्ट के तहत पुलिस ने मुखिया अनिल साह को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि मुखिया का यह व्यवहार उनके पद की गरिमा के विपरीत है। पंचायत के कुछ लोगों ने मुखिया के इस कृत्य की निंदा की है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, कुछ लोग मुखिया के समर्थन में भी सामने आए हैं। गोविंद तुरी ने बताया कि इस घटना से वह मानसिक रूप से आहत हैं। उन्हें शारीरिक चोट भी आई है, जिसके लिए उनका इलाज स्थानीय अस्पताल में किया गया। गोविंद ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में न्याय मिलना जरूरी है, ताकि कोई और व्यक्ति इस तरह के दुर्व्यवहार का शिकार न बने। देवघर जिला प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि एससी-एसटी एक्ट के तहत पीड़ित को न्याय दिलाने में कोई कमी नहीं रहेगी। साथ ही, मुखिया के कृत्य की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी। यह घटना एक बार फिर से समाज में जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न के मुद्दे को उजागर करती है। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई और सख्त सजा से ही समाज में समानता और न्याय की भावना को बढ़ावा दिया जा सकता है।

गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक का किया गया आयोजन

निज संवाददाता | देवघर

समाहरणालय के सभागार में बुधवार को गणतंत्र दिवस 2025 की तैयारी को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और समारोह को भव्य और सफल बनाने के लिए रूपरेखा तैयार की गई। उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा मुख्य समारोह का आयोजन स्थानीय केकेएन स्टेडियम में किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि आयोजन की सभी गतिविधियां सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप होनी चाहिए। इस बार झंडोत्तोलन के साथ प्रभात फेरी का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे आमजन में देशभक्ति का माहौल बने। बैठक में निर्णय लिया गया कि विभिन्न विभागों द्वारा झांकियां निकाली जाएंगी, जिनमें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को दर्शाया जाएगा। शिक्षा विभाग, जनसंपर्क विभाग, समाज कल्याण विभाग, देवघर नगर निगम, बाबा वैद्यनाथ मंदिर प्रबंधन, अग्निशमन विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, और जिला परिवहन विभाग अपनी-अपनी झांकियों के माध्यम से जिले की संस्कृति और विकास की झलक प्रस्तुत करेंगे।

डीसी ने निर्देश दिया कि सभी झांकियां जन-आकांक्षाओं के अनुरूप और जिले की विशिष्ट पहचान को उजागर करने वाली हों। इन झांकियों में स्थानीय कला, संस्कृति और सरकार की योजनाओं का प्रभावी चित्रण सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने नगर आयुक्त देवघर को निर्देशित किया कि शहर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों को रंगीन रोशनी से सजाया जाए। इसके साथ ही नगर निगम क्षेत्र और जिले के प्रमुख स्थलों पर विशेष साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शहर का माहौल उत्सवपूर्ण और देशभक्ति से ओतप्रोत हो। डीसी ने निर्देश दिया कि समारोह के दौरान भव्य और गरिमामयी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके लिए शिक्षा और संस्कृति से जुड़े विभागों को जिम्मेदारी दी गई है। इन कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उपायुक्त विशाल सागर ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम को अनुशासन और उत्साह के साथ संपन्न कराना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सभी विभागों ने अपने-अपने कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

एसएमसी के सदस्यों को दिया गया सशक्तिकरण प्रशिक्षण

साहिबगंज (नि.सं.)। प्रखंड के यूएमएस चालधोवा संकुल के अंतर्गत यूएमएस जीतपुर में गुरुवार को तीन विद्यालयों के स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के सदस्यों को सशक्तिकरण हेतु विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य एसएमसी सदस्यों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना था। प्रशिक्षण का संचालन सीआरपी ईश्वर पंडित ने किया। उन्होंने एसएमसी के अध्यक्ष और सदस्यों को उनके कार्यों और दायित्वों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि एसएमसी की नियमित बैठकें होनी चाहिए। साथ ही विद्यालय के विकास, बच्चों के नामांकन, ठहराव, और सुचारू संचालन में एसएमसी की भूमिका को विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण सत्र में विद्यालय के विकास के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई।

आठ लाख के मोटर पार्ट्स चोरी में 12 गिरफ्तार, दो फरार, पुलिस ने चोरी का सामान किया बरामद

निज संवाददाता | जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)

सरायकेला-खरसावां जिले में पुलिस ने मोटर पार्ट्स चोरी के बड़े मामले का खुलासा करते हुए 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने आदित्यपुर थाना क्षेत्र में कमसा स्टील प्राइवेट लिमिटेड से चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। चोरी की यह घटना 12-13 जनवरी की रात की है, जब चोरों ने 8 लाख रुपए के 15 मोटर पार्ट्स और भारी मात्रा में लोहे का सामान चुरा लिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। इस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से 15 कटे हुए मोटर पार्ट्स, 150 किलो लोहे का बीम और एक जंग लगा हुआ मोटर बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नंदकिशोर भारती उर्फ नंदू, शुकरु मुखी, शेरु मुखी उर्फ आर्यन, सुमित मुखी, आकाश सिंह, विकास यादव, संजय राम, अनंतो प्रधान, मनोज मोदी, सूरज बोदरा, तिरुपु बरला उर्फ गोमिया बरला और बिट्टू वाला शामिल हैं। ये सभी आदित्यपुर और आसपास के इलाकों में सक्रिय थे और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने बताया कि गिरोह के दो अन्य सदस्य, जुगसलाई निवासी शब्बीर और सीकेपी निवासी चखना, अभी फरार हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि इन फरार आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गिरोह ने चोरी की योजना को बड़े ही सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया। 12-13 जनवरी की रात को, जब फैक्ट्री में गतिविधियां कम थीं, तब इन्होंने दीवार फांदकर फैक्ट्री के अंदर प्रवेश किया। फैक्ट्री के अंदर से इन्होंने 15 मोटर पार्ट्स और भारी मात्रा में लोहे का सामान काट-काटकर अपने साथ ले गए। चोरी का माल पास के एक गोदाम में छिपा दिया गया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से चोरी की घटनाओं में लिप्त था और इनकी गिरफ्तारी से चोरी की कई घटनाओं पर रोक लगेगी। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से फैक्ट्री प्रबंधन ने भी राहत की सांस ली है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। इस कार्रवाई के जरिए प्रशासन ने एक सख्त संदेश दिया है कि चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत मिला है।

सीओ ने रात्रि भ्रमण के दौरान अवैध बालू परिवहन में शामिल दो ट्रैक्टरों को पकड़कर पुलिस को सौंपा

निज संवाददाता | छतरपुर(पलामू)

बीती बुधवार को रात्रि भ्रमण के दौरान छतरपुर सीओ उपेन्द्र कुमार ने अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर को पकड़कर थाना को सुपुर्द किया है। ये दोनों गाड़ियां बुधवार की रात 11 बजे पकड़ी गयीं। इस दौरान सीओ ने रास्ते में पत्थर लदे हाइवा को भी रोका, पर चालान प्रस्तुत करने पर छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि खनिजों के अवैध परिचालन से सरकारी राजस्व की क्षति होती है। इसे रोकना अनिवार्य है। अवैध चल रहे ट्रैक्टर न सिर्फ राजस्व की क्षति कर रहे है, अपितु पकड़े जाने के डर से अनियंत्रित गति से चलने के कारण दुर्घटना को भी आमंत्रित करते है।" अंचलाधिकारी ने बताया कि छतरपुर अंचल में चिन्हित 8 बालू घाटों के संचालन के लिए संबद्ध मुखिया को पत्र जारी किया गया था। लेकिन, बगैया पंचायत को छोड़कर शेष मुखिया ने कमिटी का गठन ही नहीं किया। सीओ ने कहा कि कैटेगरी 1, बालू घाट से सिर्फ 100 रुपए प्रति 100 सीएफटी बालू स्थानीय इस्तेमाल के लिए उपलब्ध हो सकेगा, परन्तु अभी तक इस पर अमल नहीं किया गया है। सभी कैटेगरी 1 के मुखिया से सीओ ने अनुरोध किया है कि बालू घाटों के संचालन के लिए कमिटी का गठन कर संचिका, अंचल कमिटी के पास जल्द समर्पित करें ताकि बालू का क्रय विक्रय नियंत्रित किया जा सके।

सीओ ने अलाव की व्यवस्था करवायी, कहा- भूख और ठंड से किसी की मौत न हो

सीओ ने छतरपुर शहर के चुनिंदा स्थानों पर अलाव की भी व्यवस्था करवायी। कहा कि- "इलाके में ठंड का असर बढ़ गया है, इसलिए कुछ चुनिंदा जगहों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। ठंड और भूख से किसी की मौत न हो, इसलिए प्रशासन इसे लेकर संवेदनशील है। सभी प्रबुद्ध जनों की जिम्मेवारी बनती है कि आप हमें सूचित करे, हम व्यवस्था करेंगे। वृद्ध जन, बच्चे और महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित होती है, इसलिए इनका संरक्षण वरीयता के आधार पर करने की जरूरत होती है। आपसे अपील है कि घर में बच्चों और वृद्ध जनों का बेहतर ख्याल रखा जाय। अगर कोई व्यक्ति लाचार है, घर में कोई कमाने वाला नहीं है और राशन की जरूरत है, आप तत्काल मुझे सूचित करें। सरकार के स्तर से तात्कालिक व्यवस्था किए जाने का प्रावधान है। भूख और ठंड से मौत, असंवेदनशील समाज और प्रशासन की ओर इंगित करता है। आप हमें ससमय सूचित करें।"

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में तीन घायल

पाकुड़ (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के धोवाडांगा गांव में गुरुवार को बाइक का संतुलन बिगड़ने से हुई दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसे आनन-फानन में ग्रामीणों व परिजनों की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जानकारी के अनुसार महफूज अंसारी बाइक लेकर रामपुर अपने फुआ घर जा रहा था। इसी दौरान बाइक का संतुलन बिगड़ने से वह गिरकर घायल हो गया। इस घटना के बाद घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां बताया गया कि उसके सर पर गहरी चोट लगी है। पाकुड़िया थाना क्षेत्र के राधानगर मुख्य पीडब्ल्यूडी सड़क पर पत्थरडंगा गांव के पास मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

दो अलग-अलग मारपीट की घटनाओं में दो घायल

निज संवाददाता | साहिबगंज

थाना क्षेत्र के पश्चिमी जामनगर प्राण टोला और कन्हैया स्थान गांव में बीती रात आपसी विवाद में हुए दो अलग-अलग मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल हो गए। दोनों घटनाओं ने इलाके में तनाव का माहौल पैदा कर दिया है। पश्चिमी जामनगर प्राण टोला गांव में बीती रात लाखी मंडल (56) और उनके पड़ोसी के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हुई। यह बहस धीरे-धीरे इतनी बढ़ गई कि बात मारपीट तक पहुंच गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवाद मामूली घरेलू बातों से शुरू हुआ था, लेकिन गुस्से में आकर दोनों पक्षों ने आपा खो दिया। इस मारपीट में लाखी मंडल गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें तुरंत अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, दूसरी घटना थाना क्षेत्र के कन्हैया स्थान गांव में हुई, जहां आपसी विवाद के चलते दुलाल मंडल (64) घायल हो गए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दुलाल मंडल और उनके पड़ोसी के बीच जमीन को लेकर विवाद था, जो लंबे समय से चल रहा था। बीती रात यह विवाद हिंसक रूप ले लिया। दुलाल मंडल को चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें भी अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों घटनाओं में घायल लाखी मंडल और दुलाल मंडल को उनके परिजनों ने अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया और स्थिति को स्थिर बताया। डॉक्टरों के अनुसार, दोनों को गंभीर चोटें आई हैं, लेकिन फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं। दोनों घटनाओं की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दी गई है। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और दोनों मामलों में अलग-अलग शिकायत दर्ज की। पुलिस के अनुसार, जामनगर प्राण टोला और कन्हैया स्थान गांव की घटनाओं में शामिल आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। दोनों घटनाओं के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। जामनगर प्राण टोला और कन्हैया स्थान गांव के लोग इन घटनाओं को लेकर चिंतित हैं और विवादों से बचने के लिए सतर्क हो गए हैं। पुलिस ने दोनों गांवों में शांति बनाए रखने के लिए स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की है। पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा कि विवादों को सुलझाने के लिए आपसी बातचीत और समझौता सबसे अच्छा तरीका है। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी विवाद को हिंसा में न बदलने दें और जरूरत पड़ने पर पुलिस से मदद लें।

धनबाद साइबर पुलिस ने जियो-गूगल अधिकारी बन साइबर ठगी करने वाला को किया गिरफ्तार

निज संवाददाता | धनबाद

धनबाद साइबर पुलिस ने एक बार फिर साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। तेतुलमारी इलाके से साइबर ठग कैलाश दास को गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी साइबर संजीव कुमार ने बताया कि आरोपी जियो, गूगल और फोन-पे जैसी बड़ी कंपनियों का अधिकारी बनकर लोगों को धोखा देता था। वह फर्जी पहचान का इस्तेमाल करके संदिग्ध लिंक भेजता और फिर ठगी को अंजाम देता था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी मूल रूप से मधुपुर, देवघर का रहने वाला है और वह अपने एक रिश्तेदार के घर घूमने के लिए तेतुलमारी आया हुआ था। साइबर पुलिस ने प्रतिबिंब एप और तकनीकी निगरानी के जरिये उसकी गतिविधियों का पता लगाया और उसे धर दबोचा। आरोपी ने हाल ही में असम के एक व्यक्ति से 1,999 रुपये की ठगी की थी। उसने खुद को जियो कंपनी का अधिकारी बताते हुए उस व्यक्ति को एक संदिग्ध लिंक भेजा और पैसे ट्रांसफर करा लिए। जांच में पुलिस को इसके पुख्ता प्रमाण मिले हैं। गिरफ्तारी के समय पुलिस ने आरोपी के पास से एक स्मार्टफोन और दो सिम कार्ड बरामद किए। ये दोनों सिम कार्ड ठगी के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे। पुलिस अब इन सिम कार्ड्स की मदद से आरोपी के अन्य साथियों और ठगी के मामलों की जानकारी जुटा रही है। डीएसपी साइबर संजीव कुमार ने बताया कि आरोपी लोगों को फर्जी कॉल और मैसेज करता था। वह खुद को जियो, गूगल या फोन-पे जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों का अधिकारी बताता था। इसके बाद, वह लोगों को लुभावने ऑफर का झांसा देकर उन्हें संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने को कहता। जैसे ही व्यक्ति उस लिंक पर क्लिक करता, आरोपी उनकी गोपनीय जानकारी हासिल कर लेता और पैसे निकाल लेता था। पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी धनबाद साइबर पुलिस के अभियान का हिस्सा है, जो साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और उसके संपर्क में रहने वाले अन्य साइबर अपराधियों की पहचान कर रही है। डीएसपी ने कहा कि जल्द ही ऐसे अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

गैंगरेप आरोपियों के घर पर कुर्की, चार महीने से फरार दो आरोपियों का सामान किया गया जब्त

निज संवाददाता | जामताड़ा

जामताड़ा जिले में एक दिल दहला देने वाले गैंगरेप मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनके घर पर कुर्की की। यह मामला पिछले साल दर्ज हुआ था, जिसमें मिहिजाम थाना क्षेत्र के कुर्मीपाड़ा गांव की एक विवाहिता ने दो लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया था। आरोपियों, राहुल प्रसाद और नूरूल, के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के बावजूद चार महीने से उनकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई थी। न्यायालय के आदेश पर दंडाधिकारी की मौजूदगी में पुलिस ने उनके घर का सारा सामान जब्त कर लिया। यह मामला तब सामने आया जब विवाहिता ने आरोप लगाया कि राहुल प्रसाद और नूरूल ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए और चार महीने से पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। हालांकि, कई प्रयासों के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया। जामताड़ा के दंडाधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में मिहिजाम थाना के एएसआई किशन कुमार और पुलिस दल ने आरोपियों के घर पहुंचकर कुर्की की कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने घर से कई जरूरी सामान जब्त किए, जिनमें बाल्टी, बर्तन, बॉक्स, दीवार घड़ी, चारपाई, रूम हीटर, सिलेंडर, गैस चूल्हा और ड्रम सहित अन्य घरेलू वस्तुएं शामिल थीं। कुर्की के समय आरोपी के परिजन घर पर मौजूद थे। इसके अलावा, आस-पास के लोग भी इस कार्रवाई को देखने पहुंचे। पुलिस ने पूरे घटनाक्रम को पारदर्शी तरीके से अंजाम दिया, जिससे कोई अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय की अनुमति के बाद की गई है। पुलिस ने न्यायालय से आरोपियों के घर की कुर्की की अनुमति मांगी थी।

अनुमति मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। कुर्की की यह कार्रवाई दबाव बनाने और आरोपियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने का एक प्रयास है। मिहिजाम थाना प्रभारी ने बताया कि चार महीने से फरार चल रहे आरोपियों की तलाश के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने उनकी संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। अब कुर्की की कार्रवाई के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि आरोपी जल्द ही पुलिस के शिकंजे में होंगे। इस मामले में प्रशासन और पुलिस का कहना है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। गैंगरेप जैसी घटनाएं समाज के लिए एक गंभीर चुनौती हैं, और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जरूरी है। इस कार्रवाई से एक कड़ा संदेश गया है कि कानून से बच पाना आसान नहीं है। जामताड़ा पुलिस की यह कार्रवाई अपराधियों के लिए एक चेतावनी है कि वे चाहे जितना भी छिपने की कोशिश करें, कानून की पकड़ से बच नहीं सकते।

पांच दिवसीय जिला स्तरीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू

साहिबगंज (नि.सं.)। माय भारत नेहरू युवा केंद्र की ओर से आयोजित पांच दिवसीय अंतर जिला युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन अभियान प्रशिक्षण केंद्र में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जैक अध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार सिंह, साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य एसआरआई रिजवी, राष्ट्र सेवा योजना के नोडल पदाधिकारी प्रशांत भारती, सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष अब्दुश सुभान आदि थे। जैक के पूर्व अध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए इस कार्यक्रम का लाभ उठाएं। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम केन्द्र के लेखा सहायक अनिल कुमार ने किया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

टूट की ओर बढ़ रहा इंडिया गठबंधन!

शिवसेना (बीटी) के प्रवक्ता संजय राउत के ताजा बयान ने इंडिया ब्लॉक में चल रही उथल-पुथल की चर्चा को तेज कर दिया है। ऐसे ही बयान अन्य नेताओं और दलों की ओर से भी आए हैं। स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं कि क्या विपक्षी गठबंधन किसी बड़े संकट की ओर बढ़ रहा है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नैशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला भी कह चुके हैं कि अगर विपक्षी गठबंधन लोकसभा चुनावों तक के लिए ही सीमित था तो इसे अब भंग कर देना चाहिए । यही नहीं, तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी साफ-साफ कह चुके हैं कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में वे कांग्रेस का नहीं आम आद पार्टी का समर्थन करते हैं। शिवसेना (बीटी) भी ऐसी घोषणा कर चुकी है। पहली नजर में इसे इंडिया ब्लॉक में आपसी फूट का लक्षण माना जा सकता है। लेकिन गौर करें तो यह इस ब्लॉक से जुड़े दलों का राजनीतिक अंतर्विरोध ज्यादा है। यह अंतर्विरोध शुरू से इस ब्लॉक में रहा है। इसी अंतर्विरोध के चलते विभिन्न राज्यों के चुनावों के वक्त सीटों का बंटवारा जटिल सवाल बनता है। इसी अंतर्विरोध के चलते हरियाणा में आम आदमी पार्टी इस आरोप के बावजूद चुनाव लड़ती है कि उसे मिलने वाले वोट बीजेपी की जीत की संभावना को मजबूती देंगे। इस बार दिल्ली में कांग्रेस के पूरी मजबूती से चुनाव लड़ने का फैसला भी इसी अंतर्विरोध को दर्शाता है। ऐसे में, बीजेपी के साथ मिलकर ये क्षेत्रीय दल अगर कांग्रेस पर इस बात के लिए दबाव बनाना चाहते हैं कि वह बीजेपी की जीत को आसान न बनाए तो यह स्वाभाविक है। लेकिन इसे अभी से इंडिया ब्लॉक के विखंडन का अनिवार्य संकेत मान लेना जल्दबाजी हो सकता है। आपसी संवाद में कमी, संयोजक की नियुक्ति में देर और बैठक का लगातार टलना- ऐसी शिकायतें हैं जो बताती हैं कि इंडिया ब्लॉक में सब कुछ ठीक नहीं है। अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो ये मुद्दे गंभीर मतभेद का रूप ले सकते हैं। निश्चित रूप से बेहतर तालमेल की जरूरत है।

आखिर क्यों अखाड़ों के बिना नहीं की जा सकती कुंभ की कल्पना

(जयसिंह रावत)

वर्तमान में भारत में 13 प्रमुख अखाड़े हैं, जो कुंभ मेला जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक अखाड़े का अपना विशिष्ट इतिहास, परंपरा और ईष्ट देवता होते हैं, और इनके सदस्य साधना, तपस्या और समाज की सेवा में व्यस्त रहते हैं। प्रयागराज महाकुंभ इन दिनों करोड़ों सनातन धर्मावलम्बियों के लिए आस्था और विदेशियों के लिए भारतीय संस्कृति के प्रति कौतुहूल और आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। चार स्थानों पर बारी-बारी 12 सालों में कुंभ और महाकुंभ के रूप में आयोजित होने वाले विश्व के इस सबसे मानव जमावड़ा और महापर्व विशेष रूप से उन साधुओं के लिए महत्वपूर्ण होता है, जो अखाड़ों के सदस्य होते हैं। इन अखाड़ों का न केवल धार्मिक कर्तव्य है बल्कि ये भारतीय समाज में एकता, शांति और जागरूकता का प्रसार भी करते हैं। दरअसल, सिद्धांत रूप में कुंभ मेला केवल एक धार्मिक महापर्व है जो संगम पर विशेष ग्रहों की स्थिति के अनुसार होता है। इसे बिना अखाड़ों के भी आयोजित किया जा सकता है, लेकिन यह पारंपरिक और सांस्कृतिक रूप से अधूरा माना जाएगा। अखाड़ों की अनुपस्थिति से इसका आकर्षण, आध्यात्मिक महत्व और ऐतिहासिक परंपरा कमजोर हो सकती है, इसलिए कुंभ मेले की पहचान अखाड़ों की उपस्थिति से ही पूरी होती है।

अखाड़ा परंपरा का इतिहास : अखाड़ा परंपरा की शुरुआत प्राचीन भारतीय संस्कृति में तब से मानी जाती है जब साधुओं और तपस्वियों ने ध्यान और साधना के लिए संगठित रूप से ये केंद्र बनाए। माना जाता है कि अखाड़ा परंपरा महाभारत और रामायण काल से जुड़ी हुई है, तब धर्म, तपस्या और साधना के लिए समर्पित समूहों का अस्तित्व था। परंपरागत् रूप से इन अखाड़ों का उद्देश्य साधुओं को एकजुट करना और उन्हें धर्म, योग, और तपस्या के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना था। ऐसी भी मान्यता है कि अखाड़ा व्यवस्था शंकराचार्य द्वारा स्थापित की गई थी जिसका उद्देश्य सनातन धर्म को पुनर्जीवित करना और उसे एक संगठित रूप में प्रस्तुत करना था।

> *यह अखाड़ा 1784 में अपनी स्थापना मानता है। सन् 1784 में हरिद्वार कुंभ मेले के समय एक बड़ी सभा में विचार विनिमय करके श्री दुर्गासिंह महाराज ने इसकी स्थापना की। इनकी ईष्ट पुस्तक श्री गुरुग्रन्थ साहिब है। इनमें सांप्रदायिक साधु, मंहत व महामंडलेश्वरों की संख्या बहुत है।*

साधु समाज के 13 अखाड़े : वर्तमान में भारत में 13 प्रमुख अखाड़े हैं, जो कुंभ मेला जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक अखाड़े का अपना विशिष्ट इतिहास, परंपरा और ईष्ट देवता होते हैं, और इनके सदस्य साधना, तपस्या और समाज की सेवा में व्यस्त रहते हैं। इनमें कुछ शैव सन्यासियों के तथा कुछ वैष्णव और अन्य पन्थों के अखाड़े हैं। कुछ समय पहले किन्नर अखाड़ा भी कुंभ में हिस्सा लेने लगा है जिसके प्रमुख स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी हैं। समाज के 13 प्रमुख अखाड़ों का विवरण इस प्रकार है।

1. निरंजनी अखाड़ा- यह अखाड़ा 826 ईस्वी में गुजरात के मांडवी में स्थापित हुआ माना जाता है। इनके ईष्ट देव भगवान शंकर के पुत्र कार्तिकस्वामी हैं। इनमें दिगम्बर, साधु, महन्त व महामंडलेश्वर होते हैं। इनकी शाखाएं इलाहाबाद, उज्जैन, हरिद्वार, त्र्यंबकेश्वर व उदयपुर में हैं।

2. जूना अखाड़ा- ऐसी मान्यता है कि यह अखाड़ा 1145 में उत्तराखण्ड के कर्णप्रयाग में स्थापित हुआ। इसे भैरव अखाड़ा भी कहते हैं। इनके ईष्ट देव रुद्रावतार दत्तात्रेय हैं। इसका केंद्र वाराणसी के हनुमान घाट पर माना जाता है। हरिद्वार में मायादेवी मंदिर के पास इनका आश्रम है। इस अखाड़े के नागा साधु माने जाते हैं और वर्तमान में साधू समाज का यही सबसे बड़ा अखाड़ा माना जाता है।

3. महानिर्वाण अखाड़ा- यह अखाड़ा 681 ईस्वी में स्थापित हुआ माना जाता है। कुछ लोगों का मत है कि इसकी स्थापना बिहार-झारखण्ड के बैजनाथ धाम में हुआ था, जबकि कुछ इसका जन्म स्थान हरिद्वार में नील धारा के पास मानते हैं। इनके ईष्ट देव कपिल महामुनि हैं। इनकी शाखाएं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन, त्र्यंबकेश्वर, ओंकारेश्वर और कनखल में हैं।

4. अटल अखाड़ा- यह अखाड़ा 569 ईस्वी में गोंडवाना क्षेत्र में स्थापित किया गया बताया जाता है। इनके ईष्ट देव भगवान गणेश हैं। यह सबसे प्राचीन अखाड़ों में से एक माना जाता है। इसकी मुख्य पीठ पाटन में है लेकिन आश्रम कनखल, हरिद्वार, इलाहाबाद, उज्जैन व त्र्यंबकेश्वर में भी हैं।

5. आह्वान अखाड़ा- माना जाता है कि यह अखाड़ा 646 में स्थापित हुआ और 1603 में पुनर्संयोजित किया गया। इनके इष्ट देव श्री दत्तात्रेय और श्री गजानन हैं। इस अखाड़े का केंद्र स्थान काशी है। इसका आश्रम ऋषिकेश में भी है।

6. आनंद अखाड़ा- इस अखाड़े की स्थापना 855 ईस्वी में मध्यप्रदेश के बेरार में मानी जाती है। इसका केंद्र वाराणसी में है। इसकी शाखाएं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन में भी हैं।

7. पंचाग्नि अखाड़ा- ऐसी मान्यता है कि इस अखाड़े की स्थापना 1136 में हुई थी। इनकी इष्ट देव गायत्री हैं और इनका प्रधान केंद्र काशी है। इनके सदस्यों में चारों पीठ के शंकराचार्य, ब्रहमचारी, साधु व महामंडलेश्वर शामिल हैं। परंपरानुसार इनकी शाखाएं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन व त्र्यंबकेश्वर में हैं।

8. नागपंथी गोरखनाथ अखाड़ा- गोरखपंथियों के अनुसार यह अखाड़ा ईस्वी 866 में अहिल्या-गोदावरी संगम पर स्थापित हुआ। इनके संस्थापक पीर शिवनाथजी हैं। इनका मुख्य दैवत गोरखनाथ है और इनमें बारह पंथ हैं। यह संप्रदाय योगिनी कौल नाम से प्रसिद्ध है और इनकी त्र्यंबकेश्वर शाखा त्र्यंबकंमठिका नाम से प्रसिद्ध है।

9. वैष्णव अखाड़ा- यह बालानंद गैर शैव अखाड़ा ईस्वी 1595 में दारागंज में श्री मध्यमुरारी में स्थापित हुआ। समय के साथ इनमें निर्मोही, निर्वाणी, खाकी आदि तीन संप्रदाय बने। इनका अखाड़ा त्र्यंबकेश्वर में मारुति मंदिर के पास था। 1848 तक शाही स्नान त्र्यंबकेश्वर में ही हुआ करता था। परंतु 1848 में शैव व वैष्णव साधुओं में पहले स्नान कौन करे इस मुद्दे पर झगड़े हुए। श्रीमंत पेशवाजी ने यह झगड़ा मिटाया। उस समय उन्होंने त्र्यंबकेश्वर के नजदीक चक्रतीर्था पर स्नान किया।

10.उदासीन पंचायती बड़ा अखाड़ा- इस संप्रदाय के संस्थापक श्री चंद्रआचार्य उदासीन हैं। इनमें सांप्रदायिक भेद हैं। इनमें उदासीन साधु, मंहत व महामंडलेश्वरों की संख्या ज्यादा है। उनकी शाखाएं शाखा प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, त्र्यंबकेश्वर, भदैनी, कनखल, साहेबगंज, मुलतान, नेपाल व मद्रास में है।

11.उदासीन नया अखाड़ा- इसे बड़ा उदासीन अखाड़ा के कुछ सांधुओं ने विभक्त होकर स्थापित किया। इनके प्रवर्तक मंहत सुधीरदासजी थे। इनकी शाखाएं प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, त्र्यंबकेश्वर में हैं।

क्या तालिबान से खत्म हो रहीं दूरियां?

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार बनने के बाद भारत के साथ उसके रिश्तों में दूरी आ गई है। मगर अब अफगानिस्तान ने फिर से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। वहां के कार्यवाहक विदेशमंत्री ने मानवीय सहायता के लिए भारत का आभार जताते हुए कहा कि वे अर्थव्यवस्था केंद्रित विदेश नीति के अनुरूप राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने अपील की कि भारत व्यापारियों, रोगियों और विद्यार्थियों के लिए वीजा जारी करना शुरू करे। उनकी अपील पर भारत ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, भारत भी चाहता है कि अफगानिस्तान के साथ उसके रिश्ते फिर से मजबूत हों। उसके साथ व्यापारिक गतिविधियां बढ़ें और परियोजनाओं पर काम शुरू हो। मगर चूंकि वहां तालिबान के सत्ता में आने के बाद दुनिया के अनेक देशों ने उस पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए और तालिबान के सत्ता हथियाने के तरीके को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध माना गया, इसलिए भारत ने भी स्वाभाविक ही उससे दूरी बना ली। हालांकि जरूरत के वक्त भारत उसे मानवीय सहायता प्रदान करता रहा है। मगर अफगानी छात्रों के लिए वीजा जारी करने संबंधी फैसले को लेकर काफी समय से मंथन चल रहा है। इसलिए इस पर भारत के लिए विचार करना मुश्किल नहीं है। दरअसल, वीजा न मिल पाने के कारण भारत में पढ़ रहे बड़ी संख्या में अफगानी छात्रों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। अफगानिस्तान व्यापारिक रूप से भारत का एक बड़ा सहयोगी पड़ोसी रहा है। भारतीय कंपनियां वहां की विकास परियोजनाओं में लगी रही हैं। इस तरह, तालिबान के सत्ता में आने के बाद बनी दूरी से दोनों देशों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। दुनिया के कई देश अपने रणनीतिक लाभ के लिए अफगानिस्तान के साथ रिश्ते फिर से बहाल कर लिए हैं। ऐसे में, भारत के लिए बहुत देर तक दूरी बनाए रखना भी ठीक नहीं समझा जा रहा। सार्क समूह के विखंडित होने के बाद उपजी स्थितियों का लाभ चीन उठाने का प्रयास कर रहा है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों को देनी होगी राहत

(प्रह्लाद सबनानी)

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मध्यमवर्गीय परिवारों की प्रमुख भूमिका रहती है। देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के माध्यम से निर्मित होती है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार जब मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल होते हैं तो उन्हें नया स्कूटर, नया फ्रिज, नया एयर कंडिशनर, नया टीवी एवं इसी प्रकार के कई नए पदार्थों (उत्पादों) की आवश्यकता महसूस होती है। साथ ही, नए मकानों की मांग भी मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच से ही निर्मित होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि जिस देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेजी से बढ़ती है उस देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता है। भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली कम्पनियों का इस संदर्भ में आंकलन बेहद चौंकाने वाला है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री एवं लाभप्रदता में भी कमी दिखाई दी है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों के खातों में सहायता राशि सीधे ही जमा की जा रही है। विभिन्न राज्यों द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहिना योजना आदि माध्यम से महिलाओं के खातों में सीधे ही राशि जमा की जा रही है। इसके साथ ही इन परिवारों के सदस्यों को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होने लगे हैं। जिससे इस श्रेणी के परिवारों में से कई परिवार अब मध्यमवर्गीय श्रेणी के परिवारों में शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय श्रम मंत्री ने हाल ही में भारतीय संसद को बताया है कि देश में पिछले 10 वर्षों में रोजगार उपलब्ध नागरिकों की संख्या 36 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 64.33 करोड़ के स्तर पर आ गई है, यह संख्या वर्ष 2014-15 में 47.15 करोड़ के स्तर पर थी। वर्ष 2024 से वर्ष 2014 के बीच, 10 वर्षों में रोजगार में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी अर्थात इस दौरान केवल 2.9 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हो सकीं थी, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 17.19 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हुई हैं, यह लगभग 6 गुना से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। पिछले केवल एक वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2023-24 के बीच ही देश में लगभग 4.6 करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। कृषि क्षेत्र में वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच कृषि के क्षेत्र में रोजगार में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। इसी प्रकार विनिर्माण के क्षेत्र में भी वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में केवल 6 प्रतिशत दर्ज हुई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। सेवा के क्षेत्र में तो और भी अधिक तेज वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच सेवा के क्षेत्र में रोजगार 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा था, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5615

	9	2					7	4
				2	3			5
4								
	6			3	4			7
2		8	7	1	5	4		9
1			6	9			3	
								8
8			5	6				
7	4					3	2	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5614

8	5	1	7	2	9	6	4	3
4	2	3	5	6	8	1	7	9
7	9	6	1	4	3	2	8	5
2	8	7	3	1	5	4	9	6
3	6	9	4	8	7	5	2	1
1	4	5	6	9	2	8	3	7
9	7	2	8	5	6	3	1	4
5	1	8	9	3	4	7	6	2
6	3	4	2	7	1	9	5	8

वर्ग पहेली 5615

1	2	3	4		5	6	
7					8		9
10			11	12			
			13				
14			15		16	17	
	18	19			20		
21				22		23	
24					25		

संकेत: बाएं से दाएं
1. ब्रिटेन ने इस देश को 29 अगस्त 1945 को जापान से मुक्त किया (4)
5. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
7. विवाह के पूर्व की एक रस्म (4)
8. नितांत अंतिम, छोरस्थ, पराकाष्ठात्मक (3)
10. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
11. लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने अपना सरगमी सफर इस फिल्म से शुरू किया (5)
13. जंगल, अरण्य, कानन (2)
14. ईर्ष्या, जलन, खुन्नस, रश्क (2)
15. भय, खौफ, दहशत (2)
16. भास्कर, दिनपति, दिवाकर (2)
18. प्रशस्ति स्तंभ, धौलहरा, लाट (3)
22. जो रिश्ते में नाना का पिता हो (4)
24. 1948 में प्रदर्शित आग वह पहली फिल्म थी जिसमें अभिनेता के साथ-साथ निर्माता-निर्देशक के रूप में भी ये अभिनेता सामने आए (5)
25. घोड़ों द्वारा खींचकर ले जानी वाली सवारी का चलन प्राचीनकाल में था (2)

ऊपर से नीचे
1. जल्दी-जल्दी और लंबी-लंबी सांसे लेना (3)
2. अनर्थ बोध, बदगुमानी, भ्रांत धारणा (6)
3. मालवी में प्याज को यह कहते है (2)
4. बारूद को अंग्रेजी में यह कहा जाता है (6)
5. पुनरागत, लौटा हुआ, प्रतिगत, शेखर पुरोहित अलका अभिनीत 1969 की फिल्म (3)
6. दायित्व, कार्यभार, जिम्मा (5)
9. नगीना, रत्न (2)
12. दौड़ने वाला, धावक (3)
17. पूरे संसार का स्वामी होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
19. मुलायम, मृदु, कोमल (3)
20. सूती धागा, रज्जू (2)
21. पुराणानुसार कामाक्षी का चौथा रूप, शब्द ब्रह्म, परमार्थ का कराने वाली विद्या (2)
22. किंतु, परंतु, पंख, डैना (2)
23. नारी का अपभ्रंश, मोटा रस्सा (2)

वर्ग पहेली 5614 का हल

आ	बि	द्या	सु	त्ता	न		ट
ज	ज		ख		या	घि	का
त	ली		दा	य	रा		
क		त	य		स्ता	व	क
	अ	ट	क	ल		न	र
लू		व		क्ष		गो	वा
	फु	र्ती	ला		ना	च	
जा	ट		भ	र	ता	र	

आज का राशिफल

मेष

आज कोई भी काम बिना सोचे नहीं करना चाहिए। जमीन जायदाद के मामले में किसी विवाद में आपकी हानि हो सकती है। भौतिक सुख के साधनों की वृद्धि होगी। आप अपनी बात को लोगों के समक्ष दृढ़तापूर्वक रखने में कामयाब होंगे। रात का समय आनंद में बीतेगा आपका दिन मौज मस्ती में बीतेगा। आपको नजदीक की यात्रा भी सावधानीपूर्वक करने की सलाह है।

वृष

आज धन लाभ के योग हैं और आर्थिक लाभ- मान प्रतिष्ठा भी मिलेगी। कई समस्याओं से मुक्ति, सम्मान भी होगा। मुश्किल काम भी आत्मविश्वास से पूरे करेंगे। आपकी बातों का गलत मतलब निकाला जा सकता है, इसलिए साफ़-साफ़ बात करें। धन लाभ के योग हैं। किसी की बात पर आंख बंद करके भरोसा न करें और अपने काम पर फोकस करें।

कर्क

आज लाभ का दिन है और कार्यक्षेत्र में आपकी अनुकूलता बनी रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में हर प्रकार का सहयोग प्राप्त होगी और आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। बुद्धि विवेक से लिए गए निर्णय लाभ देंगे और आपको तरक्की प्रदान करेंगे। आपके धन और पुरूषार्थ के साथ आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आपका दिन परिवार के लोगों के साथ शानदार बीतेगा।

सिंह

आज ज़मीन-जायदाद में निवेश करते समय कागज़ात अच्छे से पढ़ लेने चाहिए। फ़ैसला लेने में दिक्कत होगी। कोई बड़ा फ़ैसला लेना हो तो बड़ों से सलाह लें। बड़े अधिकारियों के सामने अपनी बात रखने में हिचकिचाहट हो सकती है। पैसे के मामले में दिन सामान्य रहेगा।प्राथमिकता देकर जरूरी काम निपटा लें। विशेष परीक्षा में सफलता के योग है।

मिथुन

आज कारेयर के मामले में लाभ होगा और आपके जीवन में चल रहे विवादों का अंत होगा। आपके खर्चे कम हो जाने से आपकी अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। अच्छे वाहन का सुख प्राप्त होगा। आपके घर में किसी कारण से विवाद बढ़ सकता है। आपके सारे काम बन जाने से आपको खुशी होगी।

कन्या

आज लाभ होगा और आपके पराक्रम में वृद्धि के योग हैं। आपकी तरक्की होगी और मान सम्मान में वृद्धि के योग हैं। अपनी वाक्पटुता और कला कौशल से आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे और शत्रुओं का अंत होगा। लेनदेन में सावधानी बरतें। धन के मारे जाने की संभावना है।

तुला

आज सफलता प्राप्त होगी और आपके धन में वृद्धि होने से आपको खुशी होगी। व्यापार के लिए नई योजनाएं बनेंगी। ऋण भार में कमी होगी। संतान पक्ष से आपको पूर्ण सुख और सहयोग प्राप्त होगा। भौतिक साधनों पर व्यय होने के योग हैं और किसी जरूरी कार्य में आपका काफी खर्च हो सकता है। आपके लिए नई विधाएं सीखने के अवसर प्राप्त होंगे। व्यर्थ व्यय से बचें।

वृश्चिक

आज दिन सफलता से भरा होगा। महत्वाकांक्षी प्रकृति वालों के लिए दिन शुभफलदायक रहेगा। यात्रा में लाभ होगी और दोपहर के बाद किसी से विवाद हो सकता है। किसी उच्च अधिकारी से वाद-विवाद होने पर कानूनी पक्ष नया मोड़ ले सकता है। आपको शाम के वक्त योजनापूर्ति से लाभ होगा। अकस्मात् अतिथि आगमन से खर्च बढ़ना संभव है।

मकर

आज करियर के मामले में लाभ होगा और किसी महान अधिकारी से आपकी भेंट और वार्ता हो सकती है। आपको खाने को उत्तम प्रकार के व्यंजन मिलेंगे। खान-पान पर विशेष नियंत्रण भी रखें अन्यथा पेट खराब हो सकता है। आपके लिए कहीं यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं और आपके धन सम्मान में वृद्धि होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

कुंभ

आज करियर के मामले में लाभ होगा और शुभ कार्य में आ रही सभी बाधाएं दूर होंगी। नवीन व्यापार के लिए नई योजनाएं बनेंगी जो आगे चलकर धन लाभ कराएंगी। आज आपको भाई बहनों का सुख और सहयोग प्राप्त होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। शाम से लेकर रात तक आपको किसी दूसरे के काम के लिए दौड़भाग करनी पड़ सकती है।

धनु

आज भाग्य साथ दे रहा है और कारोबार में आपके लिए तरक्की के संयोग बन रहे हैं। आपकी भौतिक सुख समृद्धि में वृद्धि होगी और आपके लिए रुके कार्य पूर्ण होंगे। कुटुम्बीजनों और ऑफिस में सहकर्मियों के साथ आपका विवाद बढ़ सकता है। शाम का समय धार्मिक और आध्यात्मिक मामलों में बीतेगा। आपके घर में किसी जरूरी कार्य में आपका शुभ व्यय भी हो सकता है।

मीन

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि होने से आपका आत्मविश्वास काफी बढ़ सकता है। नौकरी वाले जातकों के अधिकारों में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षा या राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में आपको विजय प्राप्त होगी। शाम के वक्त किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने से आपको खुशी होगी और आपकी तरक्की होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

संक्षिप्त समाचार

काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण का ऐलान, 15-24 फरवरी तक होगा आयोजित

काशी, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को घोषणा की कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर केंद्रित कार्यक्रम 'काशी तमिल संगमम' का तीसरा संस्करण 15 फरवरी से 24 फरवरी तक आयोजित किया जायेगा। प्रधान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के दो सबसे महत्वपूर्ण और प्राचीन शिक्षण केंद्रों तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों का जश्न मनाना और उसकी पुनः पुष्टि करना है। दस दिवसीय यह कार्यक्रम 15 फरवरी से शुरू होगा। काशी तमिल संगमम का महीने भर चलने वाले पहला संस्करण 2022 में आयोजित किया गया था। दूसरा संस्करण 2023 में 17 दिसंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित किया गया था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास और काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) कार्यक्रम के लिए दो कार्यान्वयन एजेंसियां हैं। इस वर्ष, सरकार ने तमिलनाडु से लगभग 1,000 प्रतिनिधियों को बुलाने का फैसला किया है। इनमें छात्र, शिक्षक और लेखक; किसान और कारीगर; पेशेवर और छोटे उद्यमी; महिलाएं (स्वयं-सहायता समूह, मुद्रा ऋण लाभार्थी, डीबीएचपीएस प्रचारक); स्टार्ट-अप, नवोन्मेष, शिक्षा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान से प्रतिभागी शामिल होंगे। विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत तमिल मूल के लगभग 200 छात्रों का एक अतिरिक्त समूह काशी और तमिलनाडु के बीच संबंधों को जीवंत करने के लिए इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेगा।

मणिपुर के चुराचांदपुर में अवैध अफीम की खेती नष्ट की गई

चुराचांदपुर, एजेंसी। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में 4.8 एकड़ क्षेत्र में फैली अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि असम राइफल्स, वन विभाग, पुलिस और कार्यकारी मजिस्ट्रेट की संयुक्त टीम ने बुधवार को सांगईकोट थाना क्षेत्र में हाओपी मोलेन पहाड़ी पर अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान अफीम की छह पुड़िया भी जब्त की गईं। उसने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और अवैध अफीम की खेती में शामिल लोगों की पहचान करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

गौरव भाटिया का तंज, चुनाव हार रहे केजरीवाल, ध्यान भटकाने की अपना रहे रणनीति

नईदिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने बुधवार को कहा कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ध्यान भटकाने वाली रणनीति का सहारा ले रहे हैं, जिसमें उनके कई दावों का हवाला दिया गया है, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी की संभावित गिरफ्तारी और भाजपा द्वारा रमेश बिधूड़ी को अपना सीएम उम्मीदवार घोषित करना शामिल है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने विश्वसनीय सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया कि केजरीवाल विपक्ष के नेता के लिए अमानतुल्ला खान और नरेश बालियान पर विचार कर रहे हैं क्योंकि भाजपा को दिल्ली विधानसभा चुनाव में बहुमत मिलना तय है। गौरव भाटिया ने कहा कि ये स्पष्ट होता जा रहा है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल भारत विरोधी गतिविधियों में अक्सर उन शक्तियों के साथ खड़े रहते हैं, जो भारत को कमजोर करने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए अरविंद केजरीवाल प्रेस वार्ता करके कहते हैं।

2 से अधिक बच्चे वाले नेता ही लड़ पाएंगे चुनाव, कानून बनाने की तैयारी में आंध्र प्रदेश सरकार

बेंगलुरु, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि केवल ऐसे नेता ही ही पंचायत और नगरपालिका चुनावों में भाग ले सकेंगे जिनके दो से अधिक बच्चे हों। हाल ही में आंध्र प्रदेश की विधानसभा द्वारा तीन दशक पुरानी उस कानून को रद्द कर दिया गया जिसमें दो बच्चों से अधिक वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनावों में भाग लेने से रोका गया था। आपको बता दे कि चंद्रबाबू नायडू के लिए यह कोई नई बात नहीं है। करीब एक दशक से वह इसकी वकालत कर रहे हैं। उनका मानना है कि तेलुगू परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने चाहिए ताकि बुजुर्गों की बढ़ती संख्या की समस्या का समाधान किया जा सके। पिछले साल उन्होंने अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया था।

चंद्रबाबू नायडू के इस बयान के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इस विचार को साझा करते हुए लोगों से

अधिक बच्चों को जन्म देने की अपील की थी। चंद्रबाबू नायडू मंगलवार को अपने गृह नगर नरवरिपल्ले में मकर संक्रांति के अवसर पर अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ थे। उन्होंने कहा, पहले हमारे पास एक कानून था, जो केवल दो बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय और नगरपालिका चुनावों में भाग लेने की अनुमति देता था। अब मैं कहता हूं कि जिनके पास कम बच्चे होंगे वे चुनावों में भाग नहीं ले सकेंगे। भविष्य में आप सरपंच, नगरपालिका पार्षद या मेयर तब बन सकेंगे जब आपके पास दो से अधिक बच्चे होंगे। मैं इसे प्रस्तावित नियमों में शामिल करने जा रहा हूं। आपको बता दें कि दो बच्चों की नीति दक्षिण भारतीय राज्यों में सामान्य रूप से पालन की जाती रही है। यह बात इन राज्यों के कुल प्रजनन दर से स्पष्ट है, जो कि 1.73 है। जबकि राष्ट्रीय औसत 2.1 है। वहीं, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान और झारखंड जैसे बड़े राज्यों का प्रजनन दर 2.4 है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

चंद्रबाबू नायडू ने यह भी कहा कि वह अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रोत्साहन देने के लिए एक योजना पर काम कर रहे हैं, जिसमें उन्हें पंचायत और नगरपालिका चुनावों में भाग लेने की अनुमति देने के अलावा अधिक सब्सिडी वाले चावल की आपूर्ति भी की जाएगी। वर्तमान में प्रत्येक परिवार को 25 किलो चावल दिया जाता है, जिसमें प्रत्येक सदस्य को 5 किलो चावल मिलते हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जापान, कोरिया और कई यूरोपीय देशों ने परिवार नियोजन नीति को प्रोत्साहित किया है क्योंकि वहां का कुल प्रजनन दर बहुत कम है। ये देश आज बुजुर्गों की बढ़ती संख्या की समस्या से जूझ रहे हैं और भारतीयों को अपने देशों में बसने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह भारत के लिए भी एक चेतावनी है, क्योंकि हमने परिवार नियोजन को प्रोत्साहित किया है और परिवारों को सीमित संख्या में बच्चों तक सीमित करने की सलाह दी है। कुछ वर्षों में भारत भी बुजुर्गों की बढ़ती संख्या की समस्या का सामना करेगा और उस समय हमारे पास बहुत कम विकल्प होंगे।

शुभेंदु अधिकारी ने महिला की मौत पर ममता की गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग की

कोलकाता , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के एक सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर समयावधि बीत जाने के बाद इस्तेमाल किये गये 'इंट्रावेनस फ्लूइड' के कारण प्रसव के बाद एक महिला की मौत के मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग की। यहां स्वास्थ्य भवन में भाजपा विधायकों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते तृममूल प्रमुख आरोपों से खुद को मुक्त नहीं कर सकतीं। उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि गरीब महिला की मौत के लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि बनर्जी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत पद छोड़

देना चाहिए। मिदनापुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एमएमसीएच) में कथित तौर पर इस्तेमाल की अवधि खत्म हो चुके 'इंट्रावेनस फ्लूइड' (शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिये नसों के माध्यम से दिया जाने वाला तरल) के इस्तेमाल के कारण बच्चे को जन्म देने के बाद एक महिला की मौत हो गई थी और चार अन्य की हालत गंभीर है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के लिए 13 सदस्यीय समिति गठित की।

पहाड़ के पास हौसला और क्षमता, करेंगे और बेहतर

विशेष संवाददाता | देहरादून

पहाड़ के पास हौसला है। जज्बा है। क्षमता है। हम और बेहतर करेंगे। साहसिक खेलों का सर्वोच्च पुरस्कार जीत चुकीं शीतल की राष्ट्रीय खेलों पर यह पहली प्रतिक्रिया है। उनके दावे में दम दिखता है। हौसला, जज्बा और क्षमता की बात को उन्होंने खुद भी साबित करके दिखाया है। तेनजिंग नोर्गे नेशनल अवार्ड के रूप में उनके पास साहसिक खेलों का देश का सबसे बड़ा पुरस्कार है। 8188 मीटर ऊंचाई पर स्थित माउंट चो ओयू पर्वत चोटी को फतह करने वाली वह पहली भारतीय महिला बनी हैं। शीतल का मानना है-38 वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से उत्तराखंड में खेल विकास का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। शीतल वर्ष 2018 में एवरेस्ट फतह कर चुकी हैं। पिथौरागढ़ जिले के सल्लोड़ा गांव की निवासी

हैं। राष्ट्रीय खेलों के आयोजन पर उनका मानना है कि पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्रों के खिलाड़ियों को आगे आने का मौका मिलेगा। अभी तक हमारे खिलाड़ी खेलने के लिए दूसरी जगह जाते थे। अब उन्हें अपने घर में ही तमाम सुविधाएं उपलब्ध होंगी। एक बातचीत में शीतल ने कहा-पहाड़ के खिलाड़ियों ने संसाधनों के अभाव में भी अपनी प्रतिभा को साबित किया है। राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से सुविधाओं का जिस हिसाब से विस्तार हो रहा है, वह संभावनाएं जगाता है। -राष्ट्रीय खेलों के 38 वें संस्करण में राफ्टिंग को शामिल किया गया है। हालांकि यह डेमो गेम है और इसे मेडल गेम में शामिल नहीं किया गया है। टनकपुर में राफ्टिंग गेम प्रस्तावित हैं। राफ्टिंग को राष्ट्रीय खेलों में शामिल किए जाने से शीतल उत्साहित हैं। शीतल का कहना है कि भले ही राफ्टिंग डेमो गेम है, लेकिन इससे साहसिक खेलों को लेकर संभावनाएं जगी हैं। शीतल का अपना खेल पर्वतारोहण राष्ट्रीय खेलों का हिस्सा नहीं है। हालांकि ओलंपिक व एशियाई खेलों में पर्वतारोहण के कुछ प्रारूपों की स्पर्धाएं आयोजित की जाती हैं।

अब संत तिरुवल्लुवर के चित्र पर छिड़ा नया विवाद, गवर्नर के खिलाफ कांग्रेस ने खोला मोर्चा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के गवर्नर आरएन रवि ने बुधवार को संत कवि एवं दार्शनिक तिरुवल्लुवर की जयंती के मौके पर भगवा पृष्ठभूमि वाले उनके एक चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे वहां सियासी विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई ने भगवा पृष्ठभूमि में तिरुवल्लुवर के चित्रण को अस्वीकार्य बताया है और केंद्र सरकार से रवि को राज्यपाल पद से तत्काल हटाने की मांग की है। रवि ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में तिरुक्कुरल (राजनीति, प्रेम, नैतिकता और अर्थशास्त्र से संबंधित विषयों पर दोहों का संग्रह है) को विरासत में देने के लिए तिरुवल्लुवर की तारीफ की और इस काव्य रचना को अद्वितीय ज्ञान के भंडार और अतुलनीय मार्गदर्शक के रूप में सराहा। संत कवि एवं दार्शनिक तिरुवल्लुवर के सम्मान में तमिल महीने 'थाई' के दूसरे दिन को तिरुवल्लुवर दिवस के रूप में मनाया जाता है। चेन्नई में राज भवन परिसर में रवि ने तिरुवल्लुवर के एक चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की, जिसमें उन्हें भगवा पृष्ठभूमि में रुद्राक्ष की माला, विभूति और कुमकुम जैसे धार्मिक चिह्नों के साथ दिखाया गया है।

तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागई ने भगवा पृष्ठभूमि में तिरुवल्लुवर के चित्रण को 'अस्वीकार्य' करार दिया। उन्होंने कहा कि तिरुवल्लुवर के ऐसे चित्र का उपयोग करना, जिससे धार्मिक झुकाव प्रदर्शित होता हो और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चित्र का इस्तेमाल

नहीं करना कानून के खिलाफ है।

सेल्वापेरुन्थागई ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, यह निंदनीय और अफसोसजनक है कि राज्यपाल ऐसा कर रहे हैं, जबकि कानून को बनाए रखना उनका कर्तव्य है। केंद्र सरकार को रवि को राज्यपाल पद से हटा देना चाहिए, क्योंकि वह न केवल तमिलनाडु सरकार का, बल्कि तमिल जाति और तिरुवल्लुवर का भी लगातार अपमान कर रहे हैं।

रवि ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, भारत के तमिल संरक्षक संत तिरुवल्लुवर को राष्ट्र अत्यंत कृतज्ञता और अत्यंत श्रद्धा के साथ याद करता है। कई हजार साल पहले उन्होंने हमें अद्वितीय ज्ञान का भंडार 'तिरुक्कुरल' दिया, जो हर व्यक्ति और संस्थान के लिए अतुलनीय मार्गदर्शक है। भारत की सनातन सभ्यता परंपरा में उन्होंने हमें व्यक्तिगत और सामूहिक जीवन में ईश भक्ति की महत्ता बताई और सदाचार की शिक्षा दी।

राज्यपाल ने कहा, तिरुवल्लुवर ने समाज के सभी वर्गों के साथ-साथ शासकों के लिए एक व्यापक सदाचार संहिता बनाई। यद्यपि हम आज तिरुवल्लुवर दिवस मना रहे हैं, लेकिन वह दैनिक आधार पर हमारे मार्गदर्शक बने हुए हैं और इसलिए उन्हें हर दिन याद किया जाना चाहिए और उनकी विरासत का जश्न मनाया जाना चाहिए। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद, जो तिरुवल्लुवर के महान भक्त हैं। 'तिरुक्कुरल' की शिक्षाएं अब दुनिया भर में गूंज रही हैं।

महाकुंभ में अब दिखें 'कांटे वाले बाबा, 50 सालों से कांटों पर कर रहे हैं तपस्या?

प्रयागराज, एजेंसी। संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ के बीच करोड़ों श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा हुआ है। यहां आस्था के अलग-अलग अनोखे रूप भी दिख रहे हैं। स्प्लेंडर बाबा से लेकर आईआईटीयन बाबा तक इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस बीच अब कांटे वाले बाबा इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहे हैं। इनका नाम रमेश कुमार मांझी है और साधना करने के अपने अनोखे अंदाज की वजह से यह महाकुंभ में आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। यह बाबा कांटों के सेज पर ही साधना करते हैं और इसीलिए इन्हें कांटे वाले बाबा का नाम दिया गया है। वह पिछले 50 सालों से हर साल यह साधना करते हैं और उनका कहना है कि इन कांटों से उनको नुकसान नहीं पहुंचता है। पूछे जाने पर वह कहते हैं, मैं गुरु की सेवा करता हूं। गुरु ने हमें ज्ञान दिया, आशीर्वाद दिया। यह सब भगवान की महिमा है जो मुझे ऐसा करने में मदद करती है। मैं पिछले 40-50 सालों से हर साल ऐसा करता आ रहा हूं।

बाबा के मुताबिक वह उज्जैन, हरिद्वार, नासिक और गंगासागर भी जाते हैं। वह कहते हैं कि कांटों पर लेटने से उन्हें फायदे भी होते हैं। कांटे वाले बाबा ने बताया, मैं ऐसा इसलिए करता हूं क्योंकि इससे मेरे शरीर को लाभ होता है। इससे मुझे कभी कोई तकलीफ नहीं होती। वह कहते हैं, मुझे दिन भर में हजार रुपए मिल जाते हैं। जो दक्षिणा मिलेगी उसका आधा हिस्सा मैं जन्माष्टमी में दान कर दूंगा और बाकी से अपना खर्चा पानी निकालूंगा।

छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले में गिरफ्तारी पर बोले कवासी लखमा- मैं अनपढ़ हूं

नहीं पता किसपर किए हस्ताक्षर

रायपुर, एजेंसी। भूपेश बघेल कैबिनेट में आबकारी मंत्री रहे कवासी लखमा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें रायपुर की एक विशेष अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 21 जनवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया। कोंटा से छह बार विधायक रहे 67 साल के लखमा पर 2,161 करोड़ रुपये के शराब घोटाले का आरोप है। यह घोटाला कथित तौर पर 2019 से 2023 के बीच हुआ था, जब वे बघेल मंत्रिमंडल का हिस्सा थे।

ईडी को मिली 6 दिन की हिरासत: रायपुर में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की विशेष अदालत में लखमा को पेश करते हुए ईडी ने दावा किया कि पूर्व मंत्री को कथित घोटाले से 72 करोड़ रुपये मिले। उन्होंने उस पैसे का कुछ हिस्सा कांग्रेस कार्यालय और अपने बेटे हरीश के लिए सुकमा में घर बनाने में इस्तेमाल किया। ईडी ने अपने वकील सौरभ कुमार पांडे के जरिए धन के स्रोत का पता लगाने के लिए लखमा की हिरासत मांगी। लखमा के वकील फैसल रिजवी ने पुष्टि की कि कांग्रेस नेता को छह दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है।

पूर्व मंत्री और उनके बेटे के आवास पर छापेमारी: लखमा की गिरफ्तारी ईडी द्वारा उनसे जुड़े ठिकानों पर छापेमारी के एक पखवाड़े (15 दिन) से कुछ ज्यादा समय बाद हुई है, जिसमें राजधानी रायपुर में उनके आधिकारिक आवास और सुकमा में उनके बेटे हरीश के आवास पर भी शामिल था। यह मामला उन आरोपों से जुड़ा है कि एक आपराधिक गिरोह, आबकारी अधिकारियों की मिलीभगत से, सरकारी शराब की दुकानों में अवैध शराब की तस्करी कर रहा था। साथ ही शराब की बिक्री से अवैध कमीशन वसूल रहा था।

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, बेंगलुरु में खुलेगा अमेरिकी वाणिज्य दूतावास

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की लंबे समय से चली आ रही मांग 17 जनवरी को हकीकत बन जाएगी। बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने इस संबंध में घोषणा की है। भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''मेरे प्यारे बेंगलुरु, यह आधिकारिक घोषणा है। 17 जनवरी को अमेरिकी वाणिज्य दूतावास खुल रहा है।'' उन्होंने इसे संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर की सराहना की। आभार व्यक्त करते हुए 34 वर्षीय सांसद ने जयशंकर को मैसूर पाक भेजा। सूर्या ने कहा, ''यह केवल और केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर के प्रयासों के कारण संभव हुआ है। हमारे विदेश मंत्री को धन्यवाद देने के लिए हमारे अपने मैसूर पाक को भेजने के अलावा कोई और बेहतर तरीका क्या हो सकता है!

डब्ल्यूपीएल:

आरसीबी ने इंग्लैंड की ऑलराउंडर को टीम में शामिल किया, चोटिल सोफी मोलिनू की जगह लेगी

बेंगलुरु एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए चोटिल सोफी मोलिनू की जगह बृहस्पतिवार को इंग्लैंड की ऑलराउंडर चार्ली डीन को शामिल किया।

फ्रेंचाइजी ने कहा कि मोलिनू घुटने की चोट के कारण डब्ल्यूपीएल के तीसरे चरण में नहीं खेल पाएंगी। डीन इंग्लैंड के लिए तीन टेस्ट और 39 वनडे के अलावा 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं। वह 30 लाख रुपए में आरसीबी से जुड़ेंगी। ऑस्ट्रेलिया की मोलिनू इससे पहले घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप वनडे श्रृंखला से बाहर हो गई थीं। गत चैम्पियन आरसीबी ने पिछले चरण के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया था।

इस खबर ने मुझे हंसाया, जसप्रीत बुमराह ने चैंपियंस ट्रॉफी के बीच बेड रेस्ट की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है जिसमें दावा किया गया है कि चैंपियंस ट्रॉफी से पहले उन्हें बेड रेस्ट की सलाह दी गई है। इससे पहले बुधवार को एक रिपोर्ट में बताया गया था कि बुमराह को घर पर आराम करने की सलाह दी गई है जिससे चैंपियंस ट्रॉफी में उनके भाग लेने पर संदेह पैदा हो गया है, जो 19 फरवरी से शुरू होगी।

अब तेज गेंदबाज ने इस मामले पर खुलकर बात की है और इसे फर्जी खबर करार दिया है। बुमराह ने एक्स पर पोस्ट किया, मुझे पता है कि फर्जी खबरें फैलाना आसान है, लेकिन इस खबर ने मुझे हंसाया। स्रोत अविश्वसनीय हैं। बुमराह को पिछले हफ्ते सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के निर्णायक पांचवें टेस्ट के दौरान चोट लग गई थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं की और भारत मैच के साथ ही सीरीज (1-3) भी हार गया।

बुमराह ने सीरीज का अंत 32 विकेट के साथ किया जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है, और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। कप्तान रोहित शर्मा द्वारा पर्थ में सीरीज के शुरुआती मैच को छोड़ने का फैसला करने के बाद भारत ने उनके नेतृत्व में दौरे का अपना एकमात्र मैच जीता।

आंद्रे रसेल ने 200 की स्ट्राइक रेट से ठोके रन, मारे सिर्फ छक्के ही छक्के, टीम की जीत की लिखी बंपर स्क्रिप्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। आंद्रे रसेल. अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी का नजारा दिखाने को वर्ल्ड फेमस हैं. और, यही काम उन्होंने फिर एक बार इंटरनेशनल लीग टी20 यानी ILT20 में किया है. ILT20 में आंद्रे रसेल अबू धाबी नाइट राइडर्स के ना सिर्फ खिलाड़ी हैं, बल्कि कप्तान भी है. और, इन दोनों ही भूमिकाओं में वो अब तक खरे उतरे हैं. पहला मुकाबला गंवाने के बाद अबू धाबी नाइट राइडर्स ने दूसरा मुकाबला शानदार अंदाज में जीता. टीम का दूसरा मैच शारजाह वॉरियर्ज से था, जिसमें उसने 30 रन की बंपर जीत दर्ज की.

इस जीत के नायक भले ही कभी धोनी-विराट के पुराने आईपीएल साथी रहे डेविड विली बने. लेकिन, इसकी बुनियाद आंद्रे रसेल ने 200 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर पहले ही लिख दी थी.

ऑस्ट्रेलियन ओपन:

स्वीयाटेक तीसरे राउंड में, राडुकानू से भिड़ेंगी

मेलबर्न, एजेंसी। इगा स्वीयाटेक ने गुरुवार को स्लोवाकिया की रेबेका स्रामकोवा को 6-0, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश किया। अपेक्षाकृत हल्की और हवादार परिस्थितियों में, स्वीयाटेक ने 16 विनर्स लगाए और 14 अनफोर्स्ड एरर किए और उन्हें ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कोर्ट पर दबदबा बनाया और 26 रैलियों में से 20 में जीत हासिल की, जो पांच शॉट या उससे अधिक समय तक चलीं।

स्वीयाटेक ने कहा, मैंने आज वास्तव में ठोस महसूस किया। यह वास्तव में एक कुशल खेल था। मुझे खुशी है कि मैंने अपना ध्यान बनाए रखा क्योंकि कभी-कभी आपको लगता है कि यह थोड़ा आसान लगता है और यह बाद में समस्या पैदा कर सकता है क्योंकि आपका ध्यान भटक सकता है, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने अपना ध्यान बनाए रखा और मैं ठोस थी। स्वीयाटेक ने अब ग्रैंड स्लैम में पहले दो राउंड में अपने पिछले 40 मैच जीते हैं। स्रामकोवा के खिलाफ उनका पहला सेट 2020 की शुरुआत से ग्रैंड स्लैम में उनका 24वां 6-0 सेट है। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, आर्यना सबालेंका नौ सेट के साथ इस अवधि में अगली सर्वश्रेष्ठ हैं।

तीसरे दौर में स्वीयाटेक 2021 यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू से भिड़ेंगी।

राडुकानू अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ दूसरे दौर में एक कठिन ड्रॉ से गुज़रीं, दोनों सेटों में ब्रेक डाउन से वापस आकर 6-3, 7-5 से जीत दर्ज की और पहली बार मेलबर्न पार्क में तीसरे दौर में जगह बनाई।

स्वीयाटेक 61वें नंबर की राडुकानू के खिलाफ़ अपराजित हैं, उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए पिछले तीनों मुकाबलों में जीत हासिल की है। उनका आखिरी मुकाबला पिछले साल स्टटगार्ट में क्ले पर हुआ था। क्वार्टर फ़ाइनल में स्वीयाटेक ने 7-6(2), 6-3 से जीत हासिल की। स्वीयाटेक ने तीसरे राउंड तक पहुंचने के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया है, और मेलबर्न के बाद सबालेंका से डब्ल्यूटीए रैंकिंग नंबर 1 को फिर से हासिल करने की उनकी कोशिश पर उनकी प्रगति का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है।

मेलबर्न पार्क से शीर्ष स्थान के साथ जाने का मौका तीन खिलाड़ियों के पास था- सबालेंका, स्वीयाटेक और नंबर 3 कोको गॉफ। तीसरे राउंड में जगह बनाकर स्वीयाटेक ने गॉफ के नंबर 1 पर रहने के अवसरों को समाप्त कर दिया है और सबालेंका के लिए गणना बदल दी है, जिन्हें अब शीर्ष स्थान पर बने रहने के लिए सेमीफाइनल में जगह बनानी होगी।

एसए 20:

पार्ल रॉयल्स ने मुंबई केपटाउन को 6 विकेट से हराया

पार्ल, एजेंसी। उदीयमान सितारे लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने शानदार अर्धशतक लगाया जिसकी मदद से पार्ल रॉयल्स ने एसए 20 लीग के मैच में मुंबई केपटाउन को छह विकेट से मात दी। 18 वर्ष के प्रिटोरियस ने 52 गेंद में 83 रन की पारी में तीन छक्के और आठ चौके लगाये ।

इसी मैदान पर पदार्पण मैच में उन्होंने 97 रन बनाए थे। मुंबई इंडियंस केपटाउन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 158 रन बनाए थे। प्रिटोरियस को पारी में दो जीवनदान भी मिले जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। वह एमआई केपटाउन के कप्तान राशिद खान की शानदार फील्डिंग पर रन आउट होकर पवेलियन लौटे। रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने नाबाद 22 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले एमआई केपटाउन ने रासी वान डेर डुसेन के 64 गेंद में नाबाद 91 रन की मदद से मजबूत स्कोर बनाया। रीजा हेंडरिक्स ने 30 रन का योगदान दिया लेकिन मुजीबुर रहमान ने जैसे ही उन्हें आउट किया, उनकी टीम की लय टूट गई। एमआई केपटाउन इस हार के बावजूद नौ अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि रॉयल्स और जोबर्ग सुपर किंग्स आठ अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

देवदत्त पडिक्कल ने ऋतुराज, एबी डिविलियर्स, कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान नहीं किया गया है और अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति कथित तौर पर भारतीय टीम की घोषणा होने से पहले विजय हजारे ट्रॉफी के खत्म होने का इंतजार कर रही है, लेकिन इस टूर्नामेंट में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय सेलेक्टर्स की परेशानी बढ़ा दी है कि टीम में किसे जगह दें और किसे अभी मौका नहीं दिया जाए। विजय हजारे टूर्नामेंट में कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का प्रदर्शन भी निरंतर रहा है और उन्होंने बुधवार को विजय हजारे ट्रॉफी में लगातार सातवां अर्धशतक जड़कर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया। वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में 238 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ओवर में ही कप्तान और इस टीम के लिए इस सीजन में रन बनाने वाले बल्लेबाज मयंक अग्रवाल का विकेट गंवा दिया।

मयंक के आउट होने के बाद देवदत्त पडिक्कल ने टीम की पारी को संभालने का काम किया और 86 रन की शानदार पारी खेलते हुए अपनी टीम को 5 विकेट से जीत दिला दी। उन्होंने स्मरण के

साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 128 रन की शानदार साझेदारी की और टीम की जीत में दोनों ने बड़ी भूमिका निभाई। अपनी इस पारी के दम पर देवदत्त पडिक्कल ने लिस्ट ए क्रिकेट में अपने 2000 रन पूरे किए और ऋतुराज गायकवाड़, माइकल बेवन, विराट कोहली और एबी डिविलियर्स जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया।

भारतीय वनडे टीम में एंट्री का ठोका दावा

देवदत्त पडिक्कल ने लिस्ट ए क्रिकेट में 2000 रन 82.38 की औसत से बनाए हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में कम से कम 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में सबसे ज्यादा की औसत से रन बनाने के मामले में वो पहले नंबर पर पहुंच गए। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ हैं जिनका औसत 58.16 का रहा है जबकि तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी माइकल बेवन हैं जिनका औसत (57.86) का है जबकि विराट कोहली (57.05) और एबी डिविलियर्स (53.47) चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

पडिक्कल ने इससे पहले वाले मैच में यानी क्वार्टर फाइनल में उन्होंने बड़ोदा के खिलाफ 102 रन की पारी खेली और अपनी इन पारियों से उन्होंने भारतीय वनडे टीम में एंट्री का दरवाजा खटखटा दिया है।

उनके लिस्ट ए करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक खेले 32 मैचों में 82.52 की औसत के साथ 2063 रन बनाए हैं और इस दौरान 3 शतक व 17 अर्धशतक लगाए हैं। लिस्ट ए में उनका बेस्ट प्रदर्शन नाबाद 124 रन रहा है। देवदत्त भारत के लिए टेस्ट और टी20 प्रारूप में खेल चुके हैं, लेकिन वनडे प्रारूप में वो डेब्यू नहीं कर पाए हैं।

खो-खो विश्वकप:

भारतीय पुरूष ने क्वार्टर फाईनल में किया प्रवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष और महिला टीम ने खो-खो विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पुरुष टीम ने पेरू पर 70-38 से और महिला टीम ने ईरान को 100-16 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। महिला टीम ने इससे पहले दक्षिण कोरिया को 175-18 के विशाल अंतर से हराया था। ईरान के खिलाफ महिला टीम ने पहले 33 सेकंड में ही विरोधी टीम के पहले बैच को बाहर कर दिया। अश्वनी की अगुवाई में किए गए आक्रमण में मीनू कई बार विरोधियों को छू कर अंक जुटाए। भारत ने पहले टर्न को 50 अंक के अंतर से जीता। प्रियंका इंगले को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। पुरुष टीम के लिए आदित्य पोटे, शिवारेड्डी और सचिन भार्गो ने शानदार प्रदर्शन किया।

कुलदीप यादव ने शुरू की गेंदबाजी, इंग्लैंड के खिलाफ खेल सकते हैं वनडे सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज और आगामी ICC चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया में वापसी की तैयारी के लिए नेट्स में अभ्यास करना शुरू कर दिया है। इंस्टाग्राम पर कुलदीप ने नेट्स में गेंदबाजी करते हुए एक वीडियो साझा किया जिसमें वह अपने अभ्यास सत्र में पूरी तरह से लॉक इन नजर आ रहे हैं। कुलदीप पिछले साल नवंबर से इस साल जनवरी तक आयोजित ऑस्ट्रेलिया के बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी दौरे के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे क्योंकि उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के अंत के बाद उनके पुराने बाएं कमर के दर्द के दीर्घकालिक समाधान के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में भेजा गया था। भारत के लिए उनका आखिरी मैच न्यूजीलैंड सीरीज का पहला टेस्ट था जिसमें उन्होंने तीन विकेट लिए थे।

जब वह वापस आएंगे, तो कुलदीप के पास 300 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा। 159 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 22.50 की औसत से 297 विकेट लिए हैं जिसमें 6/25 का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा है। उन्होंने

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 8 बार पांच विकेट लिए हैं। कुलदीप 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम का हिस्सा नहीं हैं।

पांच मैचों की टी20 सीरीज 22 जनवरी को कोलकाता में शुरू होगी। दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 25 और 28 जनवरी को चेन्नई और राजकोट में खेला जाएगा।

सीरीज का चौथा मैच 31 जनवरी को पुणे में खेला जाएगा। मुंबई 2 फरवरी को टी20 सीरीज के अंतिम मैच की मेजबानी करेगा। तीन मैचों की वनडे सीरीज 6 फरवरी से शुरू होगी। भारत के लिए नई चुनौती आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी है, जो 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलेगी। इसकी मेजबानी पाकिस्तान और यूएई करेंगे, जिसमें भारत हाइब्रिड मॉडल के तहत यूएई में अपने मैच खेलेगा। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 50 ओवर के मैच होंगे और ये पूरे पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। दो चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत का आखिरी लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा।

खिलाड़ियों की अनुशासनहीनता से नाराज टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर

नईदिल्ली, एजेंसी। क्या टीम इंडिया के क्रिकेटर अनुशासनहीन हैं? ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद हुई भारतीय क्रिकेट टीम की रिव्यू मीटिंग में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं.

टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में आईसीसी की अनुशासनहीनता से हेड कोच गौतम गंभीर नाराज बताए जा रहे हैं. उन्होंने रिव्यू मीटिंग में टीम इंडिया के राज खोले हैं. वहीं हाल में भारतीय क्रिकेट टीम में फैमिली टूर को लेकर नियमों में कई बदलाव हुए थे, संभवतः माना जा रहा है यह सब भी उस रिव्यू मीटिंग के बाद ही हुआ है. हेड कोच गौतम गंभीर ने रिव्यू मीटिंग में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज हारने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में अनुशासनहीनता के बारे में बात की थी. ध्यान रहे इस सीरीज में भारत को 1-3 से सीरीज गंवानी पड़ी थी. जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार- खिलाड़ियों की अनुशासनहीनता ही वह कारण है जिसके चलते बीसीसीआई टूर पर 2 सप्ताह तक परिवार के साथ रहने के कोविड-19 से पहले के नियमों पर वापस जा रहा है.

वहीं रिव्यू मीटिंग में सामने आया है कि गौतम गंभीर और खिलाड़ी परिवार के साथ रहने के मुद्दे पर एकमत थे. रिव्यू मीटिंग में यह भी तय हुआ कि जूनियर/युवा क्रिकेटरों के साथ सख्ती बरतने की जरूरत है. वहीं हैरानी वाली बात यह रही कि ऑस्ट्रेलिया में डेढ़ महीने लंबे दौरे में केवल एक टीम डिनर हुआ था .

बैठक में मौजूद एक वरिष्ठ खिलाड़ी ने बीसीसीआई को मैच फीस न बांटने का सुझाव दिया क्योंकि खिलाड़ी घरेलू और राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं. यह भी समझा जा रहा है कि कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान गौतम गंभीर और बीसीसीआई के बीच सभी विवादों के बीच बैठक हो सकती है.

न्यूज बाइट्स

सड़क दुर्घटना में युवक की हुई मौत

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। हसपुरा थाना क्षेत्र में हसपुरा-पचरुखिया रोड में सड़क हादसे में एक 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक युवक घायल अवस्था में हसपुरा पचरुखिया रोड में गिरा हुआ था। उसे ग्रामीणों ने उठाकर इलाज के लिए हसपुरा के सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र लाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान रफीगंज के नईकी गांव निवासी मिंटू मेहता के 18 वर्षीय पुत्र लवकुश कुमार के रूप में की गई है। मृतक अपने ननिहाल हसपुराडीह निवासी राज किशोर मेहता के घर में रहता था। परिजनों ने बताया कि वह प्रतिदिन हसपुरा बाजार स्थित मछली के दुकान में रहता था। दिनभर दुकान चलाता था। बुधवार की शाम वह दुकान से बाहर घूमने गया था। शाम 8 बजे अस्पताल से खबर आया तो पता चला कि ऐसी घटना घट गई है। दुर्घटना कैसे हुई, यह किसी को पता नहीं चल रहा है।लोग अनुमान लगा रहें है कि सड़क पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया या किसी दोस्त की बाइक से एक्सीडेंट हुआ होगा।दुर्घटना की सूचना मिलने पर हसपुरा पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने औरंगाबाद सदर अस्पताल भेजा। हसपुरा थानाध्यक्ष नरोत्तम ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रहीं है।एक्सीडेंट के कारण का पता लगाया जा रहा है। युवक की मौत से उसके घर में कोहराम मचा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस बीच हसपुरा के मुखिया प्रतिनिधि राकेश सिंह, जिप प्रतिनिधि मो. एकलाख खां सहित अन्य समाजसेवी अस्पताल पहुंचे। परिजनों को ढांढस बंधाया और उचित मुआवजे की मांग की।

बिहार में एडीजी से लेकर डीआइजी तक बनाए गए जिला प्रभारी

पटना (नि. सं.)। बिहार पुलिस के कामकाज में बड़ा बदलाव किया गया है। डीजीपी विनय कुमार ने नई पहल करते हुए पुलिस के वरीय अधिकारियों को अलग-अलग जिलों का प्रभारी बनाया है। इसमें पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआइजी), पुलिस महानिरीक्षक (आइजी) और अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) रैंक के अधिकारियों को यह काम सौंपा गया है। यह अफसर जिले में ओवरआल पुलिसिंग की मॉनिटरिंग के साथ डीएसपी से लेकर एसएसपी तक के काम की भी समीक्षा करेंगे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पुलिस मुख्यालय के एडीजी कुंदन कृष्णन को पटना जिले का प्रभारी बनाया गया है। वहीं डीआइजी हरप्रीत कौर को कैमूर, जबकि आर्थिक अपराध इकाई के डीआइजी मानवजीत सिंह ढिल्लन को रोहतास का नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। इसी तरह अलग-अलग जिलों में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। डीआइजी से एडीजी तक बनाए गए नोडल पदाधिकारियों को हर माह अपने प्रभार वाले जिले का दौरा करना है। डीजीपी के पत्र में कहा गया है कि हर माह बुधवार या गुरुवार को संबंधित जिला प्रभारी दौरा करेंगे और जिले में पुलिस के कामकाज की समीक्षा करेंगे। समीक्षा के लिए 19 बिंदु तय किए गए हैं, जिसके आधार पर समीक्षा की जानी है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

परिजनों ने बताया कि मृतक के साथ गांव के ही दो दोस्त भी थे, लेकिन दुर्घटना के बाद दोनों लापता हैं

निज संवाददाता | औरंगाबाद

नवीनगर थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान देव थाना क्षेत्र के तेंदुआ गांव निवासी 22 वर्षीय सुशील कुमार के रूप में हुई, जो जनरल कंपटीशन की तैयारी कर रहा था। बुधवार दोपहर सुशील अपने गांव के दो दोस्तों के साथ झारखंड के हरिहरगंज किसी काम से गया था। देर रात लौटते समय, नबीनगर की ओर से बाइक पर लौटते वक्त शंकरपुर गांव के पास खड़े चार पहिया वाहन से बाइक की टक्कर हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद, सुशील के परिजन मौके पर पहुंचे और उसे जिंदा समझकर इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि सुशील के साथ गांव के ही दो दोस्त भी थे, लेकिन दुर्घटना के बाद दोनों लापता हैं। इस घटना ने संदेह की स्थिति पैदा कर दी है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के अस्पताल पहुंचने से पहले ही दोनों युवक वहां से गायब हो गए।

नवीनगर थाना अध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय ने गुरुवार को बताया कि सड़क दुर्घटना की जानकारी पुलिस को मिली थी, लेकिन परिजन पुलिस के पहुंचने से पहले ही शव को अस्पताल ले गए। पोस्टमार्टम के बाद नगर थाना पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद से सुशील के दोनों दोस्तों का गायब होना इस मामले को संदिग्ध बना रहा है।

चतरा मोड़ के पास हुआ हादसा

बैंक से लौट रही महिला को वाहन ने मारी टक्कर, घायल, ड्राइवर फरार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चतरा मोड़ के पास गुरुवार रात स्कूटी सवार एक महिला अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर होकर सड़क पर जा गिरी। औरंगाबाद शहर के पठान टोली निवासी औरंगजेब खान की ओर से घायल महिला को इलाज के लिए भर्ती करवाया गया।

घायल महिला की पहचान अरवल जिला मेंहिदिया थाना क्षेत्र के रुकसागर बिगहा गांव निवासी 25 वर्षीय खुशबू कुमारी के रूप में की गई है। घायल को डॉक्टर दिनेश कुमार की देखरेख में इलाज की जा रही है। घायल महिला ने बताया कि वो एक निजी बैंक में काम करती है। बैंक के कार्य से सिलाड गांव गई हुई थी। रात में वापस लौट रही थी, तभी सामने से आ रही अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घायल को औरंगजेब खान ने इलाज के लिए भर्ती करवाया। घायल को इलाज कराने वाले ने बताया कि मैं अंबा से किसी कार्य से वापस अपने घर लौट रहा था। तभी चतरा मोड़ के पास हादसे की शिकार महिला को देखा। आसपास भीड़ लगी थी। लेकिन किसी ने इलाज के लिए भर्ती नहीं करवाया। बाद में टेंपो के माध्यम से इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल लाया। फिलहाल डॉक्टरों के देखरेख में इलाज जारी है। खुशबू कुमारी औरंगाबाद के जंगी मोहल्ला में किराए के मकान पर रहती है। लोगों की ओर से घायल को परिजनों को इसकी सूचना दी गई। डॉक्टर दिनेश कुमार ने बताया कि घायल को सर में एवं अन्य जगहों पर काफी चोट आई है।

व्यवहार न्यायालय में अनिश्चितकालीन हड़ताल

न्यायिक कार्य ठप, अदालतों में लटका रहा ताला

- हड़ताल के कारण न केवल वादकारी, बल्कि पुलिस और अन्य न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े सभी लोग प्रभावित हुए।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

गुरूवार को औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय में कर्मचारी संघ द्वारा अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल शुरू कर दी गई, जिसका सीधा असर न्यायिक कार्यों पर पड़ा। हड़ताल के चलते सभी कोर्ट के बाहर ताले लटके रहे और न्यायालय परिसर में सन्नाटा छाया रहा। इस कारण न्यायिक कार्य बाधित होने से अधिवक्ता, मुवक्किल, गवाह और पुलिसकर्मी सहित अन्य पक्षों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

हड़ताल के चलते रिमांड पर लाए गए अभियुक्तों को भी लौटा दिया गया। संघ के मीडिया प्रभारी मनोज कुमार सिन्हा और ओम प्रकाश गुप्ता ने जानकारी दी कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती, हड़ताल जारी रहेगी। वहीं, अधिवक्ताओं ने भी इस स्थिति पर चिंता जाहिर की। जिला विधिक संघ के अध्यक्ष विजय कुमार पांडेय और महासचिव जगनारायण सिंह ने कहा कि हड़ताल से अधिवक्ताओं का न्यायिक कार्य बहुत प्रभावित हो रहा है।

हड़ताल के कारण न केवल वादकारी, बल्कि पुलिस और अन्य न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े सभी लोग प्रभावित हुए। गवाह और अभियोजन पक्ष के अधिकारी निराश होकर वापस लौट गए। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने कहा कि इस हड़ताल से न केवल न्यायिक कार्य ठप हो गया है, बल्कि न्याय पाने के लिए आए पक्षकार भी परेशान हैं। जिला विधिक संघ ने राज्य सरकार और पटना उच्च न्यायालय से जल्द से जल्द इस विवाद को सुलझाने और हड़ताल समाप्त करने की अपील की है। संघ ने उम्मीद जताई है कि सरकार और उच्च न्यायालय के प्रयासों से जल्द ही न्यायालय में कामकाज शुरू हो सकेगा, जिससे अधिवक्ता और मुवक्किलों को राहत मिल सके। यह हड़ताल न्यायिक प्रक्रिया में बड़ी बाधा बन गई है और इसका समाधान शीघ्रता से निकालना अत्यंत आवश्यक है।

कर्मचारी संघ की चार प्रमुख मांगे

व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्रीकांत कुमार ने बताया कि उनकी चार मांगें जुलाई 2024 से लंबित हैं, जिन पर अब तक राज्य सरकार और उच्च न्यायालय ने कोई कार्रवाई नहीं की है। इस स्थिति ने कर्मचारियों को हड़ताल के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने साथी कर्मचारियों से एकजुटता बनाए रखने की अपील की।

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय स्टार्टअप सेल को मिला बेस्ट स्टार्टअप सेल का अवार्ड

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय के स्टार्टअप सेल को बिहार में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'बेस्ट स्टार्टअप सेल' अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में बिहार सरकार के उद्योग एवं पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा और उद्योग विभाग की प्रमुख सचिव बंदना प्रेयशी ने प्रदान किया। बिहार में कुल 46 स्टार्टअप सेल्स में औरंगाबाद के स्टार्टअप सेल ने अपने निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन से यह सम्मान प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि स्टार्टअप सेल ने उद्यमिता विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब तक इस सेल के माध्यम से सात स्टार्टअप को बिहार सरकार से सीड फंड प्राप्त हुआ है। महाविद्यालय ने सैकड़ों स्टार्टअप्स और कंपनियों के साथ एमओयू साइन किए हैं, जिससे छात्रों को अपने इनोवेशन को व्यवसाय में बदलने का अवसर मिला है। प्राचार्य ने यह भी बताया कि उनकी अगली योजना इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की है, ताकि छात्रों के नवाचार को कानूनी सुरक्षा और मान्यता मिले। यह उपलब्धि न केवल राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, औरंगाबाद के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे बिहार के लिए प्रेरणा है। इस तरह की पहल राज्य में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित हो रही है।

स्टार्टअप सेल के मेंटरशिप में सिंहा कॉलेज के स्टूडेंट को मिला सीड फंड

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

औरंगाबाद के रफीगंज के अरथुआ स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय का स्टार्टअप सेल न केवल अपने कॉलेज बल्कि दूसरे कॉलेजो के छात्रों को भी उनके स्टार्टअप्स को आईडिया स्टेज, बिज़नेस मॉडल, प्रोटो टाइप से लेकर सीड फंड दिलाने तक मार्गदर्शन कर रहा है। इसी कड़ी में औरंगाबाद के सच्चिदानंद सिंहा कॉलेज के छात्र गुलाम कादिर खान को उसके स्टार्टअप के लिए बिहार सरकार से 10 लाख का सीड फंड मिला है। सीड फंड मिलने पर कादिर ने राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय के स्टार्टअप सेल को धन्यवाद दिया। कहा कि उनकी स्टार्टअप जर्नी में राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय के स्टार्टअप सेल ने हर मौके पर सहायता उपलब्ध कराई है। वही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत मणि ने सीड फंड पाने वाले छात्र को शुभकामना दी। कहा कि विगत छह महीने से महाविद्यालय का स्टार्टअप सेल पूरे बिहार में शीर्ष रैंकिंग पर है। वही स्टार्टअप सेल के इंचार्ज प्रो. आनंद राज ने बताया कि अभियंत्रण महाविद्यालय के स्टार्टअप सेल से पहल पर अब तक कुल सात स्टार्टअप्स को सीड फंड मिला है।

जीविका दीदी कैंटिन आरंभ

निज संवाददाता | रफीगंज(औरंगाबाद)

रफीगंज प्रखंड परिसर में अटल जीविका स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित की जाने वाली मालती दीदी जीविका कैंटिन गुरूवार से आरंभ हो गया है।

जीविका के बीपीएम संतोष कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जीविका समूह से जुड़ी महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की यह पहल है। इससे जीविकोपार्जन होगा। समूह से जुड़ी महिलाएं चाय, नाश्ता एवं अन्य सामग्री बनाकर बिक्री करेंगी। इस अवसर पर युवराज कुमार, प्रशिक्षक प्रवीण कुमार, चंदन कुमार, अनवर, विकास, बिहारी, मनीष एवं अन्य जीविका दीदियां मौजूद रही।

सीएम के आगमन को लेकर डीएम–एसपी ने किया निरीक्षण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

गुरुवार को जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री और पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने मुख्यमंत्री की संभावित प्रगति यात्रा कार्यक्रम को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फेसर पंचायत स्थित खेल मैदान बसडीहा कला, अनुसूचित जाति-जनजाति आवासीय विद्यालय और अन्य संभावित स्थलों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान, जिला पदाधिकारी ने आयोजन को सुव्यवस्थित और भव्य बनाने के लिए अधिकारियों को कई जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रगति यात्रा के दिन सभी विभागों को अपने-अपने स्टॉल लगाने होंगे, ताकि जनता को विभिन्न विभागों की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी मिल सके।

जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों से कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने और हर संभव व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष ध्यान देने की बात कही, ताकि प्रगति यात्रा कार्यक्रम सफल और आकर्षक हो। इस मौके पर उप विकास आयुक्त अभ्येंद्र मोहन सिंह, सदर एसडीओ संतन कुमार सिंह, जिला योजना पदाधिकारी अविनाश कुमार और अन्य संबंधित जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। सभी ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का आश्वासन दिया।

दाऊदनगर ने रोमांचक मुकाबले में हसपुरा को 4 रन से हराया, रज्जा खां बने मैन ऑफ द मैच

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

हसपुरा में खेले जा रहे मिलेनियम कप क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में दाऊदनगर ने हसपुरा को रोमांचक मुकाबले में 4 रन से हराया। इस मैच में दाऊदनगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 14 ओवरों में 9 विकेट खोकर 111 रन बनाए। जवाबी पारी खेलने उतरी हसपुरा की टीम ने 9 विकेट खोकर मात्र 107 रन ही बना पाई। मैच के अंतिम ओवर में हसपुरा को जीत के लिए 31 रन चाहिए थे। हालांकि, हसपुरा के बल्लेबाज मुंतजीर ने आखिरी ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की, लेकिन टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो पाए और 26 रन ही बना सके। इस तरह दाऊदनगर ने 4 रन से रोमांचक मुकाबला जीत लिया। दाऊदनगर टीम के रज्जा खां को मैन ऑफ द मैच चुना गया। रज्जा ने बल्ले से 11 गेंदों में 22 रन बनाये और गेंदबाजी में तीन महत्वपूर्ण विकेट भी चटकाए। उन्हें मुख्य अतिथि गोह के पूर्व विधायक प्रो. रणविजय सिंह द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मैच की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रो. रणविजय सिंह ने की, जिन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ किया। प्रो. सिंह ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा, 'आप सभी बहुत अच्छे खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं, इसी तरह खेलते रहिए। हसपुरा की टीम के सचिन द्वारा लिया गया कैच भी दर्शकों द्वारा सराहा गया। मैच में अम्पायरिंग रिंकू भारती और हैदर अली ने की, जबकि स्कोरिंग की जिम्मेदारी सरोज कुमार ने संभाली। कमेंट्री का कार्य शिक्षक मनोज यादव और आशिफ इकबाल ने किया। इस दौरान हसपुरा मुखिया प्रतिनिधि राकेश सिंह, लोजपा नेता विजय कुमार अकेला, जदयू नेता गुंजन पटेल, पिंटू शर्मा, सुशील कुमार प्रिंस सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। खेल आयोजन में कमिटी के शहबाज मिन्हाज, राजू भारती, प्रिंस शौंडिक, रजत गुप्ता, अंकित, राणा, रोहित सेठी, जयप्रकाश, अनीश केशरी और मनीष यादव ने व्यवस्था संभाली। इस रोमांचक मैच ने दर्शकों को अंत तक बांध कर रखा और टूर्नामेंट के अगले मुकाबलों के लिए उत्सुकता और बढ़ा दी है।

ओवरब्रिज की मांग को लेकर प्रदर्शन दूसरे दिन समाप्त, पदाधिकारियों ने दिया आश्वासन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में एनएच-139 पर निर्माणाधीन हरिहरगंज बाइपास में संडा-मटपा रोड पर ओवरब्रिज की मांग को लेकर सैकड़ों लोगों ने दूसरे दिन गुरुवार को भी प्रदर्शन जारी रखा। निर्माण कार्य को ठप करा दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग पर संज्ञान लेने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पदाधिकारी सुधीर कुमार प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे मटपा पंचायत के मुखिया सरून कुमार ने बताया कि पदाधिकारी ने लोगों की समस्याओं को सुना और वीआईपी रेफ्रेंस के आधार पर ओवरब्रिज की मांग की। उन्होंने बताया कि मांग पर विभाग एक माह के अंदर डीपीआर तैयार कर ओवरब्रिज निर्माण की स्वीकृति दे देगा। पदाधिकारियों की बात से आश्वस्त होकर प्रदर्शनकारियों ने ओवरब्रिज की मांग पर सहमति जताई और प्रदर्शन समाप्त किया। 15 जनवरी बुधवार को नेशनल हाईवे 139 पर निर्माणाधीन हरिहरगंज बाइपास में संडा-मटपा रोड पर ओवरब्रिज की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू किया गया था और निर्माण कार्य को बंद करा दिया था। मुखिया सरून कुमार ने बताया कि संडा- मटपा रोड दर्जनों गांव के लिए आवागमन का मुख्य मार्ग है। जिसके कारण यह सड़क काफी व्यस्त रहता है। मार्ग पर ओवरब्रिज न बनने से दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी। भविष्य में होने वाले जान-माल के खतरे की आशंका से आमलोगों में भय है, लेकिन गुरुवार को पदाधिकारियों की बात से आश्वस्त होकर प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

20 जनवरी को औरंगाबाद आएंगे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

पूर्व केंद्रीय मंत्री व राजद नेता कांति सिंह ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री रामबिलास बाबू की प्रतिमा पुर्नस्थापित करने में देरी हो रही है। लेकिन दुरुस्त तरीके से उनकी प्रतिमा शहर के दानी बिगहा व्यवसायिक परिसर में लगेगी। मंत्री ने ये भी जानकारी दी है कि 20 जनवरी को तेजस्वी यादव औरंगाबाद आएंगे और अपने कार्यकाल की उपलब्धि को साझा करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह बात गुरुवार को जिला अतिथि गृह में राष्ट्रीय जनता दल की महिला कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक के दौरान कही है। उन्होंने कहा है रामबिलास बाबू का औरंगाबाद में बड़ा योगदान रहा हैं। रामबिलास बाबू का योगदान है कि दाउदनगर अनुमंडल बना है। यदि उनका प्रतिमा नहीं लगेगा तो किसका लगेगा। इसमें कुछ लोग हैं, जिन्होंने जिला परिषद के जमीन को लीज पर रखा है। वे जानबूझ कर नहीं चाहते हैं कि रामबिलास बाबू का प्रतिमा लगें। वे नहीं चाहते हैं कि जिले के लोग रामविलास के योगदान को जाने। हम ऐसा नहीं होने देंगे। काम में देरी हो रही है, लेकिन दुरुस्त काम होगा। उन्होंने कहा कि जिला परिषद की ओर से सर्वसम्मति से रामविलास बाबू की प्रतिमा व्यवसायिक परिसर में लगाने को लेकर प्रस्ताव पारित किया जा चुका है। इसमें जिला प्रशासन और सरकार को सहयोग करना चाहिए, अन्यथा हम लोग सड़क पर उतर कर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। राजद नेता ने कहा है कि बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव 20 जनवरी को औरंगाबाद में कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम में पहुंचेंगे। कार्यक्रम को लेकर राजद के सभी प्रकोष्ठ के नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

इसी संदर्भ में आज यह बैठक बुलाई गई है, ताकि तैयारियों की समीक्षा की जा सकें। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में पंचायत से लेकर जिला स्तर तक के कार्यकर्ता और नेता शामिल होंगे। कार्यकर्ताओं से मिलकर संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

दशरथ प्रसाद रामनंदन पांडे बी.एड. कॉलेज के प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

गुरूवार को जिले के चित्रगोपी स्थित दशरथ प्रसाद रामनंदन पांडे बी.एड. कॉलेज के प्रांगण में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, औरंगाबाद के तत्वावधान में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साह से बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान किया।

इस शिविर में कुल 75 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया। जांच के बाद, 31 लोग ही रक्तदान के लिए उपयुक्त पाए गए। इन दाताओं का रक्त रेड क्रॉस सोसाइटी के अधिकारियों द्वारा सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से लिया गया और संग्रहित किया गया। कॉलेज के सचिव श्री शंभूनाथ पांडेय ने रक्तदान करने वाले सभी दाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रेड क्रॉस सोसाइटी हमेशा दाताओं के साथ सहयोग के लिए तत्पर रहेगी। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को रक्तदान के महत्व को समझने के लिए भी प्रेरित किया। इस मौके पर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. उदय शर्मा, शिक्षक जनार्दन सिंह, नितेश दुबे, चंदन कुमार, अखिलेश कुमार, चंद्रशेखर, ब्रजभूषण सिंह, देवेंद्र सिंह, गौतम कुमार, लवकुश कुमार, राहुल कुमार, राजा, ब्रजमोहन, आशा, माया, शारदा और शिखा कुमारी सहित कई अन्य शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

इस शिविर में सुपर आदर्श आईटीआई जसोइया, रामानंदन पांडेय आईटीआई अंबा, देव वैली ग्लोबल स्कूल, देव वैली ग्लोबल स्कूल ऑफ नर्सिंग, दशरथ प्रसाद रामानंदन पांडेय कॉलेज ऑफ फार्मेसी, और एरका कॉलोनी अंबा के शिक्षक और छात्रों ने भी भाग लिया। शिविर में उपस्थित सभी लोगों ने रक्तदान के महत्व को समझा और यह संकल्प लिया कि भविष्य में भी वे रक्तदान के लिए तैयार रहेंगे। इस शिविर के आयोजन ने रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और समाज में सकारात्मक संदेश भेजा।

सुरक्षा बलों को उड़ाने की साजिश पुनः विफल तीन शक्तिशाली प्रेशर आईईडी बरामद

नि. संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

जिले में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत पुलिस ने माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों को उड़ाने की योजना को एक और विफल कर दिया है। यह बड़ी सफलता केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा-205 बटालियन और मदनपुर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में प्राप्त हुई। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान, पुलिस टीम ने मदनपुर थाना क्षेत्र के छकरबंधा, लड़ईयां, बांसडीह और शिकारीकुआं इलाके में तीन शक्तिशाली प्रेशर आईईडी बम बरामद किए। इन बमों में से दो 3-3 किलो के और एक 5 किलो का था। यह बम नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए लगाए गए थे, जिन्हें पुलिस ने समय रहते बरामद कर नष्ट कर दिया। इस सफलता की जानकारी देते हुए एसडीपीओ-2 अमित कुमार ने कहा कि यह संयुक्त अभियान पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाया जा रहा था। सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के एफ-47 प्लाटून के सहायक समादेष्टा सुनील कुमार के नेतृत्व में और मदनपुर थाना की पुलिस टीम ने मिलकर यह बड़ी कार्रवाई की।

एसडीपीओ ने बताया कि इस प्रकार की सफल कार्रवाई से नक्सलियों का मनोबल गिरा है और नक्सल गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस टीम का यह प्रयास नक्सलियों के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है, जो अब और भी मजबूत हुआ है। अमित कुमार ने यह भी कहा कि नक्सलियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा और पुलिस का प्रयास होगा कि नक्सली गतिविधियों को पूरी तरह से समाप्त किया जा सके। यह अभियान और नक्सलियों के खिलाफ की गई कार्रवाई, सुरक्षा बलों की तत्परता और उनकी साहसिकता को उजागर करती है।

बाल कल्याण समिति ने भुला-भटका दो बालकों को परिवार को सौंपा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबादः जिला मुख्यालय में स्थित बाल कल्याण समिति ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दो भुला भटका बालकों को उनके परिवारों के हवाले किया। यह कार्य बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष मदन प्रसाद की अध्यक्षता में किया गया। बाल कल्याण समिति को 9 जनवरी को जमुहार मंझियावा ओबरा क्षेत्र से दो बालक मिले, जिनकी उम्र पांच और सात वर्ष थी। दोनों बच्चे सड़क पर भटक रहे थे और उनके माता-पिता का कोई सुराग नहीं था। इसके बाद बाल कल्याण समिति ने इन बच्चों को सुरक्षित स्थान पर रखा और उनकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं शुरू की। बाल कल्याण समिति ने बच्चों के माता-पिता की पहचान के लिए कई प्रयास किए और उनकी पहचान मिलाने के बाद यह सुनिश्चित किया कि दोनों बच्चों के परिवारों के साथ मिलान हुआ है। बालकों के उत्तम हित को ध्यान में रखते हुए, उन्हें पुनर्वासित करने की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद, समिति ने बच्चों को उनके अभिभावकों, जितेन्द्र चौधरी और तारा देवी, जो गोपीगंज, काराकाट, रोहतास के निवासी हैं, को सौंप दिया। यह कदम पूरी तरह से बालकों के भविष्य और उनकी सुरक्षा के उद्देश्य से उठाया गया था। इस पुनर्वास कार्य में जिला बाल संरक्षण इकाई का भी अहम योगदान रहा।